अखबार जो बदल दे नजरिया
राष्ट्रीय ख़बर हमारी नज़र
पेज ›› 12 मूल्य ›› 3 रुपये ›› वर्ष ›› 14 अंक ›› 177 epaper.rashtriyakhabar.com आषाढ़, शुक्लपक्ष द्वादशी, विक्रम संवत 2080

चाणक्य नीति

लोभश्चेदगुणेन किं पिशुनता यद्यस्ति किं पातकैः
सत्यं चेत्तपसा च किं शुचि मनो यद्यस्ति तीर्थेन किम्।
सौजन्यं यदि किं गुणैः सुमहिमा यद्यस्ति किं मण्डनैः
सद्विद्या यदि किं धनैरपयशो यद्यस्ति किं मृत्युना॥

भावार्थ : यदि मनुष्य में लोभ है तो उसे किसी अन्य बुराई की आवश्यकता नहीं। यदि व्यक्ति चुगलखोर है तो इससे बढ़कर और क्या पाप हो सकता है? यदि उसके जीवन में सत्यवादिता, सत्याचरण आदि गुण हैं तो उसे तप करने की क्या आवश्यकता है? यदि मनुष्य का मन पवित्र है तो विभिन्न तीर्थों पर जाकर वहां स्नान करने से क्या लाभ? यदि मनुष्य में प्रेम है तो उसे अन्य गुणों की क्या आवश्यकता है? यदि संसार में उसका यश फैल रहा है तो उसे अन्य किसी आभूषण की क्या आवश्यकता है?

रांची पारा अपडेट

मैक्सिमम	मिनीमम
30.00 °c	24.00 °c

सूर्यास्त (आज) ›› 18 .38 बजे
सूर्योदय (कल) ›› 05 .05 बजे

विश्व बैंक ने हिमाचल को दिए 20 करोड़ डॉलर

धर्मशाला: विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक मंडल ने राज्य में बिजली क्षेत्र में सुधारों को बढ़ावा देने और राज्य के बिजली उत्पादन में नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार को 20 करोड़ डॉलर के ऋण की मंजूरी दे दी है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक इस ऋण के जरिए राज्य की बिजली आपूर्ति को हरित बनाने के लिए 10,000 मेगावाट (10 गीगावाट) अतिरिक्त आरई क्षमता जोड़ने के राज्य के समग्र लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी। हिमाचल प्रदेश (एचपी) का लक्ष्य 2030 तक नवीकरणीय और हरित ऊर्जा के माध्यम से अपनी सौ प्रतिशत ऊर्जा जरूरतों को पूरा करके ह्यहरित राज्यह्ण बनना है। राज्य वर्तमान में अपनी 80 प्रतिशत से अधिक ऊर्जा मांगों को जल विद्युत से पूरा करता है। विश्व बैंक का हिमाचल प्रदेश विद्युत क्षेत्र विकास कार्यक्रम राज्य को जलविद्युत सहित अपने मौजूदा आरई संसाधनों के उपयोग को बढ़ाने में मदद करेगा और इसके आरई संसाधनों को और अधिक विविध बनाने में मदद करेगा। भारत के लिए विश्व बैंक के निदेशक ऑगस्टे तानो कौमे ने कहा कि यह कार्यक्रम जीवाश्म-ईंधन-आधारित ऊर्जा खपत को हरित ऊर्जा से प्रतिस्थापित करते हुए स्थानीय आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा देगा। इसके अलावा कार्यक्रम राज्य को एकल ऊर्जा व्यापार डेस्क स्थापित करने में सहायता मिलेगी, जिससे अन्य राज्यों को अधिशेष जलविद्युत की बिक्री सक्षम हो सकेगी।

पीटीआई कराची अध्यक्ष चीमा ने पार्टी छोड़ी

कराची: पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को उस समय तगड़ा झटका लगा जब उनकी कराची से पार्टी अध्यक्ष एवं पूर्व एमएनए अकरम चीमा ने पार्टी छोड़ने की घोषणा की। श्री चीमा ने बुधवार को पीटीआई से अलग होने की घोषणा की। श्री चीमा को पिछले महीने पीटीआई के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा शहर अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। श्री चीमा का उस समय कराची से पार्टी अध्यक्ष बनाया गया जब तत्कालीन अध्यक्ष एमएनए आफताब सिद्दीकी ने नौ मई के प्रकरण के बाद पार्टी छोड़ दी थी। उनके इस फैसले का कारण पार्टी में मतभेद माना जा रहा है। बाद में, श्री चीमा को कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने पकड़ लिया और लगभग एक सप्ताह के अंतराल के बाद उन्हें नौ मई के दंगों से संबंधित दो मामलों में गिरफ्तार कर लिया गया। कुछ दिन पहले अदालत ने उनकी जमानत मंजूर की थी। कराची प्रेस क्लब में एक संवाददाता से मुखातिब होते हुए श्री चीमा ने राष्ट्रीय संस्थानों पर हमलों और इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के परिसर में श्री खान की गिरफ्तारी के बाद नौ मई को हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन की निंदा की। उन्होंने कहा, मैं नौ मई को सैन्य प्रतिष्ठानों पर हुए हमले की कड़ी निंदा करता हूं और मांग करता हूं कि इस हिंसा के पीछे के लोगों को दंडित किया जाए। उन्होंने यह भी दावा किया कि वह उस स्थान पर मौजूद नहीं थे जहां नौ मई को उपद्रवियों ने कानून अपने हाथ में लिया और हिंसा की वारदात को अंजाम दिया था।

चीन में गर्मी के लिए येलो अलर्ट जारी

बीजिंग: चीन के बड़े हिस्से में लू चलने के आसार और उच्च तापमान के खतरे को लेकर गुरुवार को येलो अलर्ट फिर से जारी किया गया। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि बीजिंग, तियानजिन, हेबेई, हेनान, शेडोंग, हुनान, जियांग्शी, झेजियांग, फुजियान, गुआंग्शी, गुआंग्डोंग, इनर मंगोलिया, झिंजियांग और गांसु के कुछ हिस्सों में गुरुवार को तापमान 35-37 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंचने का अनुमान है इसी अवधि में कुछ क्षेत्रों में तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच के आसार हैं। मौसम विभाग के अधिकारियों ने लोगों को दोपहर में घर से बाहर जाने से बचने की सलाह दी है और कहा है कि उच्च तापमान के संपर्क में आने वाले कर्मचारी आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय अपनाएं।

अपरिहार्य कारणों से आज का अंक 12 पृष्ठों का है। पाठकों की असुविधा के लिए हमें खेद है।

प्रतिरोध मणिपुर की पुलिस ने विष्णुपुर इलाके में काफिले को रोक दिया

हेलीकॉप्टर से शरणार्थी शिविर पहुंचे राहुल गांधी

- सुबह दिल्ली से चलकर इंफाल पहुंचे थे
- दोनों समुदायों से सीधी बातचीत करेंगे वह
- राज्य सरकार पर कई संगठनों का अविश्वास

राष्ट्रीय खबर

अगरतला: कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अब मणिपुर में भी पुलिस के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। वह दिल्ली से चलकर मणिपुर की हिंसा से प्रभावित लोगों से सीधे मिलना चाहते थे। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित मणिपुर की पुलिस ने राहुल के काफिले को रोका। एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, इम्फाल से 20-25 किमी दूर चुराचांदपुर जिले के बिष्णुपुर इलाके में राहुलजी के काफिले को रोक दिया गया है। पुलिस ने रोके जाने के बाद भी इस कांग्रेसी दल को यह नहीं बताया कि उन्हें यहां क्यों रोका गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुवार को बिष्णुपुर में घंटों फंसे रहने के बाद इंफाल लौट आये और यहां से हेलीकॉप्टर से चुराचंदपुर गये। वैसे अखिल भारतीय स्तर का कोई बड़ा नेता पहली बार वास्तविक संघर्ष के इलाकों तक पहुंच रहा है, इसे बड़ी बात माना जा रहा है।

इस बीच मणिपुर पैट्रियटिक पार्टी ने बुधवार को राहुल गांधी को एक खुला पत्र लिखकर उनके दौरे का विरोध किया। मैतेई समुदाय से प्रभावित भाजपा से जुड़े संगठन के मुताबिक, मणिपुर में यह समस्या असल में कांग्रेस काल में पैदा हुई थी। यह कांग्रेस सरकार ही थी जिसने 1949 में स्वतंत्र मणिपुर को जबरन भारत में शामिल किया था। मणिपुर के लोग विलय को स्वीकार नहीं कर सके, जिसके कारण राज्य में सशस्त्र संघर्ष का एक लंबा इतिहास शुरू हो गया। ›› पेज 2 भी देखें

पुरानी गणना पद्धति को बदलकर अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुसार

दक्षिण कोरिया के सारे लोगों की उम्र कम हो गयी

- यह बहस कोरियाई युग और को लेकर थी

राष्ट्रीय खबर

सिओल: दक्षिण कोरिया में 51 मिलियन से अधिक लोग बुधवार को उठे और पाया कि वे कम से कम कानून के अनुसार एक या दो साल छोटे हैं।

दरअसल यहां की पुरानी गणना पद्धति को बदलकर अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुसार किये जाने की वजह से लोगों की आयु में यह बदलाव आया है। बुधवार को लागू हुए कानून के तहत, पूर्वी एशियाई देश में सभी न्यायिक और प्रशासनिक क्षेत्र दुनिया के अधिकांश लोगों द्वारा उपयोग की जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय युग प्रणाली को अपनाएंगे, जिससे पूर्व सामान्य उपयोग के कारण होने वाली समस्याओं के बारे में वर्षों की बहस समाप्त हो जाएगी। यह बहस कोरियाई युग और को लेकर थी। सरकारी विधान मंत्री ली वान-क्यू ने सोमवार को एक समाचार ब्रीफिंग में कहा था कि उम्र का मानकीकरण विभिन्न सामाजिक भ्रम और विवादों को कम करेगा। पिछले दिसंबर में दक्षिण कोरिया की संसद द्वारा पारित कानून से उम्र मानकों के मिश्रित उपयोग के कारण अनावश्यक सामाजिक लागतों में काफी कमी आने की उम्मीद है, ली ने कहा, यह राष्ट्रपति यूं सुक-योल द्वारा एक प्रमुख प्रतिज्ञा थी। दक्षिण कोरिया में, अंतर्राष्ट्रीय आयु का तात्पर्य किसी व्यक्ति के जन्म के बाद से वर्षों की संख्या से है, और यह शून्य से शुरू होती है - यही प्रणाली अधिकांश अन्य देशों में उपयोग की जाती है। लेकिन जब अनौपचारिक सेटिंग में उनकी उम्र पूछी जाती है, तो अधिकांश दक्षिण कोरियाई लोग अपनी कोरियाई उम्र बताते हैं, जो उनकी अंतरराष्ट्रीय उम्र से एक ›› पेज 2 भी देखें

रियल एस्टेट कंपनी ने नये प्रयोग का किया है एलान

स्टॉकहोम में बनेगा सबसे बड़ा लकड़ी का शहर

- पूरा शहर की पांच मिनट की दूरी पर होगा
- सात हजार कार्यालय और दो हजार घर होंगे
- कॉर्बन सोखने की दिशा में अनूठी पहल होगी

राष्ट्रीय खबर

स्टॉकहोम: हाल के वर्षों में, लकड़ी की इमारतें नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई हैं। नॉर्वे, स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में ऊंची लकड़ी की गगनचुंबी इमारतें पूरी हो चुकी हैं या चल रही हैं। इस बीच, सिंगापुर मई में खुले 468,000 वर्ग फुट के विशाल कॉलेज परिसर के साथ एशिया की सबसे बड़ी लकड़ी की इमारत का दावा कर सकता है। अब, रियल एस्टेट डेवलपर एट्रियम लजुंगबर्ग ने दुनिया का सबसे बड़ा लकड़ी का शहर बनाने की योजना की घोषणा की है, जिसका निर्माण 2025 से स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में किया जाएगा। एक विज्ञप्ति के अनुसार, स्टॉकहोम वुड सिटी में शहर के दक्षिण-पूर्व में 7,000 कार्यालय स्थान और 2,000 घर होंगे, और यह कार्यस्थलों, आवास, रेस्तरां और दुकानों के मिश्रण के साथ एक जीवंत, शहरी वातावरण प्रदान करेगा। 250,000 वर्ग मीटर (2.7 मिलियन वर्ग फुट) में स्थापित, इसे इसके डेवलपर द्वारा लकड़ी में दुनिया की सबसे बड़ी ज्ञात निर्माण परियोजनाह्व के रूप में वर्णित किया गया है।

एट्रियम लजुंगबर्ग के अनुसार, यह परियोजना सिक्ला में बनाई जा रही है, जहां पहले से ही 400 से अधिक कंपनियां रहती हैं, जो पूर्व औद्योगिक स्थल पर एक खुदरा पार्क का मालिक है। डेवलपर इस क्षेत्र को पांच मिनट का शहर के रूप में वर्णित करता है, यह दावा करते हुए कि कार्यस्थल, घर, अवकाश सुविधाएं और सुविधाएं सभी एक दूसरे से पांच मिनट की पैदल दूरी पर हैं। एकल-परिवार के घरों और मामूली आवासीय या कार्यालय भवनों से परे लकड़ी का उपयोग करने वाली महत्वाकांक्षी नई निर्माण परियोजनाओं के साथ, इमारती लकड़ी को ›› पेज 2 भी देखें

सेना छावनी में जंगली हाथी

जवान जान बचाकर भागे

शिलिगुड़ी: तिस्ता इलाके में एक सौ से अधिक हाथियों का दल नजर आने के बाद अब बागडोगरा के बैगडुबी सेना छावनी को जंगली हाथी से दो चार होना पड़ा। गुरुवार की सुबह से ही इलाके में बारिश हो रही थी। इस वजह से सेना छावनी और आस पास के इलाको के लोग अपने अपने घरों में ही कैद थे। सड़कों पर बहुत कम यातायात था। इसी बीच जंगल से निकलकर यह जंगली हाथी अचानक सेना छावनी के अंदर चला आया। सोशल मीडिया में वायरल होने वाली तस्वीरों और वीडियो के मुताबिक यह जंगली हाथी सेना की इस छावनी के मुख्य द्वार से ही अंदर आया। अचानक हाथी को देखकर किसी जवान ने शोर मचाकर दूसरों को सावधान किया। इस शोर की वजह से यह हाथी आक्रामक हो गया और नजर आने वाले लोगों की तरफ दौड़ने लगा। इस वजह से वहां काफी देर तक भागादौड़ी की स्थिति बनी रही। वैसे जंगली हाथी का तेवर देखकर सैनिक भी सुरक्षित छिप गये थे। काफी देर तक वहां इधर उधर भटकने के बाद यह हाथी चुपचाप फिर जंगल में लौट गया। अचानक हाथी की सूचना पर सेना शिविर में साइरन भी बजा दिया गया था। जिसे सुनकर सभी लोग सतर्क हो गये थे। अंदर छिपे लोगों ने ही हाथी को सैन्य शिविर के अंदर चलते हुए उसके वीडियो बनाये, जो अब सोशल मीडिया में वायरल हो गया है। इस बारे में स्थानीय वन क्षेत्र पदाधिकारी समीरण राज ने कहा कि इस इलाके के जंगलों में कुछ हाथी हैं। वे अपनी मर्जी से इधर उधर आते जाते रहते हैं। शायद इसी दल का कोई एक हाथी रास्ता भटककर सेना की छावनी की तरफ चला गया होगा।

हाईटेंशन तार की चपेट में जगन्नाथ प्रभु की रथयात्रा

त्रिपुरा में दस मरे और 22 घायल

- मृतकों के आश्रितों को 6 लाख की आर्थिक मदद
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर जताया दुख
- राज्य के ऊर्जा मंत्री ने दिए जांच के आदेश

भूपेन गोस्वामी

गुवाहाटी : त्रिपुरा के उनाकोटि जिले में बुधवार शाम लगभग 6.30 बजे इस्कॉन मंदिर की ओर से निकाली जा रही जगन्नाथ यात्रा का रथ हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। इससे दो बच्चों समेत 10 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 22 लोग झुलस गए। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया है। उधर, कुछ मीडिया यूजर्स ने हादसे में अब तक 22 लोगों के मारे जाने की बात कही है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।सरकारी सूत्रों ने बताया कि सात लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और तीन लोगों की आज सुबह अस्पताल में मौत हो गई।पुलिस के मुताबिक यह हादसा ह्यउल्टा रथ यात्राह्ण उत्सव के दौरान कुमारघाट इलाके में शाम 4:30 बजे हुआ। श्रद्धालु लोहे से बने रथ को खींच रहे थे। इसी दौरान रथ 133 केवी ओवरहेड केबल के संपर्क में आ गया।पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि रथ बिजली के तार के संपर्क में कैसे आया।

कुमारघाट सब डिविजन अस्पताल के मेडिकल अधिकारी डॉ. संजित चकमा ने बताया- अब तक कुल 10 लोगों की मौत हुई है। वहीं, 22 लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।मान्यताओं के अनुसार, त्रिपुरा में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के एक सप्ताह बाद उल्टी रथ यात्रा निकलती है। इसमें भगवान के रथ को पीछे से खींचा जाता है। इसे घूरती रथ यात्रा कहा जाता है। इसमें रथ पर भगवान जगन्नाथ के साथ भगवान बलभद्र और बहन सुभद्रा सवार रहती हैं।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री ›› पेज 2 भी देखें

अनुसंधान समुद्री नेविगेशन में बेहतरी के लिए नया एआई आधारित तकनीक

रोबोट करेगा इंसानों से अधिक कार्यकुशलता से काम

- क्रिल के तैरने की नकल कर रोबोट बनाया
- यह समुद्री जीव पानी की कुशल खिलाड़ी है
- इसके अंगों को थ्री डी प्रिंटिंग से तैयार किया

राष्ट्रीय खबर

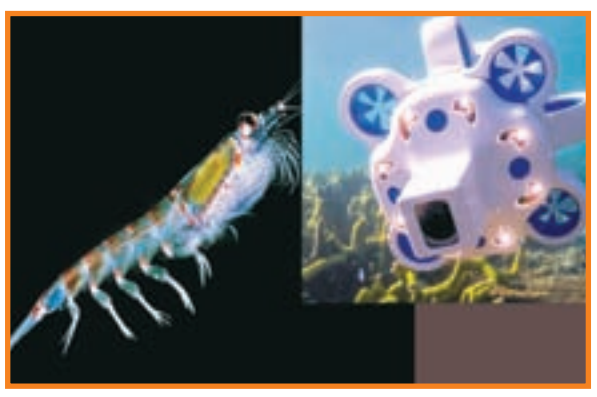

रांची: समुद्री की गहराई में सटीक तरीके से काम करना उतना आसान नहीं होता। दरअसल गहरे समुद्र में रोशनी की कमी भी इंसानी गोताखोरों के काम में बड़ी बाधा बनती है। इसके अलावा पानी के अंदर सक्रिय काम करने के लिए अतिरिक्त ऑक्सीजन का बोझ भी गोताखोरों को धीमा कर देता है। अब इस परेशानी को दूर करने का एक उपाय तलाशा गया है। साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित एक नए अध्ययन में, ब्राउन यूनिवर्सिटी के शोधकताओं के नेतृत्व में एक टीम ने इस प्रकार के पानी के नीचे नेविगेशन रोबोट के निर्माण में महत्वपूर्ण पहला कदम प्रस्तुत किया है। अध्ययन में, शोधकताओं ने प्लियोबोट नामक एक छोटे रोबोटिक प्लेटफॉर्म के डिजाइन की रूपरेखा तैयार की है जो शोधकताओं को क्रिल जैसी तैराकी पद्धति को समझने में मदद करने के लिए एक उपकरण के रूप में काम कर सकता है। इस बारे में पीएच डी सारा ओलिवेरा सैंटोस ने ›› पेज 2 भी देखें

शोधकताओं ने क्रिल से प्रेरणा ली

शोधकताओं ने क्रिल से प्रेरणा ली, जो उल्लेखनीय जलीय एथलीट हैं और तैराकी, गति बढ़ाने, ब्रेक लगाने और मोड़ने में निपुणता प्रदर्शित करते हैं। वे अध्ययन में तैराकी क्रिल के पैरों का अनुकरण करने और क्रिल में स्थिर आगे की तैराकी को बनाए रखने के लिए आवश्यक द्रव-संरचना इंटरैक्शन पर नई अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए प्लियोबोट की क्षमताओं का प्रदर्शन करते हैं। अध्ययन के अनुसार, प्लियोबोट में वैज्ञानिक समुदाय को यह समझने की अनुमति देने की क्षमता है कि समुद्री नेविगेशन के लिए बेहतर रोबोट बनाने के लिए 100 मिलियन वर्षों के विकास का लाभ कैसे उठाया जाए। क्रिल जैसी तैराकी जो इसे पानी के भीतर पैंतरेबाजी में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करती है। हमारा लक्ष्य क्रिल-जैसी तैराकी को समझने के लिए एक व्यापक उपकरण तैयार करना था, जिसका अर्थ था कि क्रिल को ऐसे एथलेटिक तैराक बनाने वाले सभी विवरण शामिल करना।

यूक्रेन के क्रामाटोरस्क पर मिसाइल हमले में चार की मौत

राष्ट्रीय खबर

कियेब: यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, रूसी मिसाइलों ने मंगलवार को पूर्वी यूक्रेन के शहर क्रामाटोरस्क के व्यस्त शहर केंद्र और पास के एक गांव पर हमला किया, जिसमें कम से कम चार लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। यूक्रेनी अभियोजक जनरल के कार्यालय ने कहा कि मारे गए लोगों में एक 17 वर्षीय लड़की और 42 घायलों में एक आठ महीने का बच्चा शामिल है। आरोप लगाया कि रूसी सेना ने नागरिकों को निशाना बनाया था। अभियोजक जनरल के बयान में कहा गया है, विस्फोट के केंद्र में अपार्टमेंट इमारतें, वाणिज्यिक परिसर, कारें, एक डाकघर और अन्य इमारतें थीं, जिनमें खिड़कियां, कांच और दरवाजे उड़ गए। उन्होंने कहा कि बचाव दल अभी भी काम कर रहे हैं। मलबे के नीचे पीड़ितों का पता लगाया जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक वहां का एक रेस्तरां क्रामाटोर्स्क ›› पेज 2 भी देखें

शहर >> अपडेट

बीजेपी ने सरकार को घेरा

रांची: सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त जस्टिस एमवाई इकबाल की जमीन पर भू माफियाओं की दखलअंदाजी और बाउंड्री तोड़े जाने के मामले पर झारखंड उच्च न्यायालय ने संज्ञान लेने के साथ तीखी टिप्पणी की है। उच्च न्यायालय ने अपनी टिप्पणी में कहा कि झारखंड में भू माफिया गैंग सक्रिय है। लोगों की जमीन पर कब्जा हो रहा है और प्रशासन पर लोगों का विश्वास कम हो रहा है।भू माफियाओं को लेकर उच्च न्यायालय की तीखी टिप्पणी के बाद मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने हेमंत सोरेन सरकार पर हमला बोला है। पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने कहा कि भाजपा लगातार कहती रही है कि राज्य में भूमि की लूट हो रही है। सरकार के संरक्षण में भू-माफिया हावी हैं।

आग्रह पुराने रेलवे स्टेशनों के नामों में उल्लेखित था बांग्ला

झारखंड के रेलवे पट्टिकाओं पर जनजातीय और बांग्ला भाषा का हो उपयोग: शिबू सोरेन

राष्ट्रीय खबर

रांची: राज्यसभा सांसद सह झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर झारखंड में बांग्ला भाषा निवासी स्थानों को चिह्नित करने का आग्रह किया है। गुरुवार को उन्हें लिखे गये पत्र में कहा है कि झारखण्ड सरकार से परामर्श कर बांग्ला भाषा निवासी स्थानों को चिन्हित करने की अपील की है। साथ ही झारखंड के बांग्ला बहुल क्षेत्रों में रेलवे स्टेशनों के नामों में जनजातीय भाषाओं के साथ-साथ बांग्ला भाषा का भी प्रयोग अनिवार्य रूप से करने का निवेदन किया है। उन्होंने अपने पत्र में आग्रह करते हुए लिखा है कि झारखण्ड के संथाल परगना, मानभूम, सिंहभूम, घालभूम एवं पंचपरगना क्षेत्रों में बंग्लाभाषी लोगों की एक विशाल आबादी की संख्या है।

बांग्ला भाषा राज्य के एक बड़े हिस्से में बोल-चाल की सामान्य भाषा है।शिबू सोरेन के अनुसार राज्य के पाकुड़, बड़हवा, जामताड़ा, मिहिजाम, मधुपुर, जसीडीह, मैथुन कुमारधुबी चिरकुण्डा, कालुबधान धनबाद, गोमो पारसनाथ, हजारीबाग रोड, मूरी। रांची, हटिया, चाकुलिया गालूडीह, राखा माईन्स, टाटानगर, चाण्डील, कान्द्रा, चक्रधरपुर चाईबासा, बरकाकाना, रांची रोड, जैसे कई पुराने रेलवे स्टेशनों के नाम पट्टिकाओं में बांग्ला भाषा उल्लेखित रहा है लेकिन विगत कई वर्षों से यह देखा जा रहा है कि इस क्षेत्र से बांग्ला भाषा में लिखे नाम को मिटा दिया गया, जो अत्यन्त अव्यवहारिक एवं दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा है कि इस इलाके के बांग्लाभाषी लोगों की नागरिकता मूलरूप से स्थायी हैं और वे झारखण्ड के मूलवासी हैं। ऐसे में मूलवासियों की जनभावना के अनुरूप उस क्षेत्र के रेलवे स्टेशनों के पट्टिकाओं पर उनकी भाषा में भी हों।रेलमंत्री को लिखे पत्र में सांसद श्री सोरेन ने कहा है कि झारखण्ड का भू-भाग 1912 ई० तक बंगाल प्रेसिडेन्सीका हिस्सा रहा था। इसके बाद यह भू-भाग बिहार का हिस्सा बना 1908 ई० से ही भारतीय रेल अस्तित्व में आया।

भारत के भू-खण्ड में रेलवे लाईन बिछनी शुरू हुई एवं सुगम परिचालन के लिए स्टेशन तथा हॉल्टों का स्थापना शुरू हो गया। दक्षिण बिहार का वर्तमान भू-खण्ड झारखण्ड के सभी रेल स्टेशन एवं हॉल्टों में नाम पट्टीकाओं में अंग्रेजी, हिन्दी, बांग्ला एवं कई विशेष स्थानों पर उड़िया शब्दों में स्थान का नाम अंकित होता था। संविधान में लोकभाषाओं की महत्ता को स्वीकार करते हुए तथा आठवीं अनुसूची में संथाल भाषा के मान्यता के पश्चात संथाली भाषा में भी नामाकरण किया जाने लगा।

कौन लड़ेगा कौन नहीं फैसला आलाकमान लेंगे : गीता कोड़ा

राष्ट्रीय खबर

रांची: सांसद गीता कोड़ा इस बात से अनभिज्ञ हैं कि झामुमो के स्थानीय नेता और विधायक उनके खिलाफ मोचार्बंदी कर रहे हैं। न्यूज विंग से बात करते हुए सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि ह्व महागठबंधन के तहत पिछले चुनाव में यह लोकसभा सीट कांग्रेस को मिली थी। इसके बाद विधानसभा का चुनाव हुआ उस समय कांग्रेस पार्टी ने गठबंधन धर्म का पालन करते हुए इस लोकसभा की छह सीटों में से पांच सीट झामुमो को दी। हमने उस समय कोई विरोध नहीं किया। अब जब राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ महागठबंधन की तैयारी की जा रही है तो झामुमो के स्थानीय नेता अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। गीता कोड़ा ने कहा कि सिंहभूम लोकसभा सीट से कौन चुनाव लडेगा, कौन नहीं इसपर फैसला झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे, राहुल गांधी और सोनिया गांधी करेंगे। अभी से जनता को झामुमो दिग्भर्मित नहीं करे। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातें गठबंधन धर्म के अनुकुल नहीं है। उन्होंने कहा कि झारखंड में जेएमएम, कांग्रेस और राजद की महागठबंधन की सरकार चल रही है। राज्य में बहुत ही अच्छे ढंग से सरकार काम कर रही है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर जेएमएम के द्वारा सिंहभूम लोकसभा सीट को लेकर दावेदारी करना और हक जताना उचित प्रतीत नहीं होता। स्थानीय स्तर पर लोकसभा टिकट को लेकर बात करना हास्यप्रद है।दरअसल पिछले लोकसभा चुनाव में गठबंधन के तहत कांग्रेस को यह सीट मिली थी। मोदी लहर के बाद भी गीता कोड़ा ने भाजपा के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण गिलुआ को भारी मतों से हराया था। सरायकेला विधानसभा क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी पांचो विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को मुंह की खानी पड़ी थी।

सहिबगंज पहुंचे यूपी के कैबिनेट मंत्री ने गिनाया मोदी के 9 साल के कार्यकाल की उपलब्धियां

क्षेत्रीय पार्टी वंशवाद को देती है बढ़ावा: स्वतंत्र देव सिंह

राष्ट्रीय खबर

साहिबगंज: साहिबगंज पहुंचे यूपी के कैबिनेट मंत्री स्वंतत्र देव सिंह ने गुरुवार को परिसदन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गिनती आज देश ही नहीं बल्कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली शख्सियतों में की जाती है और ये शख्सियत ऐसे ही नहीं बनी है इसके पीछे हैं उनकी अथक मेहनत और वो आत्मविश्वास, जिसने उन्हें नरेंद्र से नमो बना दिया। कहा कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में 9 साल का कार्यकाल पूरा कर चुके है। इस दौरान उनका कार्यकाल बेमिसाल रहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में ट्रेन की शीट तक उजाड़ दी जाती थी, लेकिन अब इन 9 सालो में देशवासी इसे राष्ट्र की संपति मानती है। स्वच्छता जन सामान्य का आंदोलन बन गया। गांव के गरीब, किसान, महिलाओ के लिए शौचालय बनी, गंदगी दूर भागा, गांव स्वच्छ हुआ। 48 करोड़ लोग बैंक से जुड़े। सरकारी योजनाओं का लाभ अब सीधा बैंक एकाउंट के माध्यम से लाभुक को मिल रहा है। पीएम मोदी ने विदेशो में देश का सम्मान बढ़ाया है। कहा कि जहां कांग्रेस की सरकार तुष्टिकरण की राजनीति करती रही वहीं देश के प्रधानमंत्री आदिवासी, दलित को भारत देश के सर्वोच्च पद पर बैठाने का काम किया है। दलितों का सम्मान देश में बढ़ाने का काम किया। कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के जन्मजयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का कार्य किया। श्रीनगर और जम्मू कश्मीर में 9 साल में काफी कुछ बदलाव हुआ। काशी विश्वनाथ कोरिडोर से पर्यटक को सुविधा हुआ। दुनिया भर के पर्यटक अब भारत आ रहे है, भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। हर घर पानी पहुंचने का कार्य किया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के तहत देश में ही गरीबों का बेहतर इलाज हो रहा है। पीएम मोदी द्वारा मेडिकल कॉलेज, एम्स, आईआईटी का निर्माण कराया जा रहा है। कहा कि एक तरफ जहां हमारे प्रधानमंत्री गरीब को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया तो वहीं दूसरी ओर भारत देश की सीमा को सुरक्षित भी किया है। कहा कि क्षेत्रीय पार्टी के आने से राज्य विनाश के कगार में जाता है क्षेत्रीय पार्टी वंशवाद को बढ़ावा देती है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है। क्षेत्रीय पार्टी का पनपना देश के लिए घातक है क्षेत्रीय पार्टी का कार्य सिर्फ भ्रष्टाचार करना और वंशवाद करना हैं। मौके पर विधायक अनंत कुमार ओझा, जिला अध्यक्ष रामदरस यादव, लोकसभा के संयोजक बबलू भगत, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सरोज सिंह आदि उपस्थित थे।

सीपी सिंह ने पद्मश्री मुकुंद नायक और दीपक प्रकाश ने हॉकी खिलाड़ी कांति बा को किया सम्मानित

राष्ट्रीय खबर

रांची: रांची विधायक सीपी सिंह ने गुरुवार को पद्मश्री मुकुंद नायक से भेंट की। चुटिया स्थित संगीत एवं सांस्कृतिक संगठन कुंजवन के संस्थापक और पद्मश्री से मुलाकात के क्रम में उन्हें तथा अन्य कलाकारों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पिछले 9 वर्षों में राष्ट्रहित में किये गये कार्यों की जानकारी दी। साथ ही इससे संबंधित एक पुस्तक और पत्रिका भी मुकुंद नायक को सौंपी। पद्मश्री के अलावा सीपी सिंह ने महाजनसंपर्क अभियान के क्रम में चुटिया के अलग अलग मुहल्लों में भाजपा कार्यकताओं संग घूमे। केंद्र की 9 साल की उपलब्धियों के बारे में लोगों को बताया। इस दौरान उनके साथ चुटिया मंडल अध्यक्ष सुजीत शर्मा के अलावे मुनचुन राय, छत्रधारी महतो, रवि सिंह, मदन सिंह, परमेश्वर चौधरी, ममता देवी, पूजा सिंह समेत पार्टी के कई अन्य कार्यकर्ता भी साथ थे।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद दीपक प्रकाश ने आज संपर्क से समर्थन अभियान के तहत रांची के डीबडीह में 8 बार इंटरनेशनल हॉकी में भारत का नाम रौशन करने वाली झारखंड की बेटी व पूर्व इंटरनेशनल हॉकी प्लेयर श्रीमती कांति बा जी और उनके 16 वर्ष के पुत्र व नेशनल बास्केटबॉल प्लेयर अनिक लकड़ा जी से मुलाकात कर मोदी जी की अगुवाई में वैश्विक पटल पर देश के बढ़ते मान सम्मान पर चर्चा की। इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री श्री काजल प्रधान जी एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती रागिनी सिन्हा जी उपस्थित रहीं।

बोर्ड निगम में कांग्रेस ने मारी बाजी, राजद निराश, झामुमो में इंतजार

राष्ट्रीय खबर

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य में बोर्ड-निगम का गठन तेजी से कर रहे हैं। पिछले 10 दिनों में चार आयोग का गठन हुआ है। खास बात यह है कि कांग्रेस ने इसमें बाजी मार ली है। अपने कोटे के आयोग और बोर्ड का गठन और अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति भी करा चुकी है। महागठबंधन में अभी तक जेएमएम ने अपने कोटे के आयोगों का गठन नहीं किया है। वहीं राजद को अभी तक किसी भी आयोग या बोर्ड में जगह नहीं मिल पाई है। राजद में इसको लेकर निराशा भी है। हालांकि राजद के एक ही विधायक सत्यानंद भोक्ता हैं और वे सरकार में मंत्री के रूप में शामिल हैं, तो माना जा रहा है कि राजद के हिस्से में ज्यादा कुछ आने वाला नहीं है।कांग्रेस की बात करें, तो उसने अपने पुराने कार्यकताओं को तरजीह देते हुए उन्हें जगह दी है। साथ ही युवा चेहरों का भी ध्यान रखा है। पार्टी में अब तक किसी का विरोध नहीं हुआ है, जो कांग्रेस में आम बात होती है। नवनियुक्त अध्यक्षों और सदस्यों ने अपना काम भी शुरू कर दिया है। अभी भी कई आयोग और निगम चांस बनने वाला हैं और कार्यकताओं को उम्मीद है कि उन्हें इसमें जगह मिलेगी।

मंशा निकाय चुनाव में भी पिछड़ों को ठगेगी सरकार

अपूर्ण राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग कैसे करेगा ट्रिपल टेस्ट: दीपक प्रकाश

राष्ट्रीय खबर

रांची: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद दीपक प्रकाश ने ट्रिपल टेस्ट को लेकर राज्य सरकार की मंशा पर सवाल उठाया है। गुरुवार को उन्होंने कहा कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का अभी तक पूर्ण गठन नहीं हुआ है। आयोग अध्यक्ष विहीन है। दूसरी ओर राज्य सरकार कैबिनेट की बैठक में पिछड़ा वर्ग आयोग से ट्रिपल टेस्ट कराने का निर्णय लेती है। यह सरकार पहले नामांकन फिर बाद में स्कूल खोलने पर विचार करती है। श्री प्रकाश ने कहा कि ट्रिपल टेस्ट को लेकर राज्य सरकार की मंशा साफ नहीं है। हेमंत सरकार की नीति और नियत में ही खोट है। राज्य सरकार की मंशा साफ रहती तो पंचायत चुनाव में पिछड़ों के हक को सरकार नहीं मारती। पंचायतों में भी पिछड़े समाज को उचित प्रतिनिधित्व मिलता लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब नगर निकाय चुनाव में भी राज्य सरकार पिछड़ा समाज को धोखा देने की तैयारी में है।दीपक प्रकाश ने सवाल उठाते पूछे है कि यह सरकार अध्यक्ष विहीन पिछड़ा वर्ग आयोग से ट्रिपल टेस्ट कैसे कराएगी। आयोग की भी अपनी प्रक्रिया होती है। आयोग ट्रिपल टेस्ट का निर्णय तभी कर पाएगा जब वह पूरी तरह फंक्शन में आएगा। असल में हेमंत सरकार को नगर निकाय चुनाव में हार का भय सता रहा है। दलीय आधार पर चुनाव नहीं होने के बावजूद जिस प्रकार से पंचायत चुनाव में ग्रामीण जनता ने भाजपा के कार्यकताओं को बढ़ चढकर जीत दिलायी, नगर निकाय चुनाव में भी इसी को दोहराया जाएगा। राज्य की जनता भ्रष्टाचार,तुष्टिकरण में डूबी विकास विरोधी हेमंत सरकार से उब चुकी है।

पेज एक का शेष

हेलीकॉप्टर से शरणार्थी .. .. ..

राहुल ने गुरुवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे दिल्ली से मणिपुर की राजधानी इंफाल के लिए उड़ान भरी। करीब 11:30 बजे इंफाल एयरपोर्ट पहुंचे। सांप्रदायिक हिंसा से ग्रस्त पूर्वोत्तर राज्य में उनके कई दो दिवसीय कार्यक्रम हैं। लेकिन शुरूआत में उन्हें बाधाओं का सामना करना पड़ा। संयोग से, पिछले दिनों भाजपा शासित मध्य प्रदेश के मंदसौर में पुलिस गोलीबारी में मारे गए किसानों के परिवारों से मिलने के दौरान उन्हें शिवराज सिंह चौहान सरकार की पुलिस ने रोक दिया था। राहुल जब उत्तर प्रदेश के हाथौर में पीड़ित दलित लड़की के परिवार से मिलने जा रहे थे तो योगी आदित्यनाथ की पुलिस ने उनका रास्ता रोक दिया। कांग्रेस के एक सूत्र के मुताबिक, राहुल का गुरुवार को लमका (चुराचांदपुर), बिष्णुपुर समेत विभिन्न इलाकों में कई शरणार्थी शिविरों का दौरा करने का कार्यक्रम है। रात में वह मैरांग में रुकेंगे। राहुल का शुक्रवार को राजधानी इंफाल में विभिन्न शरणार्थी शिविरों का दौरा करने का कार्यक्रम है। वह आपस में लड़ रहे मैतेई समुदाय और कुकी और नागा लोगों के नागरिक समाज के साथ भी बैठकें करेंगे। दिल्ली लौटने से पहले वह कांग्रेस भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सकते हैं।

दक्षिण कोरिया के सारे .. ..

या दो साल अधिक भी हो सकती है। इस प्रणाली के तहत, जिसकी जड़े चीन में हैं, बच्चों को उनके जन्म के दिन एक वर्ष का माना जाता है, जिसमें हर 1 जनवरी को एक वर्ष जोड़ा जाता है। कुछ परिस्थितियों में, दक्षिण कोरियाई लोग अपनी कैलेंडर आयु का भी उपयोग करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय आयु और कोरियाई आयु का मिश्रण है, जो शिशुओं को उनके जन्म के दिन शून्य वर्ष का मानते हैं और हर 1 जनवरी को उनकी आयु में एक वर्ष जोड़ते हैं। उदाहरण के लिए, गंगनम स्टाइल गायक साई को लें। 31 दिसंबर 1977 को जन्मे, उनकी अंतरराष्ट्रीय उम्र 45 वर्ष मानी जाती है। यहां के पुराने कैलेंडर वर्ष की आयु के अनुसार 46 और कोरियाई उम्र के हिसाब से 47 साल के हैं। यदि यह भ्रमित करने वाला लगता है, तो यह है कि देश में दैनिक जीवन अक्सर विभिन्न प्रणालियों के बीच बदलता रहता है। सरकार ने बुधवार को कहा कि नए मानकीकरण के साथ भी, कुछ परिस्थितियों में अभी भी पुरानी प्रणालियों का उपयोग किया जाएगा। उदाहरण के लिए, बच्चे आम तौर पर 6 साल (अंतर्राष्ट्रीय आयु में) के होने के बाद वर्ष के मार्च में प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश करते हैं, चाहे उनका जन्मदिन किसी भी महीने में पड़ता हो - जो जारी रहेगा।

इस कानून के तहत, लोगों को उस वर्ष से शराब खरीदने की अनुमति है जब वे 19 वर्ष के हो जाते हैं (अंतरराष्ट्रीय आयु में)।

स्टॉकहोम में बनेगा .. ..

कंक्रीट और स्टील के एक टिकाऊ विकल्प के रूप में चुना गया है। हालांकि, इस आकार का मिश्रित उपयोग वाला विकास स्वीडिश नवाचार क्षमता के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर होगा, एट्रियम लजंगबर्ग के सीईओ एनिका अनास ने एक बयान में कहा।

हालाँकि कुछ विशेषज्ञों ने लकड़ी की इमारतों से उत्पन्न आग के खतरों पर चिंता जताई है, लेकिन अधिवक्ताओं का तर्क है कि इंजीनियर्ड लकड़ी अपेक्षाकृत धीमी और अनुमानित दर पर जलती है, जिससे यह कई पारंपरिक इस्पात संरचनाओं की तुलना में अधिक सुरक्षित हो जाती है। इमारती लकड़ी एक कार्बन सिंक भी है, जिसका अर्थ है कि पेड़ों द्वारा हवा से निकाली गई कार्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल में लौटने के बजाय सामग्री में जमा हो जाती है।

त्रिपुरा में दस मरे .. ..

माणिक साहा ने कहा, त्रिपुरा के इतिहास में ऐसी घटना पहले कभी नहीं हुई। मैं दुर्घटनास्थल और दो अस्पतालों में गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को जेबी अस्पताल रेफर किया गया है।ख्यमंत्री माणिक साहा ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा- मैं इस घटना से दुखी हूं। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजन को 4 लाख रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। जो लोग 60% से ज्यादा जले हैं, उन्हें 1 लाख रुपए दिए जाएंगे। वहीं, 40% से ज्यादा और 60% से कम झुलसे लोगों को 75 हजार रुपए की मदद दी जाएगी।

सीएम ने कहा कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजन को 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की मदद पीएमएनआरएफ से दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं और घायलों के जल्द स्वस्थ्य होने की कामना करता हूं। इस मुश्किल वक्त में राज्य सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है।

ऊर्जा मंत्री रतन लाल नाथ ने मीडिया से बात करते हुए कहा- मैंने स्थानीय विधायक भगवान दास और त्रिपुरा राज्य विद्युत निगम के डीजीएम से बात की है। अधिकारियों को जांच के आदेश देकर जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यालय ने उनके हवाले से ट्वीट किया, कुमारघाट में उल्टा रथ यात्रा के दौरान हादसा दुखद है। इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

रोबोट करेगा इंसानों .. ..

कहा, जीवों के साथ प्रयोग चुनौतीपूर्ण और अप्रत्याशित हैं। प्लियोबोट हमें सभी पहलुओं की जांच करने के लिए अद्वितीय रिजॉल्यूशन और नियंत्रण की अनुमति देता है। प्लियोबोट वर्तमान में तीन व्यक्त खंडों से बना है जो क्रिल जैसी तैराकी को दोहराते हैं जिसे मेटाक्रोनल तैराकी कहा जाता है। प्लियोबोट को डिजाइन करने के लिए,

यह प्रयास इंजीनियरिंग की सहायक प्रोफेसर मोनिका मार्टिनेज विल्हेल्मस की प्रयोगशाला में ब्राउन शोधकताओं और यूनिवर्सिडैड नैशनल ऑटोनोमा डी मेक्सिको में फ्रांसिस्को कुएनका-जिमेनेज की प्रयोगशाला में वैज्ञानिकों के बीच एक सहयोग है। परियोजना का एक प्रमुख उद्देश्य यह समझना है कि क्रिल जैसे मेटाक्रोनल तैराक कैसे जटिल समुद्री वातावरण में कार्य करने का प्रबंधन करते हैं और 1,000 मीटर से अधिक के बड़े पैमाने पर ऊर्ध्वाधर प्रवास करते हैं। विल्हेल्मस लैब में पोस्टडॉक्टरल एसोसिएट निल्स टैक ने कहा, हमारे पास उन तंत्रों के स्नैपशॉट हैं जिनका उपयोग वे कुशलतापूर्वक तैरने के लिए करते हैं, लेकिन हमारे पास व्यापक डेटा नहीं है। शोधकताओं का मानना है कि भविष्य में, तैनाती योग्य रोबोटों के झुंड प्रणालियों का उपयोग पृथ्वी के महासागरों को मैप करने, बड़े क्षेत्रों को कवर करके खोज-और-पुनर्प्राप्ति मिशन में भाग लेने के लिए किया जा सकता है, या यूरोपा जैसे सौर मंडल में चंद्रमाओं पर उनके महासागरों का पता लगाने के लिए भेजा जा सकता है। शोधकर्ता सक्रिय रूप से इसके दो पैर खंडों को नियंत्रित कर सकते हैं और प्लियोबोट के बिरामस पंखों पर निष्क्रिय नियंत्रण रख सकते हैं। शोधकताओं ने अपना मॉडल क्रिल के 10 गुना पैमाने पर बनाया, जो आमतौर पर एक पेपरक्लिप के आकार के होते हैं। प्लेटफॉर्म मुख्य रूप से 3डी प्रिंट करने योग्य भागों से बना है और डिजाइन ओपन-एक्सेस है, जिससे अन्य टीमें न केवल क्रिल के लिए बल्कि लॉबस्टर जैसे अन्य जीवों के लिए मेटाक्रोनल तैराकी पर प्रश्नों का उत्तर देना जारी रखने के लिए प्लियोबोट का उपयोग कर सकती हैं।

यूक्रेन के क्रामाटोरस्क पर .. ..

निवासियों और सेना के बीच लोकप्रिय हैं। वही पर निशाना साधा गया था। क्रामाटोर्सक शहर में हमले के बाद के एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि मलबे से एक दर्जन लोगों को निकाला गया था। उस व्यक्ति ने बताया कि यह स्पष्ट नहीं है कि ये लोग मर गए थे या जीवित थे। बचाव प्रयासों में सहायता कर रहे एक यूक्रेनी सैनिक ने सीएनएन को बताया कि उसने जिन पीड़ितों को देखा उनमें ज्यादातर युवा लोग, सैनिक, नागरिक और छोटे बच्चे हैं। हमला जब हुआ तो रेस्तरां में 45 लोगों के लिए भोज हुआ था। डोनेट्स्क क्षेत्र के सैन्य प्रशासन के प्रमुख पावलो किरिलेंको ने यूक्रेनी राज्य टीवी पर कहा, हमला स्थानीय समयानुसार शाम लगभग 7:30 बजे हुआ। राष्ट्रपति जेलेंस्की के कार्यालय के सलाहकार एंड्री यरमक के अनुसार, एक दूसरी मिसाइल ने पास के गांव बिलेंके पर भी हमला किया।

शहर ›› अपडेट

47 अभ्यर्थियों का चयन

रांची: जेपीएससी ने स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक प्रतियोगिता परीक्षा-2016 का अर्थशास्त्र विषय का परिणाम जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आयोग द्वारा रिजल्ट जारी किया गया है। इसमें 47 अतिरिक्त अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। इनमें अनारक्षित श्रेणी के 44, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के एक तथा पिछड़ा वर्ग के दो अभ्यर्थी सम्मिलित हैं। आयोग की ओर से उम्मीदवारों के चयन के साथ नियुक्ति की अनुशंसा स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को की जा रही है। अगले माह जुलाई महीने में नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। ज्ञात हो कि अभी कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खेलगांव में इतिहास व भूगोल आदि विषयों के नव नियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया था।

विवाद

सभी को मौका देने की उठी मांग

आकलन परीक्षा से पहले पारा शिक्षकों का विरोध शुरू

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड में पहली बार मानदेय बढ़ोत्तरी के लिए पारा शिक्षक से सहायक अध्यापक बने शिक्षक आकलन परीक्षा में बैठेंगे। झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने इसके लिए 30 जुलाई को परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस परीक्षा में वैसे प्रशिक्षित पारा शिक्षक शामिल होंगे जो झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा में सफल नहीं हुए हैं। इस परीक्षा में सफल होने के बाद इनके मानदेय में 10 फीसदी की बढ़ोतरी की जाएगी।

राज्य में लगभग 47,000 पारा शिक्षक हैं जो टेट पास नहीं है। इनमें से 43000 शिक्षकों ने आवेदन जमा किया है। शेष बचे करीब 4000 पारा शिक्षकों के सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन नहीं होने की वजह से आकलन परीक्षा में आवेदन जमा नहीं हो सके हैं। प्रावधान के अनुसार आकलन परीक्षा में वही शामिल हो सकते हैं जिनके प्रमाण पत्र सत्यापन की प्रक्रिया पूरी हो गई है।

राज्य में कुल 61,148 पारा शिक्षक कार्यरत हैं, इनमें से 14,042 पारा शिक्षक टेट यानी शिक्षक पात्रता परीक्षा पास हैं, जिन्हें आकलन परीक्षा में बैठने की जरूरत नहीं है।इधर, टेट पास पारा शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने सरकार से जिन पारा शिक्षकों के प्रमाण पत्र का सत्यापन नहीं हो सका है उन्हें भी मौका देने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि प्रमाण पत्र का सत्यापन कराना सरकार की जिम्मेदारी है और इन वजहों से यदि आकलन परीक्षा में उन्हें सम्मिलित नहीं होने दिया जाता है तो यह उचित नहीं होगा।30 जुलाई को होने वाली पहली आकलन परीक्षा डेढ़ सौ अंकों की होगी, जिसमें करीब 43,000 शिक्षक शामिल होंगे। झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने इसकी तैयारी पूरी करते हुए कहा है कि 20 जुलाई से आकलन परीक्षा के लिए जैक की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड किया जा सकता है।

शिक्षकों के इस आकलन परीक्षा में कक्षा 1 से 5 में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू क्षेत्रीय और जनजातीय भाषा, गणित, पर्यावरण विज्ञान, मानसिक दक्षता और रिजनिंग की परीक्षा ली जाएगी।जनजातीय और क्षेत्रीय भाषा हिंदी और अंग्रेजी की परीक्षा 30 -30 अंकों की होगी। इसी तरह गणित, पर्यावरण विज्ञान, बाल विकास विषय की परीक्षा 25-25 अंकों की होगी। मानसिक दक्षता और रिजनिंग की परीक्षा 15 अंकों की होगी। बात यदि 6 से 8 वर्ग की करें तो हिंदी, अंग्रेजी, क्षेत्रीय और जनजातीय भाषा बाल विकास और मानसिक दक्षता के साथ रिजनिंग की परीक्षा अनिवार्य विषय के तहत होगी। इन विषयों की परीक्षा 105 अंकों की होगी। वहीं विज्ञान भाषा और सामाजिक विज्ञान विषय में से अभ्यर्थी जिस विषय के शिक्षक होंगे उसकी परीक्षा 45 अंकों की होगी। शिक्षकों के लिए आकलन परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य है और उन्हें चार अवसर आकलन परीक्षा में बैठने के लिए दिए जाएंगे।

न्यूज फटाफट

प्रवेश के लिए परीक्षा की तिथियों की घोषित

रांची: इक्फाई विवि, झारखंड ने शैक्षणिक वर्ष 2023 के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा की तिथियों की घोषणा कर दी है। प्रवेश परीक्षा दो बार आयोजित की जायेगी। पहले बैच के लिए प्रवेश परीक्षा 8 व 9 जुलाई को होगी। वहीं, दूसरे बैच के लिए प्रवेश परीक्षा 22 और 23 जुलाई को होगी। प्रवेश परीक्षा ऑनलाइन मोड में आयोजित की जायेगी। इच्छुक उम्मीदवार अपने घर से ऑनलाइन परीक्षा दे सकते हैं। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रोफेसर डॉ रमन कुमार झा ने बताया कि झारखंड के छात्रों को उत्कृष्ट स्तर की शिक्षा प्रदान करने के लिए, इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड सत्र 2024-25 में कई नये पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है। इक्फाई विवि पूरी तरह से उभरती इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी, भाषाविज्ञान, नेतृत्व और एफडीपी/एमडीपी कार्यक्रमों के क्षेत्र में केंद्रित है। फिलहाल नये सत्र से हम अपने स्कूलों के माध्यम से फैकल्टी सर्टिफिकेट प्रोग्राम देंगे और उन्हें यहां प्रदर्शित भी करेंगे। यह सत्र बच्चों के करियर ओरिएंटेशन की ताकत बढ़ाने और कौशल सिखाने पर भी केंद्रित रहेगा। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता इनोवेशन और स्टार्टअप पर रहेगा, इसलिए हमने विन (वर्ल्ड इनोवेशन नेटवर्क) के साथ समझौता किया है। इसके लिए हमने इनक्यूबेटर और इनोवेशन लैब्स भी बनायी है। इसके जरिए छात्रों को प्रशिक्षित की जायेगी। इस पूरी प्रक्रिया में फैकल्टी को भी शामिल किया जायेगा, ताकि विवि के छात्र तीन से चार साल में पास होने के बाद अपना स्टार्टअप शुरू कर सकें। यह सर्टिफिकेट प्रोग्राम छात्रों के लिए पूरी तरह से निःशुल्क होगा। अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जा सकते हैं। प्रवेश परीक्षा परिणाम और प्रवेश की जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जायेंगे।

15 क्वार्टर पर 8 लोगों ने कर रखा है अवैध कब्जा

रांची: रिम्स में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों के लिए बनाए गए क्वार्टरों में अधिकांश पर अवैध कब्जा है। ब्लॉक-सी में मात्र 4 लोग वैध रूप से रहते हैं। जिनके नाम से कुल 9 क्वार्टर आवंटित किए गए हैं। जबकि 8 लोग ऐसे हैं, जिन्होंने 15 क्वार्टर पर कब्जा जमा कर रखा है। इनमें बसंता राम और राजा राम ने तीन-तीन क्वॉर्टर पर कब्जा जमा रखा है। बसंता रिम्स में किसी भी पद पर काम नहीं कर रहा है, जबकि राजा राम ठेला चालक है।ब्लॉक-सी के 24 क्वार्टर में मात्र 4 लोग वैध रूप से रह रहे हैं। जिनके नाम से 9 क्वार्टर आवंटित है। इनमें आशा देवी के नाम से क्वार्टर नंबर 23-24 का आवंटन किया गया है। यह रिम्स हॉस्टल की स्टॉफ हैं। जबकि ललन प्रजापति के नाम से क्वार्टर नंबर 20,21,22 आवंटित है। यह रिम्स के स्थाई कर्मचारी हैं। वहीं राजेश कुमार के नाम से क्वार्टर संख्या 17,18,19 का आवंटन किया गया है। ये भी रिम्स के स्थाई कर्मचारी हैं।

500 लैब असिस्टेंट की नियुक्ति, अगले माह होगी परीक्षा

राष्ट्रीय खबर

रांची:झारखंड कर्मचारी चयन आयोग लैब असिस्टेंट की परीक्षा जुलाई के अंतिम सप्ताह में होगी। जेएसएससी ने इसकी घोषणा कर दी है। परीक्षा की तिथि फिलहाल घोषित नहीं की गई है। इस परीक्षा के लिए राज्य के छह शहरों में परीक्षा केंद्र होंगे। ये शहर रांची, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, बोकारो, धनबाद तथा देवघर हैं। पहली बार राज्य में पांच सौ से अधिक हाईस्कूलों में लैब असिस्टेंट की नियुक्ति की जा रही है।इस परीक्षा में चयनीत उम्मीदवारों को राज्य के हाईस्कूलों में नियुक्त किया जाएगा। कुल पदों की संख्या 690 है। यह नियुक्तियां भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान विषय में की जाएगी। सभी विषयों में रिक्तियों की संख्या 230 है। अब तक संबंधित विषय में प्रैक्टिकल क्लासेस के लिए विषय के शिक्षक ही जिम्मेवार थे। लैब असिस्टेंट की नियुक्ति होने के बाद स्कूलों में प्रैक्टिकल क्लासेस बढ़ जाएंगे।

वज्रपात को लेकर येलो अलर्ट जारी

शुक्रवार से मौसम साफ होने की संभावना

राष्ट्रीय खबर

रांची: मौसम केंद्र रांची ने झारखंड के सात जिलों में वज्रपात की तत्कालिक चेतावनी की है। देवघर, दुमका, गढ़वा, गिरिडीह, जामताड़ा, पलामू और पाकुड़ जिले में मेघगर्जन और वज्रपात का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान वर्षा होने की प्रबल संभावना जताई गयी है।रांची मौसम केंद्र ने वज्रपात की संभावना वाले सात जिले के लोगों से सजग और सावधान रहने की अपील की है। मौसम विभाग ने वज्रपात और मेघगर्जन के समय पेड़ की नीचे नहीं रहने, बिजली के खंभे से दूर रहने की सलाह दी है। वज्रपात की संभावना वाले जिले के किसानों से मौसम साफ होने तक खेत में नहीं जाने की सलाह दी है।मौसम केंद्र रांची के अनुसार पिछले 24 घंटे में राज्य भर में गरज के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा रिकॉर्ड की गई है। मौसम केंद्र के अनुसार पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक वर्षा 56.8 मिलीमीटर गढ़वा के नगर उंटारी में रिकॉर्ड किया गया है। इस बीच राज्य में अधिकतम तापमान गोड्डा जिले में 34.5 डिग्री सेल्सियस रहा है जबकि न्यूनतम तापमान रांची में 23.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड दर्ज हुआ है।मौसम केंद्र रांची के प्रभारी निदेशक ने बताया कि लगातार बारिश की वजह से उच्चतम तापमान सामान्य से पांच से सात डिग्री सेल्सियस नीचे चल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अनुसार 29 जून के बाद से झारखंड में मौसम साफ होगा और बारिश कम होगी।मौसम विभाग के अनुसार 01 जून से 29 जून तक सामान्य से 47 फीसदी कम बारिश हुई है। राज्य में 181.4 एमएम की जगह 96।5 एमएम हुई है। राज्य के 24 में से 23 जिलों में सामान्य से काफी कम वर्षा हुई है। राज्य में सिमडेगा एकमात्र ऐसा जिला है जहां लगभग सामान्य बारिश हुई है। मौसम केंद्र के अनुसार राज्य में चतरा, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, कोडरमा, लातेहार, पाकुड़, रामगढ़ ऐसे जिले हैं, जहां सामान्य से काफी कम बारिश हुई है।

विद्युत आपूर्ति क्षेत्र के कर्मचारियों को 31 जुलाई तक मिलेगा प्रमोशन का लाभ

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड बिजली वितरण निगम के कर्मचारियों के प्रमोशन का मामला साल 2018 से रूका है। जहां साल 2018 में उर्जा विकास निगम ने व्यवस्था लागू की। इसके बाद से बिजली वितरण के थर्ड और फोर्थ ग्रेड कर्मचारियों के प्रमोशन में रूका है। बता दें निगम के थर्ड और फोर्थ ग्रेड कर्मचारियों को प्रमोशन क्षेत्रीय आपूर्ति कार्यालय के अनुमोदन पर दी जाती है। ऐसे में झारखंड पावर वर्कर्स यूनियन की ओर से लगातार इस मामले में प्रयास किया जा रहा है। जहां अलग-अलग क्षेत्र के आपूर्ति कार्यालय से कर्मचारियों के प्रमोशन की मांग की जा रही है। रांची विद्युत आपूर्ति क्षेत्र की मानें तो रांची समेत पांच जिलों में कार्यरत थर्ड और फोर्थ ग्रेड कर्मचारियों को 31 जुलाई तक प्रमोशन दे दिया जायेगा। जीएम की ओर से इस पर सहमति दी गयी है। रांची विद्युत आपूर्ति क्षेत्र में प्रमोशन 1998 में सृजित पद के अनुसार दिया जायेगा। इसमें सब डिवीजन कार्यालय और एचटी एलटी लाइन के अनुसार पद सृजित किया गया है। जिसके अनुसार कर्मियों को प्रमोशन दिया जायेगा।रांची विद्युत आपूर्ति क्षेत्र में रांची, लोहरदगा, सिमडेगा, गुमला और खूंटी जिला शामिल है। इन जिलों को मिलाकर कुल चार सौ थर्ड और फोर्थ ग्रेड कर्मियों को प्रमोशन दिया जाना है। वहीं, यूनियन के अध्यक्ष आशीष कुमार की मानें तो रांची विद्युत आपूर्ति क्षेत्र के 400 कर्मियों को 2018 से प्रमोशन नहीं दिया गया है। निगम मुख्यालय की ओर से व्यवस्था लागू की गयी है। लेकिन इसके बाद भी निगम मुख्यालय की अपने नियमों के कारण मामला रूका है। वहीं, क्षेत्रीय जीएम स्तर पर अनुमोदन नहीं होने के कारण भी कर्मचारियों का प्रमोशन रूका है। बता दें पिछले एक साल से पावर वर्कर्स यूनियन की ओर से कर्मचारियों के प्रमोशन को लेकर लगातार आंदोलन कर रहा है।

एक्सआईएसएस-टीआरआई के बीच हुआ एमओयू

रांची: एक्सआईएसएस और टीआरआई ने झारखंड में ट्राइबल सब प्लान के प्रदर्शन और मूल्यांकन के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए है। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) और डॉ रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) ने ट्राइबल सब प्लान (टीएसपी) का झारखंड में मूल्यांकन और चुनौतियों का एक साथ अध्ययन करेंगे। यह एमओयू एक साल के लिए किया गया है। मौके पर एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे और टीआरआई के निदेशक डॉ रणेंद्र कुमार, उप निदेशक मोनिका रानी टूटी, डॉ संत कुमार प्रसाद, एसोसिएट प्रो एक्सआईएसएस और डॉ प्रकाश चंद्र दास, सहायक प्रोफेसर मौजूद थे।इस शोध अध्ययन में टीएसपी का गहन बजटीय विधेषण, सभी जिलों के बीच टीएसपी फंड का वितरण, टीएसपी-वित्त पोषित योजनाओं का उपयोग पैटर्न टीएसपी वित्त पोषित योजनाओं का समग्र प्रशासनिक तंत्र के समग्र प्रशासन में एजेंसी, जिला-(राज्य से ग्राम स्तर तक), नोडल की स्तरीय प्रशासन और पंचायती राज की व भूमिका आदि शामिल होंगे।

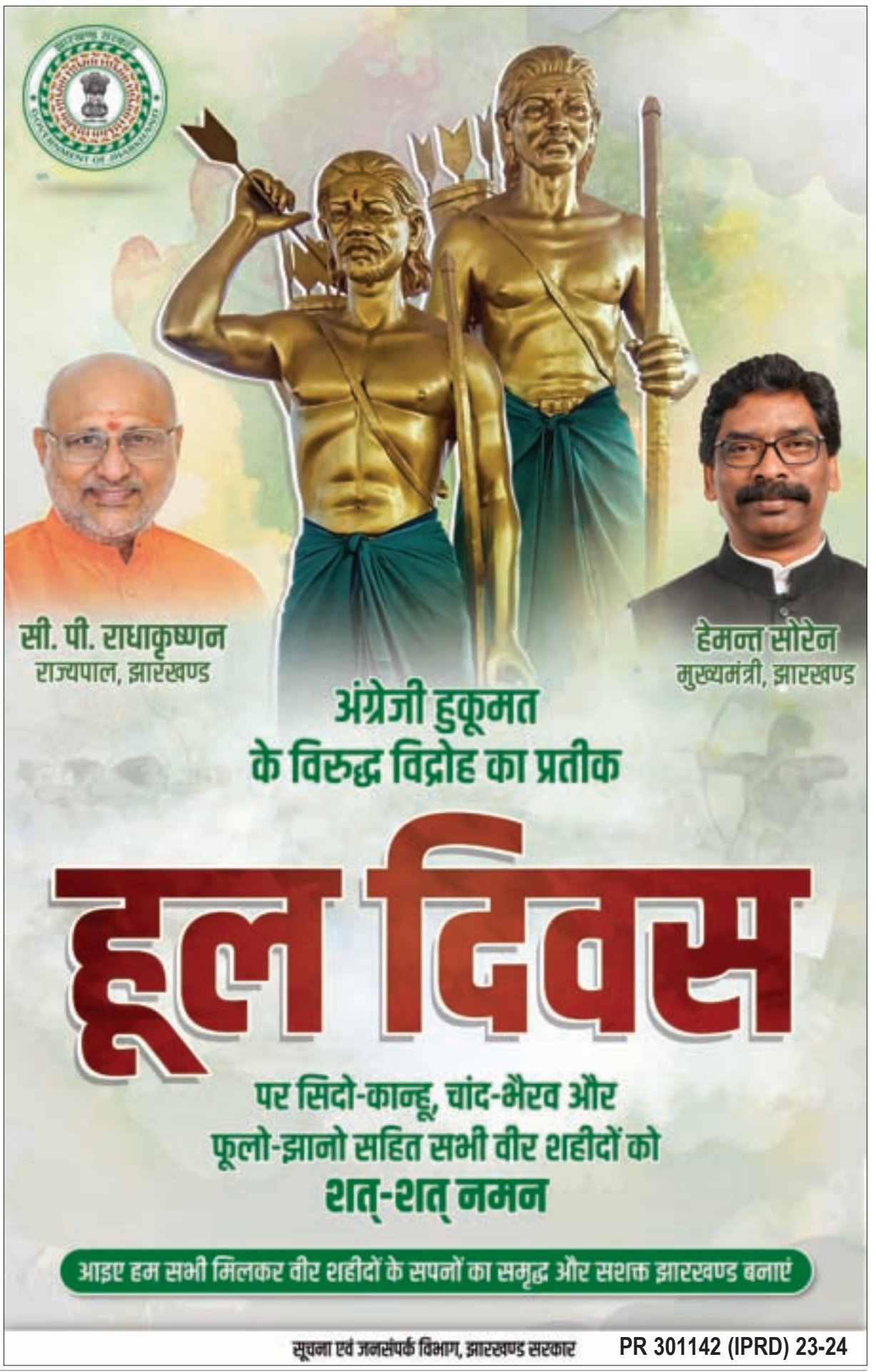

बाजार

टमाटर के बाद अदरक और लहसुन की कीमत आसमान छू रही है

रिटेल मार्केट में अदरक 400 रुपए टमाटर की कीमत 100 से 120 रुपए प्रति किलो

राष्ट्रीय खबर

रांची: मौसम का जायका के साथ एक अटूट रिश्ता है। कुछ दिन पहले तक देह झुलसाती गर्मी की वजह से आईस्क्रीम, लस्सी, सत्तू, बेल, आम की शरबत, खीरा, ककड़ी, तारबूज देखते ही खुद को रोक पाना मुश्किल हो रहा था। लेकिन गर्मी के मौसम पर मानसून की चादर चढ़ते ही कुछ अलग जायके की तलब होने लगी है। हालांकि तीन ऐसी सब्जियां हैं जो आम लोगों का जायका बिगाड़ने पर तुली हुई हैं। टमाटर के बाद अदरक और लहसुन भी रंग बदल चुके हैं। तीनों की कीमत आसमान छू रही है।अदरक का दाम सुनेंगे तो होश उड़ जाएंगे। रिटेल मार्केट में अदरक 400 रुपए किलो बिक रहे हैं। लहसुन भी प्रति किलो डेढ़ सौ का आंकड़ा पार कर चुका है। कुछ दिन पहले तक 30 से 40 रुपए में बिकने वाला टमाटर अब सेब को चिढ़ाता दिख रहा है। रिटेल मार्केट में टमाटर की कीमत 100 से 120 रुपए प्रति किलो हो गयी है। पहले जो ग्राहक टमाटर को किलो में और अदरक-लहसुन को पाव के हिसाब से खरीदते थे, वो अब टमाटर को पाव के हिसाब से खरीद रहे हैं। अदरक और लहसुन को 50 ग्राम के तराजू पर चढ़ाना मुश्किल हो गया है।सब्जी विक्रेता संघ की अध्यक्ष प्रभा देवी उर्फ पुतुल देवी और उनके पति दशरथ साहू ने बताया कि कुछ समय पहले तक रांची में अदरक और लहसुन 15 से 20 रुपए पाव बिक रहा था। टमाटर तो कोई पूछता तक नहीं था। झारखंड में कभी भी लहसुन, अदरक और टमाटर की कमी नहीं हुई। लेकिन इसबार पता नहीं क्या हुआ है कि इतना दाम बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि तीनों सब्जियों को थोक भाव में खरीदने पर डर सताता है कि अगर बिक्री नहीं हुआ तो नुकसान हो जाएगा।ओरमांझी में करीब 16 एकड़ जमीन लीज पर लेकर खेती करने वाले युवा प्रगतिशील किसान अशोक महतो से इसका कारण जानने की कोशिश की गई। उन्होंने स्थानीय भाषा के लहजे में कहा- किसान क्या करेगा भईया। मार्च और अप्रैल में टमाटर का थोक भाव दो रुपए किलो तक चला गया था। कई बार रिटेल मार्केट तक टमाटर लाने का भाड़ा नहीं निकल पाता था। नगड़ी और रातू में कई जगहों पर किसानों को सड़क पर ही टमाटर फेंकना पड़ा था। इसी वजह से किसानों की कमर टूट गई। आगे की फसल लगाने की हिम्मत नहीं हुई। अभी बाजार में जो टमाटर आ रहा है, वह बंगलुरू का है। वहां के किसान मार्डन हैं। दूर की सोचते हैं। ऐसी वेरायटी की टमामट की खेती करते हैं जो ज्यादा दिन तक टिकता है। आज वह फायदा उठा रहे हैं।

शहर ›› अपडेट

ट्रक और ट्रेलर में हुई टक्कर, चालक घायल

चांडिल : चांडिल थाना क्षेत्र के एन एच 33 कांदरबेड़ा चौक पर गुरुवार सुबह ट्रक और ट्रेलर में जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में ट्रक का आगे का पहिया ट्रेलर के केबिन में आ जाने से ट्रेलर चालक घंटों दुर्घटनाग्रस्त वाहन के अंदर फस गया जिससे ट्रेलर चालक घायल हो गया। दुर्घटना के बाद चांडिल पुलिस और स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद हाइड्रा के मदद से दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को हटाया और ट्रेलर चालक को बाहर निकाला। घटना की जानकारी देते हुए चांडिल थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बताया कि एक आम लदे ट्रक रांची से जमशेदपुर की ओर जा रहा था इसी दौरान जमशेदपुर से रांची की ओर जा रहे टेलर के साथ कांदरबेड़ा चौक पर जोरदार टक्कर हो गई।

ज्ञापन

छात्रों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

बीबीएमकेयू कुलपति की तानाशाही चरम पर: महतो

राष्ट्रीय खबर

चास: आजसू के विश्वविद्यालय अध्यक्ष विशाल महतो के नेतृत्व में बीबीएमकेयू कुलपति के मनमानी तरीके से छात्र विरोधी कार्य किये जाने से प्रभावित छात्रों की और 7 सूत्री मांगों को लेकर बोकारो विधायक बिरंची नारायण को विश्वविद्यालय की वर्तमान परिस्थितियों से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने विधानसभा में आवाज उठाएगी एवं राज्यपाल से भी मिलकर आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। सभी विधायकों को ज्ञापन देने के बाद आजसू जन समर्थन प्राप्त करके विश्वविद्यालय घेराव करेगा। उसके बाद राज्यभवन में धरना प्रदर्शन करेगा। मुख्य रूप से उपस्थित आजसू

छात्र संघ के जिलाध्यक्ष तापेश कुमार महतो ने कहा कि कुलपति की तानाशाही चरम पर है। बोकारो के एकमात्र कॉलेज में जहां पीजी की पढ़ाई होती थी, उसे भी बंद कर दिया गया गया। जिसे बोकारो के छात्र कभी बर्दास्त नही करेगी। आजसू की मुख्य मांगो में छात्रो से वोकेशनल कोर्स के नाम पर वसूली कर घोटाले करना, अंगीभूत महाविद्यालयो से पीजी की पढ़ाई बंद करना, जूलॉजी एवं बॉटनी विभाग का विलय करना, विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्रों के शुल्कों में वृद्धि करना, क्षेत्रीय भाषा की स्नातकोत्तर की पढ़ाई चालू करने के बजाय उड़िया भाषा की शिक्षक बहाल करना ये सभी मुद्दे शामिल हैं। ज्ञापन वालों में नावाडीह के उप मुखिया विकास कुमार, गोड़ाबाली के पंचायत समिति विराट गोस्वामी, वार्ड सदस्य मुन्ना ओझा, अमित महतो, अखिलेश पांडेय, चंदन गोस्वामी, विवेक महतो आदि मौजूद थे।

न्यूज फटाफट

जगरनाथपुर रथ मेला में डालसा का जागरूकता कार्यक्रम कार्यक्रम

रांची : जगरनाथपुर रथ मेला में डालसा, रांची के द्वारा विधिक जागरूकता कार्यक्रम का अयोजन किया गया। कार्यक्रम में पीएलवी रानी देवी, शिला तिग्गा, शिला देवी, किरण कुमारी एवं राजा उपस्थित थे।पीएलवी संगीता देवी ने बाल-विवाह, दहेज प्रथा, डायन बिसाही, कन्या भ्रूण हत्या इत्यादि विषय के संबंध में न्याय प्राप्त करने के बारे में विस्तार से बतायें। पीएलवी मालती देवी ने नालसा 10 स्कीम के बारे में विस्तार से बताया तथा विधिक सेवा प्राप्त करने के तरीकों को विस्तार से मेला देखने आये लोगों के बीच रखा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बबिता देवी एवं संगीता देवी ने गरीब तबके के लोगों को वृद्धा पेंशन और मजदूर निबंधन कार्ड एवं उससे होनेवाले लाभ के बारे में जानकारी दी।ज्ञात हो कि डालसा के पीएलवी के द्वारा मेला परिसर में आये लोगों के बीच कानूनी संबंधी पम्पलेट और लिफलेट का वितरण भी किया गया। ज्ञात हो कि आगामी 9 सितम्बर को आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में भी डालसा के पीएलवी के द्वारा जानकारी दी गयी। उन्होंने कहां कि न्यायालय में कोई भी वाद लंबित हैं, तो राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन अपने वादों का निबटरा करा सकते हैं, जिससे आपको समय व धन की बचत होगी।आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी आपराधिक सुलहनीय मामले, दीवानी से संबंधित मामले, श्रम से संबंधित वाद, विवाहोत्तर प्रताड़ना के वाद, पारिवारिक वाद, उत्पाद से संबंधित मामले, चेक बाउंस के मामले, वन विभाग के मामले, बिजली से संबंधित मामले, ट्रैफिक चालान से संबंधित मामले साथ ही साथ भूमि अधिग्रहण, मोटरयान, माप-तौल से संबंधित वाद एवं वैवाहिक से संबंधित मामलों को चिन्हित करके पक्षकारों को नोटिस भेजा जा रहा है।

चांडिल में मनाया गया ईद उल अजहा

चांडिल : चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के तिरुलडीह, चौड़ा, ईचागढ़ प्रखंड के आमडा, गौरांगकोचा, नीमडीह प्रखंड के सिंदुरपुर और चांडिल, कपाली आदि जगहों पर गुरुवार को त्याग और बलिदान का त्यौहार ईद उल अजहा का पर्व सादगीपूर्ण तरीके से मनाया गया। इस मौके पर मस्जिदों में मुस्लिम धर्मलंबियों ने अकीदत के साथ ईद उल अजहा की नमाज अदा की। नमाज के दौरान पुलिस की भी प्रतिनियुक्ति प्रशासन के द्वारा की गई थी। इधर ईद उल अजहा के नमाज के बाद देश के अमन चैन की दुआ की गई। वहीं लोगों ने एक-दूसरे को मुबारकबाद दी। इसके बाद समाज के लोगों ने घरों में पर्दे के साथ कुर्बानियां पेश की। नूरी मस्जिद तिरुलडीह के पेशे इमाम कारी समीउल्लाह ने बताया कि हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की सुन्नत को अदा करते हुए समाज के लोगों ने कुर्बानियां पेश की। मालूम हो कि ईद उल अजहा का पर्व हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम के सुन्नत में मनाया जाता है, जो इस्लामिक कैलेंडर के हिसाब से 12 महीने के 10 तारीख को होती है। इस दिन लोग अपने-अपने हैसियत से कुबार्नी देते हैं। उलेमाओ के अनुसार कुबार्नी हर मुसलमान का फर्ज नहीं है, जो संपन्न लोग होते हैं, उन्हीं लोगों पर कुबार्नी फर्ज है। वहीं जो लोग आर्थिक रूप से कमजोर हैं उनको कुबार्नी देना जरूरी नहीं है।

पद्मश्री सिमोन उरांव का बना आयुष्मान कार्ड

बेड़ो: प्रखंड के जामटोली रोड़ स्थित पद्मश्री बाबा सिमोन उरांव के आवास में गुरूवार को अंचलाधिकारी सुमंत तिर्की के उपस्थिती में आयुष्मान कार्ड के लिए निबंधन किया गया। निबंधन प्रज्ञा केन्द्र संचालक शाहिद अंसारी के द्वारा किया गया। ज्ञात हो कि बाबा सिमोन लगभग एक साल से पैरालाइसिस के शिकार हैं। मौके पर अंचलाधिकारी सुमंत तिर्की ने कहा कि बाबा सिमोन लम्बे समय से बीमार हैं। उनके ईलाज के लिए आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। कार्ड से पांच लाख तक का चिकित्सा सुविधा मुफ्त मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि इनके बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए हर संभव प्रयास किया जायगा। हमलोग बीडीओ के साथ बैठक कर सिविल सर्जन को भी आवेदन लिखेंगे। इस मौके पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी संजय तिर्की, बिरजिनिया तिर्की व तबरेज अंसारी साथ में थे।

माहौल में मनाया गया ईद-उल-अजहा

पेटरवार : पेटरवार प्रखंड के आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार को ईद- उल- अजहा यानि बकरीद का त्योहार शांति व सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया। ईद-उल- अजहा की नमाज के बाद लोगो ने अपने- अपने घरों में बकरे की कुबार्नी दी। पेटरवार सहित सदमा, जरूवा टांड, लुकैया, उतासारा, पतकी पुनर्वास, हडमिता, पन्ना टांड ,चरगी सहित अन्य स्थानों पर स्थित मस्जिदों में गुरुवार को ईद- उल- अजहा की नमाज पढ़ी गयी। नमाज के बाद लोगो ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद- उल- अजहा की मुबारकबाद दी।

स्वामी सदानंद जी महाराजने दो निर्धन बालिकाओं के पढ़ाई का जिम्मा लिया

रांची : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट एव स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट दिल्ली शाखा रांची के सयुंक्त तत्वाधान मे संस्था के संस्थापक और संरक्षक स्वामी सदानंद जी महाराज बृहस्पतिवार को दोपहर 03 बजे हवाई मार्ग से सिलीगुड़ी जाने के क्रम मे पटना,गिरिडीह,रामगढ होते हुए सडक मार्ग से चलकर स्वामी जी सत्संग भवन शिवगंज हरमु रोड रांची स्थित विधा देवी अग्रवाल के निवास स्थान पहुंचे। गुरू जी महाराज के सत्संग भवन मे आगमन होने के साथ वहा का वातावरण सतगुरू देव महाराज की जय श्री प्राणनाथ प्यारे की महाराज की जय के जयकारो के उद्घोष से गुंज उठा। संस्था के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष निर्मल जालान प्रमोद सारस्वत की उपस्थिति मे दो निर्धन जरुरतमंद कन्याओं संस्कृति पाठक एव संम्भवी पाठक की कांके रोड स्थित गांधीनगर डीएभी स्कूल में एडमिशन कराने के लिए दो चेक दोनो कन्याओ 8 क्लास मे संस्कृति पाठक को 41,838/= (इकतालिस हजार आठ सौ अडतिस) एवं कुमारी संम्भवी पाठक 6 क्लास मे एडमिशन कराने के लिए 78,228/= (अठहत्तर हजार दो सौ अट्ठाइस) रुपये का चेक प्रदान किया जिससे उनका पढाई सुचारु रूप से हो सके।

हर्षोल्लास के साथ मना कुर्बानी का पर्व बकरीद

राष्ट्रीय खबर

चास: जिले में बकरीद का पावन पर्व धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ईद उल अजहा की नमाज अदा कर एक-दूसरे को गले मिलकर आपसी सौहार्द एवं भाईचारा से रहने का संदेश दिया। इसके बाद त्याग और बलिदान के प्रतीक अपने पसंदीदा पशुओं की कुबार्नी दी गई। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश महासचिव अब्दुल वाहिद खान ने कहा कि मस्जिद अल्लाह की इबादत की जगह है। जहां से हम भाई चारों का संदेश देते हैं और क्षेत्र में अमन चौन के लिए दुआ करते हैं। ईद उल अजहा की नमाज बड़ी अकीदत के साथ अदा कर मुल्क में अमन चौन शांति और भाईचारा कायम रहने की दुआ मांगी गई। इस पावन त्यौहार में मुस्लिम समुदाय के अलावा अन्य समुदाय के लोगों का भरपूर सहयोग रहा। इस मौके पर राशिद खान सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

वगत 3 वर्षों में इस नगर सेवा भवन बोकारो इस्पात प्रबंधन की छवि को खराब करने का काम किया गया

बोकारो स्टील प्लांट का नगर सेवा भवन में व्याप्त भ्रष्टाचार अब इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाएगा

राष्ट्रीय खबर

चास: बोकारो स्टील प्लांट का नगर सेवा भवन में व्याप्त भ्रष्टाचार अब इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाएगा विगत 3 वर्षों में इस नगर सेवा भवन बोकारो इस्पात प्रबंधन की छवि को खराब करने का काम किया है। उक्त बातें युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव देव शर्मा ने नगर सेवा भवन के सीजीएम बीएस पोपली के पुतला दहन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। श्री शर्मा ने कहा विस्थापित गांव के पानी का कनेक्शन को बीएसएल के अधिकारी काट रहे हैं। लेकिन शहर में इसका व्यवसाई के कारण अवैध रूप से करा रहे हैं। इसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए। नगर सेवा भवन के अधिकारी हर माह अवैध कार्य कर करोड़ों रुपए की अवैध वसूली करवाते हैं। बीएसएल के क्वार्टर और जमीन में लगातार अतिक्रमण का खेल चल रहा है। यह सब नगर सेवा भवन के अधिकारियों की

मिलीभगत से हो रहा है। वरीय कांग्रेस नेता मनोज कुमार ने कहा कि बीएसएल के क्वार्टर को कब्जा दिखाते हुए व्यापक पैमाने में किराए की वसूली की जाती है। इसके लिए शहर के आपराधिक संगठन सक्रिय हैं। जिसे नगर सेवा भवन के मुख्य महाप्रबंधक का संरक्षण प्राप्त है। जिसके द्वारा इस प्रकार की खेल खेला जा रहा है। उन्होंने कहा बोकारो इस्पात प्रबंधन शिक्षा, स्वास्थ्य सहित विस्थापित क्षेत्रों के कल्याण के बजाय अब अधिकारियों को विदेश घुमाने का काम कर रही है। अभी हाल ही में स्पेशल ओलंपिक के नाम पर अधिकारी जर्मनी के दौरे पर हैं। जिसका पूरा खर्च सेल का सीएसआर उठा रहा है। ऐसी स्थिति किसी भी कीमत में बर्दाश्त नहीं की जा सकती है। कहा यदि सेल प्रबंधन ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं करती तो नगर सेवा भवन के अलावा भ्रष्ट अधिकारियों के आवास पर भी उनका पुतला दहन कर विरोध किया जाएगा। इस अवसर पर कई युवा कांग्रेस और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

चंद्रशेखर पर हमला बहुजनों की आवाज दबाने की साजिश: रामाकांत

राष्ट्रीय खबर

बोकारो: आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद पर बुधवार शाम यूपी के देवबंद में जानलेवा हमला के विरोध में गुरूवार को साजफ की बैठक सेक्टर 4 डी स्थित महर्षि संत रविदास आश्रम में हुई। अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष रामाकांत राम एवं संचालन महासचिव देवानंद राम ने की। उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कहा कि चंद्रशेखर पर हमला बहुजनों की आवाज दबाने की कोशिश है। केंद्रीय अध्यक्ष श्री राम ने कहा कि चंद्रशेखर की विचारों से उनके विरोधी बौखला गए है। हथियारों से हमला कमजोर लोग करते है। क्योंकि वह विचारों से नहीं लड़ सकते। उन्होंने कहा कि अगर पिछले दिनों हुई घटनाओं का विश्लेषण किया जाए तो यह निष्कर्ष निकलता है कि

21वीं सदी में भी पूर्व की तरह ही बहुजन समाज पर जुल्म और शोषण जारी है। शोषण सिर्फ भौतिक ही नहीं बल्कि आर्थिक रूप से भी किया जा रहा है। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी 23 जुलाई को साजफ संविधान बचाओ विशाल महासम्मेलन किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से रूपलाल मांझी, अशोक राजवार, राजकुमार, सुभाष बाउरी, महेंद्र मुंडा, रामबाबू रोहित, राकेश कुमार, राजीव मुंडा, विक्की कुमार, संजीव कुमार, सुरेंद्र पासवान, सरोज कुमार, अवधेश राम, राजू मुंडा, चंद्रमणि राम, चुमन कुमार एवं अन्य मौजूद थे।

पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ संपन्न

राष्ट्रीय खबर

जैनामोड़: जैनामोड़ के पोस्ट ऑफिस गली में 1008 शीतला माता और हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा पांच दिवसीय यज्ञ संपन्न हुआ। समापन के पूर्व हवन पूजन की गई। श्रद्धालुओं के द्वारा भजन-कीर्तन करते हुए मंदिर परिक्रमा किया गया। इस कार्यक्रम में जैनामोड़ क्षेत्र के लोगों और कार्यकताओं को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के दौरान यज्ञ समिति सचिव राजु तिवारी, भाजपा के वरिष्ठ युवा नेता अर्जुनराम सिंह, पंकज जायसवाल, किष्टो प्रसाद भगत, संजय गोयल आदि उपस्थित होकर भव्य भंडारा कार्यक्रम में सहयोग किया।

अभियान

भाजपा के महाजनसंपर्क अभियान के तहत बीएसएल मजदूरों के साथ चला संवाद

अवैध कब्जा के मास्टरमाइंड है भूपेंद्र सिंह पोपली: डॉ प्रकाश

राष्ट्रीय खबर

चास: भाजपा के महा जनसंपर्क अभियान के तहत वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ प्रकाश के नेतृत्व में शहर के राम मंदिर चौक पर भ्रष्टाचार विरोधी अभियान शुरू किया। इस दौरान डॉ प्रकाश ने कहा कि बीएसएल का नगर सेवा भवन की कुव्यवस्था को लेकर बीएसएल कर्मचारियों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर कर्मचारियों ने बताया कि बीएसएल का नगर सेवा भवन में कर्मचारियों का कोई काम नहीं होता है। चारों तरफ सीजीएम भूपेंद्र सिंह पोपली के इशारे पर अवैध कब्जा और अवैध वसूली हो रहा है। इसमें हर माह करोड़ों की उगाही भी हो रही है। जिस कारण अधिकारी अब बीएसएल कर्मचारियों पर ध्यान नहीं देते। मजदूरों की बात सुनने के बाद डॉ. प्रकाश ने कहा कि वह भाजपा

के जनसंपर्क अभियान के तहत बीएसएल नगर सेवा भवन से जुड़े सीजीएम भूपेंद्र सिंह पोपली समेत तमाम अधिकारियों के पत्नी और बच्चों से नग्र निवेदन करते हैं कि उनके परिजन यदि अवैध कमाई घर पर लाए तो उसे स्वीकार ना करें। उन्होंने कहा बोकारो में एक अपराधिक संगठन पूरे शहर की जमीन और क्वार्टरों पर अवैध कब्जा कराकर हो किराया वसूल रहा है। यह सब नगर सेवा भवन के अधिकारियों के संरक्षण में हो रहा है। बोकारो की धरती शिक्षित बेटा बेटी पैदा करने के लिए पूरे विश्व में प्रचलित है। लेकिन कुछ अधिकारियों के कारण बोकारो की दुर्दशा हो रही है। जिसको लेकर सीबीआई और प्रधानमंत्री को पत्र लिखा जाएगा ताकि यहां के अधिकारियों की संपत्ति की जांच कराया जा सके। कहा कई अधिकारी करोड़ों के मकान अन्य प्रदेशों में ले चुके हैं। जिसकी विस्तृत जांच कराई जानी चाहिए।

राष्ट्रीय ख़बर हमारी नज़र झारखंड

web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rashtriyakhabar.com

शहर ›› अपडेट

पहली वर्षा में ही सड़क पर चलना हुआ दूभर

गोला : मानसून की पहली बारिश मे ही जोडा शिवालय से कालीनाथ चौक के सड़क चलकर पार हो जाना शेर के मुंह मे हाथ डालने से कम नही है। सड़क में नाली के गंदे पानी तथा बरसात का पानी बहने के कारण लोग परेशान है। मालूम हो की वर्षोपूर्व इस सड़क के किनारे विधायक मद से नाली का निर्माण करवाया गया था लेकिन आज स्थिति यह है।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स ››

मथुरा में आयोजित क्रिकेट चैंपियनशिप में झारखंड की टीम बनी विजेता

रजरप्पा : उत्तर प्रदेश के मथुरा में विगत 22 से 26 जून तक आयोजित सातवां सीनियर नेशनल टेनिस क्रिकेट चैंपियनशिप-2023 में झारखंड की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। झारखंड और मध्य प्रदेश की टीम के बीच खेले गए फाइनल मुकाबले में रजरप्पा प्रोजेक्ट स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के शिक्षक एवं संत निरंकारी मिशन रजरप्पा शाखा के मुखी दयानंद प्रसाद के पुत्र कन्हैया कुमार ने उम्दा बॉलिंग करते हुए 2 ओवर में 4 विकेट लेकर झारखंड की टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। राजस्थान के विरुद्ध खेले गए मैच में भी कन्हैया ने हैट्रिक के साथ चार विकेट झटके थे। वहीं फाइनल मुकाबले में मैन ऑफ द मैच और इस पूरे चैंपियनशिप में बेहतर खेल का प्रदर्शन करने पर कन्हैया के परिवार में खुशी का माहौल है। कन्हैया के माता-पिता ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि बेहतर संस्कार ही बच्चों के भविष्य गढ़ते हैं। हम चाहते हैं कि कन्हैया ईमानदारी के साथ परिश्रम करते हुए आगे बढ़े और अपने क्षेत्र का नाम रोशन करें। जबकि कन्हैया कुमार ने इस बेहतर प्रदर्शन के लिए अपने माता-पिता और गुरुजनों का आभार जताया है।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

सीआरपीएफ के शोकाकुल परिवार से मिले गिरिडीह के पुर्व सांसद

बेरमो : डुमरी विधानसभा के दहियारी (नावाडीह) निवासी सी.आर.पी.एफ. के जवान शामिम अख्तर के निधन के उपरांत अत्यंत दुखद खबर पाकर गिरीडीह के 16वीं लोकसभा सांसद रवींद्र कुमार पांडेय उनके आवास पर पहुँच कर उनके पिता एवं परिवार वालो से मुलाकात किया और गहरी शोक संवेदना व्यक्त किये एवं कहाँ की ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। परिवार वालो को दु:ख की घड़ी में सहन शक्ति दे। इस दौरान 16वीं लोकसभा सांसद श्री पांडेय के साथ भाजपा नेता दशरथ महतो, पूर्व मुखिया रणविजय सिंह, फुसरो मंडल के सोशल मीडिया प्रभारी शंकर सिन्हा के अलावा अन्य कई लोग उपस्थित थे।

आश्वासन

मुआवजे और स्पीड ब्रेकर के आश्वासन पर जाम हटा

तेज रफ्तार हाईवा से कुचलकर उजड़ा एक और परिवार का चिराग

राष्ट्रीय खबर

भुरकुंडा : भुरकुंडा ओपी क्षेत्र के रीवर साइड में सड़क हादसे में स्थानीय नागेश्वर ठाकुर की मौत के बाद आक्रोशित लोगों ने गिद्दी-भुरकुंडा को जाम कर दिया। रात तकरीबन नौ बजे से वाहनों का परिचालन ठप करा दिया गया। जाम की सूचना पर गुरुवार की सुबह पतरातू अंचलाधिकारी शिवशंकर पांडेय जाम स्थल पहुंचे और स्थानीय लोगों से बातचीत की। मुआवजे और स्पीड ब्रेकर के आश्वासन के बाद लगभग 12 घंटे बाद जाम हटा लिया गया। वहीं पतरातू अंचलाधिकारी शिवशंकर पांडेय ने बताया कि सरकारी प्रावधान के तहत हिट एंड रन के मामले में दो लाख और अंत्येष्टि के लिए 20 हजार उपलब्ध कराया जाता है। साथ ही मृतक की पत्नी को विधवा पेंशन के लिए स्वीकृति दी जा रही। जल्द ही यह सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि हाइवा के तेज परिचालन को लेकर लोग सड़क पर एक-दो जगह स्पीड ब्रेकर की मांग कर रहे हैं। जिसे लेकर सीसीएल बरका-सयाल के जीएम से बात की जाएगी। सीसीएल बरका-सयाल सहित आसपास के क्षेत्र में बड़ी संख्या में हाइवा का परिचालन हो रहा है। रात के समय तेज रफ्तार से हाइवा क्षेत्र की सड़क पर दौड़ते देखे जा रहे हैं। क्षेत्र की सड़कों पर कई जगह पर्याप्त लाइट की व्यवस्था भी नहीं है। आए दिन आम लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं।सीसीएल प्रबंधन से शिकायतों के बावजूद आबादी वाले क्षेत्र में भी इन वाहनों के रफ्तार पर लगाम नहीं लगाया जा सका है। बताया जाता है कि कई हाइवा चालक नशे में वाहन चलाते हैं लेकिन प्रशासन इसकी जांच तक नहीं कराती। स्थानीय लोगों के अनुसार हाइवा पर दो नंबर के कोयले के साथ रात में अवैध रूप से बालू ढुलाई की भी होती है। चालक पकड़े जाने के भय से भी आपाधापी में रहते हैं। नियमित जांच और रफ्तार पर अंकुश लगाने की बजाय सड़क दुर्घटनाओं पर सरकारी मुआवजा देकर अधिकारी पल्ला झाड़ लेते हैं और यही सिलसिला चला आ रहा है।

दुर्घटना के विरोध में धरने पर बैठे स्थानीय लोग।

- तेज रफ्तार पर प्रशासन मुर्खदरशक
- तेज रफ्तार हाइवा परिचालन से लोगों में नाराजगी

पतरातू में यातायात पुलिस रामगढ़ ने चलाया सघन वाहन जांच अभियान

पतरातू : पतरातू थाना स्थित मुख्य गेट के समीप यातायात पुलिस रामगढ़ के द्वारा बुधवार को सघन वाहन जांच अभियान चलाया गय। वाहन जांच अभियान का नेतृत्व ट्रैफिक पुलिस रामगढ़ के एसआई सफीउल्लाह ने किया। इस दौरान दोपहिया और चार पहिया वाहनों से चलने वालों से बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, तेज गति से वाहन चलाने वाले चालकों व तीन सवार बाइक चालकों पर दंड स्वरूप कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन व ऑफलाइन चालान काटकर जुमार्ना वसूल किया गया। इस दौरान ट्राफिक जांच अभियान का नेतृत्व कर रहे एसआई सफीउल्लाह ने बताया कि आला अधिकारियों के दिशा निर्देश के आलोक में यह अभियान चलाया गया है। साथ ही कहा कि लगातार कार्रवाई करने पर भी बहुत से वाहन चालक नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसलिए सड़क दुर्घटना में कमी लाने के लिए ट्रैफिक पुलिस लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई कर रही है। साथ ही जांच के दौरान वाहन का वैध कागजात तथा पंजीकरण प्रमाण, प्रदूषण प्रमाण पत्र, इंश्योरेंस पेपर, ड्राइविंग लाइसेंस आदि की जांच की गई। जांच के क्रम में दोपहिया वाहनों में वाहन चालक के हेलमेट की अनिवार्यता सहित उपरोक्त वाहन के कागजातों की जांच के अलावा ड्राइविंग लाइसेंस की भी जांच की गई। जानकारी के अनुसार जांच की भनक लगते ही वाहन चालकों के बीच अफरा-तफरी मच गई और वाहन सवार वैकल्पिक मार्ग से छुप-छुपाते भागते नजर आए।

चितरपुर प्रखंड में 500 एकड़ भूमि में करें आम बागवानी : बीपीओ

राष्ट्रीय खबर

रजरप्पा/ चितरपुर : चितरपुर प्रखण्ड मुख्यालय के सभागार में प्रभारी बीपीओ कुमार विवेक सिंह ने पंचायत व रोजगार सेवकों के साथ बैठक किया। बैठक के दौरान उन्होंने रोजगार सेवकों को चितरपुर प्रखंड में 500 एकड़ भूमि पर आम बागवानी योजना लेने का निर्देश दिया। इसके अलावे उन्होंने समय पर अमृत सरोवर योजना पूर्ण करने, 30 जून तक डोभा व कूप निर्माण योजना को बंद करने, प्रति पंचायत 100 मजदूर लगाने, जॉब कार्ड वेरिफिकेशन, सभी मजदूरों का आधार सीडिंग करने, प्रत्येक पंचायत में 10 टीसीबी व 10 मेढ़बंदी योजना लेना, डीबीटी शत प्रतिशत करना व सभी पंचायतों में मानव दिवस बढाने का भी निर्देश दिया। बैठक में जेई यमुना करमाली, लेखपाल सूरज कुमार दांगी, पंचायत सेवक ब्रम्हानंद पाठक, नेमचंद करमाली, सिकंदर अंसारी, युगेश कुमार, राजेंद्र बैठा, रूपेश कुमार, प्रसादी महतो, महेंद्र नायक सहित कई मौजूद थे।

खास महल परियोजना में उत्खन्न में सुरक्षा नियमों की हो रही अनदेखी

पत्थर गिरने से पेलोडर कुंजलाल मंडल गंभीर रूप से घायल

- कार्य के दौरान उपर से पत्थर का गिरना
- उत्खनन नियमों का अनदेखी होना दुर्घटना का मुख्य कारण है

राष्ट्रीय खबर

बेरमो: सीसीएल बीएडके एरिया के एकेकेओसीपी (खास महल-कोनार) परियोजना मे हाईवाल तले जान जोखिम में डालकर काम करे है केएसएमएल कंपनी के कामगार। इसका प्रमाण है आउटसोर्सिंग कंपनी के पेलोडर आपरेटर कुंजलाल मंडल पर कार्य के दौरान उपर से पत्थर का गिरना, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और बीजीएच मे जीवन की जंग लड़ रहा हे। विश्वस्त सूत्रों के प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्खनन नियमों का अनदेखी होना दुर्घटना का मुख्य कारण है। बताया जाता है अंधाधुन उत्खनन करने के चक्कर में आउटसोर्सिंग कंपनी केएसएमएल बेंच बनाने की जगह सीधा उत्खनन कर रहा है। जिसके कारण माइंस में हाईवाल बन गया है। हाईवाल होने के कारण ऊपर से अक्सर पत्थर गिरते रहता है। जिसके कारण कामगारों पर खतरा बना रहता है। स्थानीय प्रबंधन भी ज्यादा उत्पादन की चाहत में इसको इग्नोर करते रहता है। जहां तक बात डीजीएमएस की है तो कभी-कभार उनका दौरा होते रहता हे। इसके बावजूद हाईवाल के खतरा तले उत्खनन जारी रहना आश्चर्य की बात है। इस संबंध में पूछताछ करने पर यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष सुजीत घोष ने कहा कि मजदूर को देखने के लिए वह बीजीएच गए थे। जहां मजदूर को आईसीयू में भर्ती किया गया है। स्थिति गंभीर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि उत्खनन में घोर लापरवाही बरती जा रही है ।हाईवाल तले उत्खनन कराया जा रहा है ।

राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन का प्रतिनिधिमंडल सीसीएल के निर्देशक से मिला

बेरमो : राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन का प्रतिनिधिमंडल सीसीएल दरभंगा हाउस स्थित सीसीएल के निर्देशक योजना एवं परियोजना के कार्यालय कक्ष में मिलकर क्षेत्र की समस्याओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। जिसमें मुख्य रुप से कथारा क्षेत्र के अंतर्गत जारंगडीह कोलियरी एवं कथारा कोलियरी के विस्तारीकरण क्षेत्र में मशीनों के सुरक्षा के दृष्टिकोण से अग्निशमन वाहन की व्यवस्था उपलब्ध करने श्रमिकों को प्रशिक्षण देने स्वांग वाशरी को वाशरी ग्रेड का कोयला मुहैया कराने क्षेत्र के भूमिगत खदान गोविंदपुर परियोजना के अंतर्गत 1।2 खदान को चालू करने श्रमिकों को सुरक्षा उपकरण मुहैया कराने सहित अन्य मांगों पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। मांगों को गंभीरता से ध्यान में रखते हुए उचित एवं आवश्यक कदम उठाए जाने का भरोसा दिया। प्रतिनिधिमंडल को अपनी बात रखते हुए निर्देशक योजना एवं परियोजना साई राम साहब ने कहा सुरक्षित और गुणवत्ता युक्त उत्पादन प्राथमिकता है। निश्चित रूप से मिश्रित प्रयास से सीसीएल उत्पादन लक्ष्य को पूरा करेगा हर संभव उत्पादन को बढ़ाने का प्रयास होगा श्रमिक संगठन का सहयोग और मार्गदर्शन समय-समय पर आवश्यक है। श्रमिकों का वेलफेयर कंपनी की प्राथमिकता है। इस अवसर पर मुख्य रूप से क्षेत्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह क्षेत्रीय अध्यक्ष अजय कुमार सिंह क्षेत्रीय सचिव विल्सन फ्रांसिस क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश शर्मा वेदव्यास चौबे युवा कांग्रेस के विजय यादव शामिल थे।

मनरेगा मजदूर की मौत पर अबतक नहीं मिला मुआवजा

रजरप्पा : चितरपुर के लारीकलां के मनरेगा मजदूर की मौत कुआ में गिरने से हो गई थी। जिसे अभी तक मुआवजा नहीं दिया गया है। इस बाबत मृतक के भाई झमन महतो पिता स्व बढ़न महतो ने डीसी, डीडीसी, मनरेगा लोकपाल, चितरपुर सीओ को आवेदन देकर जांच पड़ताल करने की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि मेरा भाई लक्ष्मी महतो पिता स्व बढ़न महतो लारीकलां निवासी कौलेश्वर महतो के मनरेगा से खुदाई हो रहे कुआं में काम कर रहा था। इस दौरान 18 जून दिन रविवार को कुआं की खुदाई के दौरान गिर गया था। जिससे उसको गंभीर चोट लगी थी। जिसे आनन फानन में रोजगार सेवक राजकपूर और अन्य मजदूरों के द्वारा एंबुलेंस से सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके बाद पोस्टमार्टम ना कराकर साक्ष्य को छुपाने के लिए लक्ष्मी महतो के शव को जलवा दिया गया। जिसका आजतक न कारवाई और मुआवजा का भुगतान किया गया है। इस दौरान बुधवार को महिलाओं और पुरुषों ने विरोध जताया है। विरोध जताने वालो में मुन्नी देवी, देवंती देवी, वीणा देवी, निशा देवी, सुशील देवी, किरण कुमारी, तुलसी महतो, बहादुर महतो, शुभम कुमार, श्रीकांत कुमार, मनोज महतो ने विरोध जताया है।

घूरती रथ पर मौसीबाड़ी से मुख्य मंदिर लौटें भगवान जगन्नाथ

राष्ट्रीय खबर

रजरप्पा : कैथा में आयोजित घूरती रथ यात्रा के पूर्ण होते ही भक्ति पूर्ण माहौल में विधिपूर्वक रथयात्रा संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य पूजारी बी.एन चटर्जी ने कहा कि विधि अनुसार भगवान जगन्नाथ बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र आठ दिनों तक मौसीबाड़ी से विश्राम कर नाववें दिन मुख्य मंदिर में लौटते हैं जहां भगवान का पूजन का कर उन्हें सिंहासन पर भक्तों के द्वारा विराजमान कराया जाता है। वहीं आयोजन समिति अध्यक्ष सह वार्ड पार्षद देवधारी महतो ने कहा कि ग्रामीणों के सहयोग से रथयात्रा का समापन हुआ। रथयात्रा महोत्सव में हजारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया और भगवान के दर्शन पूजन किया। आयोजन समिति सचिव राजेश महतो ने कहा कि रथयात्रा का आयोजन पूरे उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कैथा रथयात्रा रामगढ़ जिले का विख्यात धार्मिक आयोजन में से एक है। भगवान के पूजन से भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है। इस अवसर पर खीर महाभोग का आयोजन किया गया। संध्या पहर में सैकड़ों भक्तों ने भगवान जगन्नाथ बहन सुभद्रा व भाई बलभद्र को मौसीबाड़ी से रथारुढ कर रथ की खींचकर मुख्य तक पहुंचाया जहां भक्तों ने विधि अनुसार भगवान का दर्शन पूजन किया।
तीनों विग्रहों को पुनः गद्दी पर विराजमान किया गया।इस अवसर पर अध्यक्ष देवधारी महतो सचिव राजेश कुमार महतो कोषाध्यक्ष आसुतोश चटर्जी संरक्षक अशेश्वर महतो सुकर महतो गणेश सुदर्शन महतो हरिहर पाठक, अमित कुमार, अनुज कुमार, नीतीश कुमार, प्रहलाद कुमार आदि श्रद्धालु गण उपस्थित थे।

सीसीएल स्वच्छता पखवाड़ा के तहत किया गया वृक्षारोपण

राष्ट्रीय खबर

गिद्दी :डीएवी विद्यालय गिद्दी में सीसीएल अरगड्डा क्षेत्र के निदेर्शानुसार स्वच्छता पखवाड़ा के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना था। महात्मा गांधी ने भारत को स्वच्छ बनाने का जो सपना देखा था उसे पूरा करने का एक सार्थक प्रयास करना था। विद्यालय द्वारा आयोजित एक विशेष प्रार्थना सभा में सभी छात्र-छात्राओं और शिक्षक गणों को सीसीएल के वरीय अधिकारियों की मौजूदगी में स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। मौके पर बच्चों को संबोधित करते हुए प्रभारी प्राचार्य सुनील कुमार ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है, और इसे हम सभी स्वच्छ रख कर ही पूरा कर सकते है। सीसीएल के वरीय अधिकारियों की मौजूदगी में वायुमंडल को स्वच्छ और संतुलित बनाने के उद्देश्य से विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया तथा कई किस्म के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर विद्यालय के तमाम शिक्षक गण और छात्र-छात्राएं मौजूद थे। मौके पर एसओपी मोहम्मद फिजाउल हक, मैनेजर पर्सनल स्मिता पन्ना,मैनेजर ट्रेनी रजत कुमार जसवाल, अधिकारी दुर्गेश सिंह आदि उपस्थित थे।

सोलर आधारित तीन डीप बोर का मुखिया ने किया शिलान्यास

गिद्दी : डाड़ी प्रखंड के गिद्दी पंचायत क की मुखिया कविता सिंह के प्रयास से सीएसआर के तहत तीन सोलर डीप बोर का शिलन्यास नारियल फोड़कर किया गया। मुखिया कविता सिंह ने बताया कि पंचायत क्षेत्र में पेयजल की समस्या को लेकर उन्होंने क्षेत्र के महाप्रबंधक सुधांशु कुमार पांडेय से मुलाकात कर इसके निदान की गुहार लगाई थी।मुखिया कविता सिंह द्वारा गिद्दी पंचायत क के काली मंदिर, मेनगेट तथा नाला के पास सीएसआर के तहत सोलर डीप बोरिंग की मांग की गई थी। श्रीमती कविता सिंह ने कहा कि इस योजना के तहत पंचायत में पेयजल की समस्या से काफी हद तक निजात मिल सकेगा। शिलान्यास के मौके पर विकास सिंह, रणधीर सिंह, विन्देश्वरी सिंह, मदन सिंह, ब्रह्मदेव सिंह, जीवन गुप्ता, मनोज सिंह व अन्य लोग मौजूद थे।

रूबरू सांसद ने दिये कई सवालों के जवाब, उत्पादन बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण पर दिया बल

सेवा और सुशासन के नाम रहे केंद्र सरकार के नौ साल : जयंत

राष्ट्रीय खबर

भुरकुंडा : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नौ साल बेमिसाल कार्यक्रम के तहत जेएम कॉलेज में प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा मौजूद रहे। सम्मेलन का उद्घाटन पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता और संचालन अखिलेश प्रसाद ने किया। कार्यक्रम में सांसद का स्वागत अंगवस्त्र और फूल देकर किया गया। सांसद ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का नौ साल बेमिसाल रहा है। गरीब और वंचितों के लिए कई जन कल्याणकारी योजनाएं सीधे धरातल पर उतरी है। गरीबों को पक्का मकान, बिजली, शौचालय, गैस सिलेंडर सहित कई तरह की सुविधाएं अब मिल रही है। डिजीटल भारत के तहत आज हर हाथ में मोबाइल है। लोगों को डिजीटल ट्राजेक्शन से लेन देन में सहूलियत हो रही है। बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जा रहा है। वंदे भारत एक्सप्रेस जैसे ट्रेनों से कनेक्टिविटी बढ़ाई जा रही है।

2070 तक कोयले की खपत को शून्य करने का है प्रयास: सांसद

प्रबुद्ध सम्मेलन के दौरान सांसद ने एक सवाल के जवाब में कहा कि पहले जहां गर्मियों में 35 डिग्री तापमान होता था आज 45 डिग्री तापमान पहुंच रहा है। वर्ष 2100 तक यह 55 डिग्री भी पहुंच सकता है।जेएसपीएल, पीवीयूएनएल, सीसीएल जैसे औधोगिक प्रतिष्ठानों से कार्बन-डाई- ऑक्साइड का उत्सर्जन होता है जो वातावरण में रजाई की तरह फैल जाता है और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या और गंभीर होती जा रही है। औद्योगिक संस्थाओं को कोयला की खपत खत्म कर उर्जा के नये विकल्पों का उपयोग करना होगा। सांसद ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण सभी को करना है। केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि 2070 तक कोयले की खपत शून्य हो। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में आम लोगों की भागीदारी भी जरूरी है। इस दिशा में प्रेटोल की बजाय ईलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग कर अब बेहतर है।

उत्पादन बढ़ाने से देश का होगा विकास: सांसद

वहीं एक सवाल के जवाब में सांसद ने कहा कि सांसद और विधायक सिर्फ माध्यम हैं। योजनाओं को कार्यान्वित कराना और पैसों का भुगतान करना कार्यपालिका का काम है। आगे उन्होंने उन्होंने कहा कि हमें यह समझना होगा कि पैसे से विकास नहीं होता बल्कि उत्पादन से होता है। उत्पादन बढ़ाकर ही देश का विकास किया जा सकता है। चाईना की आबादी 1.41 अरब है और भारत की अपेक्षा चाईना की उत्पादन क्षमता 5 गुणा अधिक है। अमेरिका की आबादी महज 35 करोड़ है, जबकि भारत से अमेरिका की उत्पादन क्षमता छह गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि हमें पहले बुनियादी और उच्च शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है। साथ ही उत्पादन क्षमता को भी बढ़ाने का प्रयास करना है।

सड़क शिलान्यास का कार्यक्रम हो गया रद्द

सांसद के भुरकुंडा दौरे के क्रम में दोपहर 1:30 बजे बैंक ऑफ इंडिया, भुरकुंडा शाखा से लेकर लोहा पुल तक सड़क का शिलान्यास होना निर्धारित था। कार्यक्रम को लेकर बैंक ऑफ इंडिया के निकट पूरी तैयारी की गई थी। लेकिन अपरिहार्य कारणों से कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया। कई भाजपा कार्यकर्ता इसे लेकर आपस में चर्चा करते भी देखे गये। हालांकि शिलान्यास कार्यक्रम रद्द क्यों हुआ और आगे शिलान्यास कब होगा इसपर साफ तौर पर फिलहाल कुछ नहीं कहा जा रहा है। जानकारी के अनुसार डीएमएफटी मद से तकरीबन 81लाख की लागत से यहां सड़क निर्माण का शिलान्यास होना था। शिलान्यास कार्यक्रम रद्द होना चर्चा का विषय बना हुआ है।

ये रहें उपस्थित

प्रबुद्ध सम्मेलन में सांसद प्रतिनिधि नारायण चंद भौमिक, सुमन सिंह, डॉ. संजय सिंह, सुखदेव प्रसाद, जगतार सिंह, जय प्रकाश पांडेय, डॉ. महेंद्र पांडेय, शीला सिंह सहित अन्य मौजूद रहे। धन्यवाद ज्ञापन भुरकुंडा मंडल अध्यक्ष सतीश मोहन मिश्रा ने किया।

जयंत सिन्हा ने बताया

जेएसपीएल, पीवीयूएनएल, सीसीएल जैसे औधोगिक प्रतिष्ठानों से कार्बन-डाई-ऑक्साइड का उत्सर्जन होता है

सांसद ने कहा

चाईना की आबादी 1.41 अरब है और भारत की अपेक्षा चाईना की उत्पादन क्षमता 5 गुणा अधिक है

बीडीओ हरी नाथ महतो को अतिरिक्त एमओ का पदभार

पतरातू : पतरातू खाद आपूर्ति विभाग के एमओ मंजू कुमारी के सेवानिवृत होने पर बीडीओ हरिनाथ महतो ने एमओ के पद पर अतिरिक्त पदभार संभाला। बताते चले कि वर्तमान एमओ मंजू कुमारी का कार्यकाल 30/06/23 शुक्रवार को समाप्त हो रहा है वे सेवानिवृत्त हो रही है। तथा प्रखंड कार्यालय के एमओ ऑफिस में मंजू कुमारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी हरिनाथ महतो को गुलदस्ता देकर प्रोटोकॉल पालन करते हुए पदभार ग्रहण कराया। इस मौके पर उपस्थित प्रखंड कर्मी व खाद्य आपूर्ति विभाग के कर्मियों ने मंजू कुमारी को भविष्य की अनेक एवं स्वास्थ्य जीवन की शुभकामनाएं दी। एवं बीडीओ हरीनाथ महतो ने उनके द्वारा किए गए कार्यो को सराहा एवं भविष्य की अनेक शुभकामनाएं दीं। मौके पर एजीएम अजय कुमार सिंह, डोर स्टेप डिलीवरी संवेदक समीम अंसारी जन वितरण प्रणाली दुकानदार संजय रब्बानी, जैनुलआब्दीन, आफताब आलम, परमानंद अग्रवाल, देवराज सिंह, जगदेव प्रसाद, जगदेव प्रसाद आदि के साथ काफी संख्या में प्रखंड कर्मी उपस्थित रहे।

तालाब में अचानक से मर गई मछलियां, किसानों का हाल बेहाल

बेरमो : बोकारो से एक चौकाने वाला मामला सामने आया है, जहां ड़ेगनी तालाब में बीते रात अचानक से मछलियां मृत पाई गई। मामला बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया प्रखंड क्षेत्र के होसिर का है। इस बात का पता तब चला जब उस तालाब में मत्स्य पालन करने वाले किसान सुबह तालाब में मछलियों को दाना डालने पहुंचे। तालाब पहुंचने पर किसान ने देखा कि तालाब में पाली गई लगभग सभी मछलियां मरी हुई है। तब उन्होंने तालाब के चारो ओर घूमकर मुआयना किया तो देखा कि सभी किनारों पर मछलियां मृत अवस्था में पानी पर छपली हुई थी। यह देखकर उनका बुरा हाल हो गया। जानिए क्या कहते हैं किसान - इस संबंध में मत्स्य पालन करने वाले किसान गोपाल केवट ने बताया कि वे एक दिन पहले ही तालाब पर लगभग चालीस किलो मछली बीज का संचयन किया था। इसके अलावा पूर्व में तालाब पर लगभग एक क्विंटल फिंगरलिंक मछली अंगुलिकाओं का संचयन किया गया था।

संपादकीय

दवा उद्योग में भारत को ध्यान देना होगा

कोरोना महामारी के दौरान पूरी दुनिया में अनेक ऐसे देश थे, जिन्हें पता भी नहीं था कि भारत में दवा बनाने का इतना बड़ा आधारभूत ढांचा भी है। कोरोना वैक्सिन की वजह से वैश्विक स्तर पर भारत को नई पहचान मिली। इसका लाभ देश और उठा पाता इसके पहले ही खांसी के कफ सिरप ने भारतीय संभावनाओं पर कुठाराघात किया है। वैसे सच क्या है, इस पर बहस की पूरी गुंजाइश है क्योंकि बहुराष्ट्रीय कंपनियां इतनी आसानी से भारतीय कंपनियों को अपना एकाधिकार छीन लेने का मौका तो नहीं देंगे। फिर भी गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में दर्जनों बच्चों की मौत से भारत निर्मित कफ सिरप के जुड़े होने के बाद सरकारी नोटिस में कहा गया कि भारत निर्यात से पहले कफ सिरप के लिए परीक्षण अनिवार्य होगा। कफ सिरप के निर्यात से पहले सरकारी प्रयोगशाला द्वारा जारी विश्लेषण प्रमाणपत्र होना चाहिए, जो 1 जून से प्रभावी हो गया है। भारत का 41 अरब डॉलर का फार्मास्युटिकल उद्योग दुनिया में सबसे बड़े उद्योगों में से एक है, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा तीन भारतीय

कंपनियों द्वारा बनाए गए कफ सिरप में विषाक्त पदार्थ पाए जाने के बाद इसकी प्रतिष्ठा को झटका लगा। इनमें से दो कंपनियों द्वारा बनाए गए सिरप पिछले साल गाम्बिया में 70 और उज्बेकिस्तान में 19 बच्चों की मौत से जुड़े थे। व्यापार मंत्रालय द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है, कफ सिरप को निर्यात नमूने के परीक्षण और विश्लेषण प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की शर्त पर निर्यात करने की अनुमति दी जाएगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस सवाल का तुरंत जवाब नहीं दिया कि क्या घरेलू बाजार में बिकने वाले कफ सिरप के लिए परीक्षण की आवश्यकता होगी। नोटिस में सात संघीय सरकारी प्रयोगशालाओं की पहचान की गई है, जहां राष्ट्रीय मान्यता निकाय द्वारा प्रमाणित अन्य राज्य प्रयोगशालाओं के अलावा, नमूने परीक्षण के लिए भेजे जा सकते हैं। गाम्बिया में बच्चों की मौत से जुड़े मेडेन फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड द्वारा बनाए गए कफ सिरप के भारतीय परीक्षणों में कोई विषाक्त पदार्थ नहीं पाया गया, लेकिन मैरियन बायोटेक द्वारा बनाई गई कई दवाओं में दूषित पदार्थ पाए गए, जिनके सिरप उज्बेकिस्तान में होने वाली मौतों से जुड़े थे। पिछले महीने यह रिपोर्ट आयी थी कि भारत अपनी फार्मास्युटिकल उद्योग नीति में बदलाव पर विचार कर रहा है, जिसमें कफ सिरप के साथ-साथ दवाओं के लिए कच्चे माल का परीक्षण बढ़ाना शामिल है। कंपनियां किसी भी गलत काम से इनकार करती हैं। प्रधान मंत्री कार्यालय के 15 मई के एक दस्तावेज से पता चलता है कि स्वास्थ्य मंत्री और संघीय और राज्य नियामकों ने इस साल की शुरूआत में दक्षिणी शहर हैदराबाद में बच्चों की जान लेने वाले निर्यातित कफ सिरप का समाधान खोजने के लिए एक विचार-मंथन सत्र भी आयोजित किया था। भारत में निर्मित दवाओं से गंभीर नुकसान होने और दुनिया भर से दर्जनों मरीजों की मौत की खबरें लगातार आ रही हैं, सबसे ताजा मामला श्रीलंका में दो मरीजों की मौत का है, जिन्हें भारत में बनी एनेस्थेटिक दवाएं दी गई थीं। अभी पिछले महीने ही भारत में निर्मित आई ड्रॉप्स के कारण श्रीलंका में लगभग 30 मरीजों की आंखों में संक्रमण और 10 मरीजों में अंधापन हो गया था। जबकि भारत में बनी एनेस्थेटिक दवाएं मौत का कारण बन रही हैं, यह हाल के दिनों में पहली बार हुआ है, कुछ महीने पहले अमेरिका में अटलांटा स्थित रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, आई ड्रॉप के कारण संक्रमण, अंधापन और यहां तक कि मौतें भी हुई थीं। भारत में उत्पादित दवाओं के खिलाफ प्रतिकूल रिपोर्टों की श्रृंखला पिछले साल शुरू हुई जब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने गाम्बिया में गंभीर गुर्दे की चोट से कम से कम 70 बच्चों की मौत को कफ सिरप से जोड़ा। सिरप में दोषी घटक डायथिलीन ग्लाइकॉल और एथिलीन ग्लाइकॉल थे - प्रोपलीन ग्लाइकोल के सस्ते विकल्प के रूप में उपयोग किए जाने वाले घातक रसायन - जो किसी भी दवा में कभी नहीं पाए जाने चाहिए थे। गाम्बिया में हुई मौतों के तुरंत बाद, भारत में निर्मित और दो घातक रसायनों से युक्त कफ सिरप ने दिसंबर 2022 में उज्बेकिस्तान में 18 बच्चों की जान ले ली। डब्ल्यूएचओ द्वारा पहली बार चेतावनी जारी होने के बाद भारतीय दवा नियामक का आचरण पूवार्नुमानित तर्ज पर रहा है। गंभीर उल्लंघनों के बाद भी, इसने उस कंपनी को क्लीन चिट दे दी जिसने गाम्बिया को दवाओं की आपूर्ति की थी और फिर वैश्विक स्वास्थ्य निकाय को दोष देने के लिए आक्रामक हो गया। जबकि डब्ल्यूएचओ ने अपना पक्ष रखा, दवा नियामक का रुख उजागर हो गया। स्विट्जरलैंड और घाना के परीक्षण परिणामों ने गाम्बिया के कफ सिरप के नमूने में जहरीले रसायनों की उपस्थिति की पुष्टि की। गैम्बिया द्वारा एक विस्तृत कारण मूल्यांकन और गैम्बिया संसदीय समिति और सीडीसी अटलांटा द्वारा स्वतंत्र जांच में मौतों और जहरीले रसायनों के बीच एक संबंध पाया गया। इसलिए हमें अपनी गुणवत्ता में सुधार करना होगा।

दिल भी मिले तो बने बात

बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार के प्रयासों से पटना में 15 विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। बैठक में शामिल नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एकजुटता दिखाते हुए अगला लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने की बात कही। बैठक में शामिल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी व मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को राष्ट्रीय स्तर की मान्यता प्राप्त है। जबकि जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी, शिवसेना(उद्धव), झारखंड मुक्ति मोर्चा, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, द्रुमक, भाकपा, नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, भाकपा (माले), अपने-अपने प्रदेशों में क्षेत्रीय दलों के रूप में मान्यता प्राप्त है।

पटना की बैठक में शामिल 15 दलों की देश के 11 प्रदेशों में सरकार चल रही है। पिछले 9 सालों में पहली बार 15 राजनीतिक दल एक साथ एक मंच पर बैठकर चर्चा की है। जो देश की राजनीति के लिए आने वाले समय में एक महत्वपूर्ण घटना साबित होगी। पटना में जुटे 15 दलों के लोकसभा में 142 सांसद हैं। जो कुल लोकसभा सदस्यों का 26 प्रतिशत होता है। वही

रमेश सर्राफ धमोरा
स्वतंत्र-पत्रकार

राज्यसभा में इन दलों के पास 94 सांसद है जो 38 प्रतिशत है। राज्यों की विधानसभाओं की कुल 4123 सीटों में से 1717 विधानसभा सीटें इन 15 दलों के पास है जो कुल विधानसभा सदस्यों का 42 प्रतिशत होता है।

विपक्षी दलों की पटना बैठक में शामिल हुए दलों में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है। कांग्रेस की देश के चार प्रदेशों राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक में सरकार चल रही है। कांग्रेस के पास लोकसभा में 49 राज्यसभा में 29 व विभिन्न प्रदेशों की विधानसभाओं में 725 सदस्य है। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को कुल 11 करोड़ 94 लाख 95 हजार 214 वोट मिले थे। विपक्ष में सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते कांग्रेस चाहती है कि राहुल गांधी को नेता प्रोजेक्ट किया जाये। राजद नेता लालू यादव व तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन राहुल गांधी के पक्ष में खड़े हैं। वही ममता बनर्जी, शरद पवार, अरविंद केजरीवाल सामूहिक नेतृत्व की बात कर रहे हैं।

पटना मीटिंग में शामिल हुए नेताओं के हाथ तो जरूर मिले मगर अभी तक दिल नहीं मिल पाये हैं। मीटिंग में अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली सरकार के खिलाफ लाये गये अध्यादेश के खिलाफ राज्यसभा में कांग्रेस को उनका समर्थन करने की बात कही। जिस पर कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे व अरविंद केजरीवाल में बहस भी हुई। मलिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम ऐसा कोई वादा नहीं कर सकते हैं। हमारी पार्टी के मंच पर इस बाबत चर्चा करके फैसला लिया जाएगा। बैठक में अरविंद केजरीवाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि राज्यसभा में कांग्रेस उनकी सरकार के खिलाफ लाए गए अध्यादेश के खिलाफ मतदान नहीं करेगी तो भविष्य में वह किसी भी विपक्षी गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं होंगे।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कांग्रेस पार्टी द्वारा उनकी सरकार के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन को लेकर नाराजगी जताई। ममता बनर्जी का कहना है कि पश्चिम बंगाल में उनकी सरकार अच्छा काम कर रही है। कांग्रेस जानबूझकर उनको बदनाम करने के लिए लगातार आंदोलन कर सरकार की छवि खराब कर रही है। कांग्रेस को अपने प्रादेशिक नेताओं को उनकी सरकार के खिलाफ आंदोलन करने से रोकना होगा। वहीं पश्चिम बंगाल में माकपा व भाकपा भी तृणमूल कांग्रेस की सरकार के खिलाफ सक्रिय है।

पिछला विधानसभा चुनाव कांग्रेस, माकपा व भाकपा ने मिलकर लड़ा था। उसके बावजूद उनका खाता भी नहीं खुल सका था। इससे तीन दलों के नेताओं को ममता बनर्जी से खासी नाराजगी है। ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में वामपंथी दलों की सरकार को हटाकर सत्ता में आई थी। कभी वामपंथ का गढ़ रहे पश्चिम बंगाल में आज वामपंथी दलों का एक भी विधायक या सांसद नहीं है। इसके लिए वामपंथी दलों के नेता ममता बनर्जी को जिम्मेदार मानते हैं। इसीलिए उनके खिलाफ लगातार हमलावर रहते हैं। जम्मू कश्मीर में कभी नेशनल कॉन्फ्रेंस व पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी एक दूसरे की जानी दुश्मन होती थी। मगर दोनों ही दल अब सत्ता से बाहर है। इसलिए आपस में हाथ मिला रहे हैं। पीडीपी के पास तो एक भी जनप्रतिनिधि नहीं है। पिछले लोकसभा चुनाव में पीडीपी का एक भी सांसद नहीं जीता था। जम्मू-कश्मीर में अभी विधानसभा चुनाव होने हैं। पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने घोषणा कर रखी है कि जब तक जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा वह चुनाव नहीं लड़ेगी। महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव ठाकरे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी व कांग्रेस की महाविकास अघाड़ी एकजुट होकर काम कर रही है। बिहार में जदयू, राजद, कांग्रेस, भाकपा माले, माकपा व भाकपा की मिली जुली सरकार चल रही है। बिहार सरकार में शामिल हम पार्टी के नेता जीतन राम मांझी ने पटना बैठक से एक दिन पूर्व बिहार सरकार से अलग होकर अपनी पार्टी का समर्थन वापस ले लिया। यह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए एक झटके से कम नहीं था। वह एक तरफ तो विपक्षी दलों को एक करने में लगे हैं। वहीं उनकी सरकार में शामिल पार्टी उनको छोड़कर भाजपा नीत एनडीए में शामिल हो जाती है। इससे नीतीश कुमार की मुहिम कमजोर पड़ती है।

पटना बैठक में बहुजन समाज पार्टी, बीजू जनता दल, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी, भारत राष्ट्र समिति, अन्ना द्रुमक, तुलुगु देशम पार्टी, अकाली दल, जनता दल सेक्यूलर, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन, आल इंडिया यूनाईटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट, मुस्लिम लीग सहित बहुत से ऐसे छोटे राजनीतिक दल जो कांग्रेस व भाजपा से समान दूरी रखकर चल रहे हैं। उनके नेता भी बैठक में शामिल नहीं हुये। इससे लगता है कि नीतीश कुमार की मुहिम अभी अधूरी है। जब तक भाजपा विरोधी छोटे-बड़े सभी राजनीतिक दल एक साझा मंच पर एकत्रित नहीं होंगे तब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हरा पाना संभव नहीं होगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने अगले लोकसभा चुनाव में कई प्रदेशों में चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। वहीं बसपा प्रमुख मायावती ने भी अकेले ही चुनाव लड़ने की बात कही है। ओडिशा में बीजू जनता दल, तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी का आज भी पूरा प्रभाव नजर आ रहा है। ऐसे में 15 दलों का यह गठबंधन कैसे मुकाबला कर पाएगा। चुनाव में भाजपा के साथ इनको अन्य विपक्षी राजनीतिक दलों का भी मुकाबला करने पड़ेगा। जिससे विपक्ष की एकता कमजोर होगी।

पटना की मीटिंग में जिस तरह से नेताओं ने हाथ मिलाते हुए फोटो खिंचवाई है। यदि उसी तरह से उनके दिल भी मिल जाये तभी विपक्षी एकता सार्थक होगी। वरना तो भाजपा को हरा पाना मुश्किल ही होगा। क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने करीबन 23 करोड़ वोट लेकर 303 सीटे जीती थी। वहीं इन 15 दलों ने भी उतने ही वोट लेकर 142 सीट ही जीत पाये थे। बराबर वोट लेकर भी आधी से भी कम सीटे जीतने का मुख्य कारण था विपक्षी वोटो का आपस में ही लड़कर बिखर जाना। इसी लिये विपक्षी वोटो का संगठित होना बहुत जरूरी है।

रसगुल्ले की जड़

प्रेरक-प्रसंग

मध्य पूर्वी देश से एक ईरानी शेख व्यापारी महाराज कृष्णदेव राय का अतिथि बन कर आता है। महाराज अपने अतिथि का सत्कार बड़े भव्य तरीके से करते हैं और उसके अच्छे खाने और रहने का प्रबंध करते हैं, और साथ ही कई अन्य सुविधाएं भी प्रदान करते हैं।

एक दिन भोजन पर महाराज का रसोइया शेख व्यापारी के लिए रसगुल्ले बना कर लता है। व्यापारी कहता है कि उसे रसगुल्ले नहीं खाने है। पर हो सके तो उन्हे रसगुल्ले की जड़ क्या है यह बताए। रसोइया सोच मे पड़ जाता है। और अवसर आने पर महाराज कृष्णदेव राय को व्यापारी की मांग बताता है। महाराज रसगुल्ले की जड़ पकड़ने के लिए अपने चतुर मंत्री तेनालीराम को बुलाते हैं।

तेनालीराम झट से रसगुल्ले की जड़ खोजने की चुनौती का प्रस्ताव स्वीकार कर लेते हैं। वह एक खाली कटोरे और धार दार छूरि की मांग करते हैं और महाराज से एक दिन का समय मांगते हैं।

अगले दिन रसगुल्ले की जड़ के टुकड़ो से भरे कटोरे को, मलमल से ढके कपड़े मे ला कर राज दरबार में बैठे ईरानी शेख व्यापारी को देते हैं और उसे कपड़ा हटा कर रसगुल्ले की जड़ देखने को कहते हैं। ईरानी व्यापारी कटोरे में गन्ने के टुकड़े देख कर हैरान हो जाता है। और सारे दरबारी तथा महाराज कृष्णदेव राय, तेनालीराम से पूछते है के यह क्या है? चतुर तेनालीराम समझाते हैं के हर एक मिठाई शक्कर से बनती है और शक्कर का स्रोत गन्ना होता है। इस लिए रसगुल्ले की जड़ गन्ना है। तेनालीराम के इस गणित से सारे दरबारी, ईरानी व्यापारी और महाराज कृष्णदेव राय प्रफ़ुलित हो कर हंस पड़ते हैं। और तेनालीराम के तर्क से सहमत भी होते हैं।

नजरिया

सिविल सेवाएं राज्य और समाज के बीच संपर्क पुल

नीति निर्माण और नीति कार्यान्वयन के क्षेत्र में सिविल सेवकों की भूमिका विकास प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण है। वे प्रमुख नीति क्षेत्रों की पहचान करने में सहायता करते हैं जैसे प्रमुख नीति प्रस्ताव तैयार करना, तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता वाली सामाजिक समस्याओं के विभिन्न विकल्पों और समाधानों का विश्लेषण करना, प्रमुख नीतियों को उप-नीतियों में विभाजित करना, कार्रवाई के कार्यक्रम का निर्धारण करना और मौजूदा नीति के आधार पर संशोधन का सुझाव देना। वे मुख्य मुद्दों की पहचान करने के लिए प्रासंगिक डेटा और जानकारी के संग्रह में संलग्न हैं। आवश्यक जानकारी का प्रकार, एकत्र की गई जानकारी में सार की सीमा और जानकारी को आत्मसात करना सिविल सेवकों का कार्य है। फिर वे नीति प्रस्तावों को प्रमाणित करने के लिए प्रासंगिक डेटा प्रदान करने के मामले में सरकार की सहायता करते हैं। अपनी विशाल प्रशासनिक विशेषज्ञता और सिविल सेवाओं की क्षमता के कारण, वे देश के सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं और मुद्दों से अवगत हैं। उनके द्वारा अर्जित ज्ञान और अनुभव को सरकार के ह्यथिंक-टैंकह्न की भूमिका निभाते हुए उपयोग में लाया जाता है। सिविल सेवक समस्याओं की प्रकृति और उन्हें उच्च स्तर पर विचार के लिए उठाने की आवश्यकता का सुझाव देकर नीतिगत मुद्दों की पहचान करने में राजनीतिक कार्यपालिका की सहायता करते हैं। सिविल सेवा नीति निर्माण के लिए उठाए गए मुद्दे की जांच करने में संलग्न है, यह इसकी व्यवहार्यता, भविष्य की संभावनाओं, उपलब्ध संसाधनों, स्वीकार्यता आदि को ध्यान में रखते हुए नीति प्रस्तावों को तैयार और पुनः तैयार करती है। संविधान के प्रावधानों, संसद द्वारा बनाए गए कानूनों और अन्य मौजूदा नियमों और विनियमों के संबंध में नीति प्रस्तावों का विश्लेषण करना भी सिविल सेवाओं की जिम्मेदारी है। इस प्रकार सिविल सेवाएं ठोस एवं प्रभावी नीतियाँ बनाने में सहायता करती हैं।

डॉ सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

अपनी विशाल प्रशासनिक विशेषज्ञता और सिविल सेवाओं की क्षमता के कारण, वे देश के सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं और मुद्दों से अवगत हैं।

सिविल सेवक सरकार के कानूनों और नीतियों को लागू करने के लिए जिम्मेदार हैं। यह कानूनों को लागू करके समाज में लोगों के व्यवहार को नियंत्रित करता है। सरकार के आदर्श और उद्देश्य बहुत लोकप्रिय हो सकते हैं, राष्ट्रीय विकास की योजनाएं अत्यंत प्रगतिशील हो सकती हैं और देश के संसाधन प्रचुर हो सकते हैं, लेकिन नागरिक सेवाओं के बिना बहुत कुछ हासिल नहीं किया जा सकता है। एक कुशल सिविल सेवा बबार्दी से बच सकती है, त्रुटियों को ठीक कर सकती है, कानूनों और सार्वजनिक नीतियों को लागू करते समय अक्षमता या गैरजिम्मेदारी के परिणामों को सीमित कर सकती है।

शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार आदि क्षेत्रों में सही विकासात्मक लक्ष्य और प्राथमिकताएं निर्धारित करना, राष्ट्र के विकास और आधुनिकीकरण के लिए रणनीतियों और कार्यक्रमों का निर्माण और कार्यान्वयन जैसे, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर योजनाओं का निर्माण। नए प्रशासनिक संगठनों का निर्माण और विकासात्मक उद्देश्यों के लिए मौजूदा संगठनों की क्षमता में सुधार करना।

कृषि को विकसित करने के लिए, सिविल सेवकों को भूमि, जल संसाधन, वन, आर्द्रभूमि और बंजर भूमि विकास जैसे सामुदायिक संसाधनों का उचित प्रबंधन करना होगा। जैसे देवास के जिला कलेक्टर उमाकांत उमराव ने 16,000 से अधिक तालाबों का निर्माण करके मध्य प्रदेश में किसानों को सूखे से लड़ने में मदद की।

जानकारी

केम्प्टी फॉल्स

यह जगह फीशिंग यानि मछली पकड़ने और तैराकी के लिए भी जानी जाती है। केम्प्टी फॉल्स मसूरी उत्तराखंड एक उल्लेखनीय दृश्य प्रस्तुत करता है क्योंकि लगभग 50 फीट की ऊंचाई से गिरता हुआ पानी पांच झरने से नीचे की ओर गिरता है। केम्प्टी में दो मुख्य झरने हैं जो पानी के बड़े ताल में गिरते हैं जो पहाड़ की धारा के क्रिस्टल साफ पानी में खेलने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं। निचला झरना बहुत लोकप्रिय है और बड़ी भीड़ को आकर्षित करता है जबकि ऊपरी अपेक्षाकृत शांत है।फॉल्स मुख्य सड़क के करीब हैं और पहला झरना मुख्य सड़क से लगभग 5-10 मिनट की पैदल दूरी पर है। दूसरा झरना मुख्य मार्ग पहले जलप्रपात से आगे पैदल या सड़क मार्ग से पहुंचा जा सकता है। पर्यटक दूसरे फॉल्स से नीचे उतर कर फॉल्स के अन्य कैस्केडिंग भागों तक भी पहुंच सकते हैं। .. ..जारी।

Blackview Active 8 Pro लॉन्च

नई दिल्ली: टैबलेट मार्केट में एक चौंकाने वाला प्रोडक्ट लॉन्च हुआ है। ब्लैकव्यू (इ्"प्रीं६) नाम की कंपनी Blackview Active 8 Pro टैबलेट लाई है, जिसमें 22 हजार एमएएच की बैटरी है। इस ब्रैंड ने मार्च महीने में भी Blackview Tab 16 नाम से टैब पेश किया था। 22 हजारX mA बैटरी वाले नए टैब की एक ओर खूबी है कि यह रगड टैबलेट है, जिसका मतलब है जल्दी टूटता-फूटता नहीं और विषम परिस्थितियों में स्मूद फंक्शनिंग करता है।

Blackview Active 8 Pro की कीमत और उपलब्धता

Blackview Active 8 Pro का प्रमोशनल पीरियड 10 से 14 जुलाई तक होगा। तब इसे 239.99 डॉलर लगभग 19,691 रुपये की शुरूआती कीमत में खरीदा जा सकेगा। हालांकि कंपनी वर्ल्डवाइड शिपिंग का दावा करती है और जब हमने Blackview Active 8 Pro के लिंक पर क्लिक किया, तब aliexpress पर इसकी कीमत 33,669 रुपये दिखाई दी। कंपनी ने कहा है कि वह पहले 200 कस्टमर्स को ब्लूटूथ कीबोर्ड फ्री देगी।

Blackview Active 8 Pro के स्पेसिफिकेशंस

Blackview Active 8 Pro में 10.36 इंच का 2.4K आईपीएस डिस्प्ले है, जिसमें 2,000 x 1,200 पिक्सल रेजॉलूशन मिलता है। इस टैब में हरमन कार्डन का क्वाड-स्पीकर सिस्टम दिया गया है। टैब के दो तरफ स्पीकर फिट किए गए हैं, ताकि अच्छा साउंड जनरेट हो।

Blackview Active 8 Pro में मीडियाटेक का हीलियो G99 प्रोसेसर है। इसे 8GB रैम और 256GB इंटरनल स्टोरेज का सपोर्ट है। स्टोरेज को एसडी कार्ड के जरिए 1 टीबी तक बढ़ाया जा सकता है। इसे वाईफाई के अलावा 4जी सिम से भी कनेक्ट किया जा सकता है। कंपनी ने ओटीजी, एनएफसी के अलावा एफएम रेडियो की पेशकश की है, जो टैबलेट में आमतौर पर नहीं होगा।

साइबर दुनिया

टॉप ट्वीट

"ईद-अल-अधा का त्योहार त्याग, विश्वास और क्षमा के महान मूल्यों का प्रतीक है। खुशी के इस अवसर पर, आइए हम सभी भाईचारे के बंधन को मजबूत करने और एक शातिपूर्ण, सामंजस्यपूर्ण और प्रगतिशील समाज का निर्माण करने का दृढ़ संकल्प लें। ईद मुबारक।" श्री गांधी ने कहा "ईद मुबारक। यह शुभ अवसर सभी के लिए शांति, समृद्धि और खुशहाली लाए।"

मल्लिकार्जुन खडगे
कांग्रेस अध्यक्ष

"आपको क्या लगता है मैं ऋतिक रौशन को फिल्म में क्या बुलाती हूं? सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही फिल्म 'फाइटर, 25 जनवरी 2024 को रिलीज होगी। 'फाइटर' में अनिल कपूर की भी अहम भूमिका है।"

दीपिका पादुकोण
बॉलीवुड अभिनेत्री

संपादक के नाम पत्र

गन्ने का मूल्य की वृद्धि से किसान सहमत नही

केंद्र सरकार ने गन्ने के एफआरपी में प्रति क्विंटल 10 रुपए की बढ़ोतरी करने के बाद किसान सहमत नजर नही आ रहे है।केंद्र सरकार ने 2023-24 की एफआरपी में बढ़ोतरी कर 315 रुपए कर दिया है।लेकिन किसान इस मूल्य वृद्धि से सहमत नही है।इस मूल्यवृद्धि से पांच लाख किसानों को फायदा होगा।गन्ने का न्यूनतम मूल्य 210 रुपये प्रति क्विंटल था।केंद्र राज्यो को प्रोत्साहित करेगा कि वे रासायनिक उर्वरकों को बढ़ावा दे।लेकिन नोयडा प्राधिकरण के मसले पर अब किसान उग्र हुए है।किसानों को अब चार गुना मुआवजा की मांग को लेकर सड़को पर उतर आए है।किसी भी कीमत पर समझौता नही करेंगे।इस मुद्दे को रास्ट्रीय किसान यूनियन के अध्यक्ष राकेश टिकैत ट्रेक्टर चलाकर किसानों के प्रदर्शन में पहुंचे।उन्होंने किसानों के हौसले को पंख देकर किसानों के साथ खड़े नजर आए।देश मे अनेक राज्यो में विधानसभा चुनाव है और 2024 में लोकसभा चुनाव है।इस को ध्यान में रखकर किसानों को दिए जाने वाले फायदे और मूल्यवृद्धि को ऊंट के मुह में जीरा वाली कहावत चरितार्थ होती दिखाई दे रही है।किसानों के आंदोलन को हवा देने राकेश टिकैत ने एफआरपी में किये मूल्यवृद्धि को नाकाफी माना जा रहा है।पुराना मुद्दा उठाकर नोयडा प्राधिकरण के इस मसले को चुनाव के दरमियान भुनाना जा रहा है।जिसका कोई औचित्य नही है।सरकार आई और गई।सभी ने वादे कर किसानों के हितैषी होने का भ्रम पाला गया।लेकिन किसानों के साथ सरकार खड़ी नही रहकर सौतेला व्यवहार किया गया।आज इस चिंगारी ने बड़ा स्वरूप धारण कर लिया है।40 साल पुरानी आबादी को ध्वस्त कर दिया गया।हाईकोर्ट ने किसानों की याचिका को खारिज कर दिया गया था।किसान 1100 वर्गमीटर के मुआवजे का चार गुना रकम की मांग को लेकर सड़क पर उतरे है।उधर एफआरपी में सरकार के द्वारा तय किया गया मूल्य किसानों को भुगतान करने के लिए बाध्य है।लेकिन राज्य समर्थित मूल्य भी तय किया जाता है।इन जटिलताओं को कम कर सरकार आंकलन कर किसानों के हित मे फैसला दे,जिससे किसान खुशहाल जीवन यापन कर सके।

कांतिलाल मांडोत

स्वस्तिक मीडिया वेंचर्स प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक और प्रकाशक रजत कुमार गुप्ता द्वारा वृंदा मीडिया पब्लिकेशन्स प्रा.लि., चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची से मुद्रित और एचआई 254, हरमू बाईपास रोड, हरमू हाउसिंग कालोनी, रांची से प्रकाशित। सम्पादक - रजत कुमार गुप्ता
RNI No- JHAHIN/ 2008/ 26373, email-rastriyakhabarhn@gmail.com, www.rashtriyakhabar.com, Phone No. 0651-2244605, 2244505

शहर ›› अपडेट

मारपीट करने को लेकर बड़कागांव थाना में दी गई आवेदन

बड़कागांव : बड़कागांव थाना क्षेत्र के ग्राम सिकरी टोला चोलिया दोहर निवासी सिटनी देवी पति खेमलाल महतो ने बड़कागांव थाने में आवेदन देकर भीम गिरी पिता भीखू गिरी, गुडिया देवी पति भीम गिरी, भिखू गिरी पिता स्व. विशुन गिरी, गंगिया देवी पति भीखू गिरी,मिथिलेश गिरी,बॉबी गिरी, मनीष गिरी, तीनों के पिता भीम गिरी माला देवी पिता भीखू गिरी इन सभी लोगों पर आरोप लगाते हुए कहा है।

सिटी अपडेट्स ››

बच्चा लापता

पीरटांड़ : पीरटांड़ थाना क्षेत्र के कुम्हरलालो पंचायत अंतर्गत दुबेडीह गाँव मे संचालित एक प्राइवेट कोचिंग सेंटर से एक बच्चा लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। इसकी जानकारी पीरटांड़ थाना को बच्चे की माता ने अवेदन देकर की है। थाना प्रभारी ने बताया कि दुबेडीह में संचालित किड्स केयर कोचिंग सेंटर से दो दिन से एक बच्चा लापता है। जिसकी खोजबीन की जा रही है।लापता बच्चे का नाम सुमित हांसदा पिता सुरेश हांसदा है जो मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के तिगोजोरी पोस्ट सेनादोनी का रहनेवाला है। आवेदन में बताया गया कि 25 जून को बच्चा कोचिंग सेंटर आया था जहां बो रहकर पढ़ाई करता था वहीं उसके अगले दिन कोचिंग से बताया गया कि बच्चा कोचिंग सेंटर में नही है। इसके बाद से बच्चे की खोजबीन लगातार की जा रही है।फिलहाल परिजन बच्चे की खोज में लगे हुए हैं।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

प्रसूति की शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया हजारीबाग हुआ अंतिम संस्कार

बड़कागांव : बड़कागांव बुधवार को तलासवर पंचायत अंतर्गत टिकरी टाँड़ निवासी विनोद साहू की पत्नी 27 वर्षीय प्रसूति पुष्पा ने पलांडू उप स्वास्थ्य केंद्र में एक सुंदर सी बच्ची को जन्म दिया। इलाज के दौरान हुई प्रसूति पुष्पा की मौत को लेकर मृतक के ससुर जितन साहू के द्वारा थाने में आवेदन देकर स्वास्थ्य कर्मियों पर लापरवाही बरतने का गंभीर आरोप लगाया है। मृतक के मायके एवं ससुराल पक्ष आपसी मनमुटाव के कारण बुधवार देर शाम तक शव का अंतिम संस्कार नहीं किया जा सका था। जिसके कारण हालात को देखते हुए परिजनों ने पुलिस से शव की पोस्टमार्टम कराने के लिए अपनी सहमति व्यक्त की। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए टिकरी टाँड़ गांव पहुंचकर बुधवार रात्रि 9:30 बजे शव को अपने कब्जे में लिया और शव को थाना ले लाई। दूसरे दिन गुरुवार सुबह 8:00 बजे पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया गया। मृतक के ससुर जितन साहू ने आवेदन में लिखा है कि इलाज के दौरान डॉक्टर नहीं था। उपस्थित नर्स प्रमिला देवी पति विकास कुमार एवं गीता देवी के द्वारा पैसे की मांग करने लगे। पैसे नहीं दिए जाने के कारण गलत तरीके से ऑपरेशन कर दिया गया। ऑपरेशन के दौरान नस काट दिया गया और उसकी हत्या कर दी गई।घटना की जानकारी प्राप्त होने के पश्चात बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद ने टिकरीटाँड़ गांव पहुंचकर इलाज के दौरान महिला की मौत पर गहरा दुख व्यक्त की एवं नवजात बच्चे को गोद में लिया तथा परिवार वालों को ढाढस बंधाया। मृतक के परिजन को डीसी मिलकर से मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया।मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बीएन प्रसाद ने बताया कि सिविल सर्जन के बनाई गई जांच टीम के द्वारा मामले की शीघ्र जांच कराई जाएगी।वही थाना प्रभारी विनोद तिर्की ने बताया कि लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, ोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार है। मामले को पुलिस गंभीरता से ली है।

सम्मेलन

सांसद व पूर्व विधायक ने गिनाई उपलब्धियां

भाजपा के विशाल सम्मेलन में उमड़ा जनसमूह

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग : हजारीबाग भाजपा निःस्वार्थ भाव से सेवा करती है राज्य के सत्ताधारी दल मेवा खाने का कार्य कर रही है। नौ वर्षो में पक्का घर, निःशुल्क गैस चूल्हा, घर घर पानी देंगे। बुनियादी सुवधियो बढ़ी है। चार करोड़ पक्का अनाज, करोड़ों को कोरोना टीकाकरण किया गया। लाभ की राजनीति किया लोभ की राजनीति नही की। यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी ने देश के विकास के लिए काफी काम किये हैं। कहा कि लोकसभा क्षेत्र में 17 सौ आँगबाड़ी केंद्र में 600 सौ का सुंदरीकरण का कार्य हमने किया। 436 भवन का निर्माण कर बच्चों का भविष्य गढ़ने का कार्य कर रहे है।उच्च विद्यालयों का चाहरदीवारी और कम्प्यूटर व्यावस्था करवा रहे है। मोदी जी के दूरदर्शी सोच का परिणाम है कि जिला खनिज मद की राशि जिला से जिले का सर्वांगिण विकास हो रहा है। यह राज्य की नहीं केंद्र सरकार की राशि है। ?मोदी जी ने वंदे भारत ट्रेन देकर हम सबको गौरवान्वित किया। हमारी कोशिश जारी है। जल्द ही बरही में ठहराव होगा मेरा वादा रहा।

जल्द इंटरसिटी का परिचालन होगा। गिरिडीह से रांची तक इंटरसिटी का परिचालन शुरू होगा

पूर्व विधायक मनोज यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने हर घर के विकास की रुपरेखा रची है। हर हर मोदी, घर घर मोदी का नारा हर घर में उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए जनकल्याण कारी कामों से सिद्ध हो रहा है। कहा कि सांसद जयंत सिन्हा 2024 में भी रिकार्ड मतों से जीत हासिल करेंगे। उन्होंने बरही विधानसभा में जारी भ्रष्टाचार पर चुटकी लेते हुए कहा कि यहां के अंचल और प्रखंड में जमकर कमीशन खोरी हो रही है। कमीशन आधा अधिकारी कर्मचारी लेते हैं और आधा चतरा मोड जाता है। उन्होंने समारोह में बरसात के बावजूद लोगों के आने विशेषकर महिलाओं के आने पर धन्यवाद अर्पित किया। संचालन मुकुंद साहु, अध्यक्षता मुकेश सिन्हा ने किया। बैठक में जिला अशोक यादव, महामंत्री सुनील साहु,उपाध्यक्ष राजेश सहाय, रमेश ठाकुर, रामस्वरूप पासवान, जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, सदस्य राकेश रंजन, आरती कौशल, प्रीति गुप्ता, मुखिया संघ अध्यक्ष बीरेंद्र रजक, मुखिया प्रतिनिधि राजदेव यादव, मुखिया अर्जुन सिंह, मुखिया मंटु सिंह, पप्पू कुमार, शौकत खान, संतोष सिंह, सुखदेव पासवान, चंदवारा से मंडल अध्यक्ष द्वारिका यादव, जिप प्रतिनिधि लक्ष्मण यादव, सांसद प्रतिनिधि चंद्रभूषण साहु, पदमा से मंडल बाबुलाल मेहता, सांसद प्रतिनिधि अजय मेहता, नारायण यादव, बरही से मुखिया संघ अध्यक्ष बिजय यादव, मुखिया खीरु यादव समेत बडी संख्या में लोग मौजूद थे।

सम्मेलन में उमड़ा जनसमूह और नेतागण

- केंद्र विकास का कार्य कर रही और राज्य सरकार विनास का कार्य कर रही है : जयन्त सिन्हा
- डोर टू डोर जंनसंपर्क से भाजपा पर लोगों का विश्वास बढ़ रहा है : मनोज यादव

भाजपा ने चलाया मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम

राष्ट्रीय खबर

पीरटांड़: पीरटांड़ प्रखंड के मधुबन में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 साल बेमिसाल कार्यक्रम के तहत मेरा बूथ सबसे मजबूत के लिए सम्पर्क से समर्थन को लेकर जनसम्पर्क अभियान चलाया गया। जनसम्पर्क कार्यक्रम के बाद भाजपा प्रखण्ड कमिटि की एक कामकाजी बैठक मधुबन गेस्ट हाउस में आयोजित की गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा प्रखंड अध्यक्ष अजय सिंह ने की। जबकि कायक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में गिरिडीह के पूर्व विधायक निर्भय कुमार शाहाबादी,ओबीसी मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता विनय कुमार सिंह उपस्थित हुए।जनसम्पर्क अभियान के तहत पूर्व विधायक ने मधुबन पंचायत स्थित कोरिया बस्ती मे जनसंपर्क कर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को जनता के समक्ष रखा। उन्हों सबों से कहा कि 2024 में फिर से भाजपा को भारी बहुमत से जितना है और नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में अपना समर्थन देना है।

परिवर्तन की राडार पर है इस बार बरकट्ठा विधानसभा

20 वर्षों से चाचा भतीजा के खेल को समझ चुकी है जनता : गौतम

- जनता दोनों को पूर्ण रूप से नकार चुकी है
- 2024 में विधानसभा क्षेत्र में बदलाव के असार दिख रहा है

राष्ट्रीय खबर

इचाक : बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के भावी विधायक प्रत्यासी गौतम कुमार ने चाचा भतीजा पर तंज कसते हुए कहा की 20 वर्षों से बरकट्ठा विधानसभा की राजनीति चाचा भतीजा के खेल में सिमट कर रह गयी।पुरे विधानसभा क्षेत्र बरकट्ठा, जयनगर,चलकुसा, इचाक,टाटीझरिया ,दारू व चंदवारा प्रखंड के तमाम जनता चाचा भतीजा की गंदी राजनीति से ऊब चुकी है। 20 वर्षों से एक ही परिवार के बीच सिमटी हुई राजनीति से तंग आकर इस बार जनता का मुंड 2024 में विधानसभा क्षेत्र में बदलाव के असार दिख रहा।गौतम कुमार ने कहा कि 20 वर्षों की राजनीति में दोनों कोई करोड़ो करोड़ो की संपत्ति बनाने में अपना समय बर्बाद किया है। दोनों ने जनता को एक न सुनी। चाचा ने फर्जी प्रोफेसर की डिग्री दिखाकर कफन के नाम पर वोट मांगा और अपना करोड़ो की तिजोरी भरकर ठंडे बस्ती में चले गए वही भतीजा वर्तमान विधायक अमित कुमार यादव कभी बाँझेडीह पवार प्लांट में सेटिंग कर कमाऊ पर उतर आते तो कभी अपना नाकामयाबी का ठीकरा सरकार पर थोपती।

वर्तमान विधायक की राजनीति का खेल कुछ चंद दलालों के बीच सिमट कर रह गया है।चाचा भतीजा की गंदी राजनीति जनता को समझ मे आ गयी। भले ही पैसे के दम पर बड़े पार्टियों से टिकट की दावेदारी पेश करेंगे लेकिन जनता दोनों को पूर्ण रूप से नकार चुकी है।इस बार चाचा भतीजा नाय चलतो गौतम कुमार के लावे पड़तौ का नारा बरकट्ठा विधानसभा के तमाम जनता के मुख से निकल रहा।

हजारीबाग में मनाया गया 17वां राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग : हजारीबाग सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (क्षेत्र संकार्य प्रभाग) उप क्षेत्रीय कार्यालय हजारीबाग में 17वें राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सांख्यिकी के जनक प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की प्रतिमा में माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर मंटू कुमार सिंह शामिल हुए। इससे पूर्व मुख्य अतिथि को कार्यालय के वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी के०वी० शेखर एवं जयदेव कुमार ने संयुक्त रूप से पुष्पगुच्छ एवं खादी का रुमाल देकर सम्मानित कर स्वागत व अभिनंदन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत कार्यालय के कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी नेमीचंद कुमार के स्वागत भाषण द्वारा किया गया। कार्यालय के कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी सर्वेक्षण पर्यवेक्षक, सर्वेक्षण प्रगणक आदि के द्वारा बारी बारी से सांख्यिकी का महत्व, सांख्यिकी के जनक प्रो० प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जीवनी, महालनोबिस दूरी सूत्र, द्वितीय पंचवर्षीय योजना का महालनोविस मॉडल पर आधारित होना, सतत विकास लक्ष्य 2030 के 17 लक्ष्य- गरीबी के सभी रूपों की पूरे विश्व से समाप्ति, भूख की समाप्ति, खाद्य सुरक्षा और बेहतर पोषण और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा, सभी आयु के लोगों में स्वास्थ्य सुरक्षा और स्वस्थ जीवन को बढ़ावा, समावेशी और न्याय संगत गुणवत्ता युक्त शिक्षा सुनिश्चित करना, सतत औद्योगिकीकरण को बढ़ावा, लैंगिक समानता प्राप्त करने के साथ ही महिलाओं और लड़कियों को सशक्त करना आदि मानकों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी जयदेव कुमार ने कहा कि देश के विकास में आंकड़ों का बहुत बड़ा महत्व है। इसे पूरे देश मे लागू कराने का श्रेय सांख्यिकी के जनक प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस को जाता है। कोलकाता स्थित भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना महालनोबिस के द्वारा आजादी के पूर्व 1931-32 में ही कर दी गई थी। वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी के०वी० शेखर ने विभागीय सर्वेक्षण जैसे समाजार्थिक सर्वेक्षण, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण अवगीकृत क्षेत्रों के उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण, नगरीय ढांचा सर्वेक्षण के बारे बताया तथा कहा कि भारत सरकार ने औद्योगिकीकरण का बढ़ावा द्वितीय पंचवर्षीय योजना में महालनोविस मॉडल को लागू करने के साथ ही शुरूआत कर दिया था।

पुलिस ने हरली से देशी कट्टा के साथ युवक को किया गिरफ्तार , भेजा जेल

राष्ट्रीय खबर

बड़कागांव : बडकागांव पुलिस ने बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर थाना बड़कागांव क्षेत्र हरली महावीर मंदिर के पास से एक युवक को हथियार के साथ किया गिरफ्तार । कार्रवाई करते हुए आरोपी को जेल भेज दिया गया है। मामले को लेकर थाना प्रभारी विनोद तिर्की ने बताया कि 30 वर्षीय गिरफ्तार पवन कुमार पिता बालेश्वर महतो हरली निवासी है। हरली महावीर मंदिर के आसपास के लोगों के द्वारा बड़कागांव में पुलिस को सूचना दी गई, कि एक युवक हथियार निकाल कर बाहर लहरा रहा है। एवं आसपास के लोगों को डरा धमका रहा है। जिसके बाद बड़कागांव थाना गस्ती के टीम हरली गांव गई। जिसके बाद पुलिस आता देख अभियुक्त आरोपी देखकर भागने लगा। जिसके बाद पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ा। तथा तलाशी के दौरान गिरफ्तार अभियुक्त के पास से एक देसी कट्टा बरामद किया गया। जिसे विधिवत जब्ती सूची तैयार कर जप्त किया गया। इस संबंध में बड़कागांव थाना कांड संख्या 209/23 धारा 25 /26 आमर्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। छापेमारी में एसआई राम आशीष कुमार यादव एवं पुलिस के सशस्त्र बल शामिल थें। बताया जाता है कि पवन मोटरसाइकिल से कोयला का कारोबार करता है लगभग ढाई महीना पहले उत्तर प्रदेश के बरेली से 2500 रुपया में कट्टा खरीदा था। हमेशा शराब के नशे में लोगों को डराया धमकाया करता था अगर यह युवक पुलिस की गिरफ्त में नहीं आता तो कोई बड़ी घटना को अंजाम दे सकता था।

त्यौहार

प्रशासन की रही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

धूमधाम से मनाया गया ईद उल अजहा

राष्ट्रीय खबर

- त्यौहार को लेकर सुबह से ही मुस्लिम धर्मावलंबियों में खुशी का माहौल था
- कई मस्जिदों में अलग-अलग समय पर नमाज अदा की गई

चरही : चरही देश दुनिया में गुरुवार को ईद उल अजहा का त्यौहार यानी कि बकरीद का त्यौहार बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पैगंबर इब्राहिम की सुन्नत को अदा करते हुए इस त्यौहार को मुस्लिम धर्मावलंबियों ने हर्षोल्लास के साथ मनाया। ईद उल अजहा को बकरीद त्यौहार के रूप में भी जाना जाता है। त्यौहार को लेकर सुबह से ही मुस्लिम धर्मावलंबियों में खुशी का माहौल था। वही मौसम भी सुहाना था। जिसके बाद मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा बड़ी संख्या में मस्जिद पहुंचकर ईद उल अजहा की नमाज अदा की गई। चुरचू प्रखंड के विभिन्न गांव जैसे, करीमगंज, पिपरा, कजरी, इंदरा, जरबा सहित क ई मस्जिदों में अलग-अलग समय पर नमाज अदा की गई। सुबह से ही मुस्लिम धर्मावलंबी नए पोशाक पहनकर मस्जिदों की ओर जाते दिखे। आपको बता दें; की ईद उल फितर के दो माह के बाद ईद उल अजहा का त्यौहार मनाया जाता है। इस्लामिक मान्यताओं के अनुसार इस्लाम के पैगंबर हजरत इब्राहिम 80 साल की उम्र में पिता बने थे उनके बेटे का नाम इस्माइल था। इस्माइल से पिता हजरत इब्राहिम को बहुत ज्यादा प्यार था।अल्लाह ने एक दिन हजरत इब्राहिम से सपने में उनकी सबसे प्रिय चीज की कुबार्नी मांगी,हजरत इब्राहिम अपने बेटे इस्माइल से बहुत प्यार करते थे। लिहाजा उन्होंने अपने बेटे की कुबार्नी देने का फैसला किया। अल्लाह का हुक्म मनाते हुए हजरत इब्राहिम ने जैसे ही अपने बेटे की गर्दन पर छुरी चलाई,अल्लाह ने उससे बचाकर बकरे की कुबार्नी दिलवा दी,तभी से इस्लाम धर्म में बकरीद मनाने का प्रचलन शुरू हो गया, बकरीद हजरत इब्राहिम की कुबार्नी की याद में ही मनाया जाता है। हजरत इब्राहिम अल्लाह के हुक्म पर अपनी वफादारी दिखाने के लिए बेटे इस्माइल की कुबार्नी देने को तैयार हुए थे। बकरीद का पर्व इस्लाम के पांचवें अरकान हज को भी मान्यता मिलता है। तभी से यह परंपरा आज भी ईद उल अजहा का त्योहार पैगंबर इब्राहिम की सुन्नत को याद करने के लिए मनाया जाता है। वही नमाज के बाद सभी मस्जिदों में देश में अमन चयन भाईचारगी तथा देश की उन्नति और विकास के लिए दुआएं की गई।

न्यूज फटाफट

प्रखंड कार्यालय सभागार में पंचायत समिति सदस्यों की बैठक संपन्न

इचाक : इचाक पंचायत समिति की मासिक बैठक प्रमुख पार्वती देवी के अध्यक्षता में बुधवार को हुई। प्रखंड सभागार में हुई बैठक का संचालन संजय कुमार ने किया।बैठक में विकास योजनाओं तथा गरीब कल्याण से संबंधित कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। जिसमे चोरी गए पंजी टू कोर्ट से रिलीज कराकर वापस लाने में अंचलाधिकारी के टालमटोल रवैए पर सदन ने नाराजगी जाहिर किया। साथ ही एलपीसी और दाखिल खारिज में विलंब तथा कमीशन खोरी पर विराम लगाने पर सदन में बहस बाजी हुई। उप स्वास्थ्य केंद्र सिजुआ में उपस्कर उपलब्ध कराने, सीएचसी में 247 डॉक्टरों की उपलब्धता, जर्जर बिजली तार को बदलने तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति, जाम से बचने के लिए बाजार में स्टैंड का स्थान निर्धारित करने, जन वितरण व्यवस्था सुदृढ़ करने, मनरेगा पीएम आवास और विकास योजनाओं में कमीशन खोरी पर रोक लगाने, अधिकारियों और कर्मचारियों को योजनाओं का निरीक्षण करने, वृद्धा विधवा और दिव्यांग पेंशन के लंबित आवेदनों का निष्पादन, जल नल योजना के तहत ग्रामीणों को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने पर जोर दिया। सदन में प्रखंड और अंचल कर्मियों को मुख्यालय में न रहने पर क्षोभ व्यक्त किया। बैठक में उपप्रमुख सतेंद्र कुमार, बीडीओ रिंकू कुमारी, सीओ मनोज कुमार महथा, सांसद प्रतिनिधि भागवत मेहता, पंचायत समिति के सदस्य संतोष मेहता, मुकेश उपाध्याय, केदार मेहता, प्रदीप मेहता, रिंकी देवी, प्रियंका कुमारी, मनोहर कुशवाहा रेनू देवी शकुंतला देवी, लीलावती देवी, डाढ़ा मुखिया सुनीता देवी, बीपीओ राजीव आनंद, एमओ राजेश कुमार ,पीएचडी इंजीनियर अनुप राय, कनिया अभियंता और सभी पंचायत समिति सदस्यों ने भाग लिया।

अलोंजा कला में ग्रामीणों ने जंगली नील गाय को पकड़कर वन विभाग को सौंपा

इचाक : इचाक थाना क्षेत्र अलोंजा कला में ग्रामीणों ने जंगली नील गाय को पकड़कर वन विभाग को सौंपा। मुखिया संघ के अध्यक्ष सह पंचायत के मुखिया सकेंद्र मेहता ने कहां की गांव से सटे जंगल होने के कारण अपने साथियों से बिछड़ कर गांव आ गया और बालेश्वर मेहता पिता छकोडी मेहता के घर में घुस गया। हो हल्ला करने पर ग्रामीणों ने पकड़ कर घर मे बंध दिया। बांधने के बाद ग्रामीणों ने श्री मुखिया को फोन किया। मुखिया ने तत्परता दिखाते हुए वन विभाग को फोन कर जंगली पशु को सौंप दिया। इससे पहले जंगली जानवर लकड़बग्घा ने चार वर्ष पूर्व महिला को हमला कर दिया था और महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। पुनः दूसरी घटना एक माह पूर्व महिला को हमला कर घायल दिया था। इससे और घातक पशु गांव आते जाते रहता है इस बात को लेकर ग्रामीण दहशत में है।

इचाक में शांति पूर्ण बकरीद सम्पन्न

इचाक : इचाक प्रखण्ड में मुस्लिम धर्मावलाम्बियों का त्योहार बकरीद शांति पूर्ण सम्पन्न हुवा। प्रखण्ड के सभी गांवों में अपने अपने नजदीकी मस्जिदों में सुबह सात बजे से नमाज के लिए लोग इकट्ठा होने लगे थे। मुख्य रूप से दर्जी मुहल्ला स्थित बड़ी मस्जिद, छोटी मस्जिद, गौसिया मस्जिद गोवरबन्दा, मंगुरा, रैन मुहल्ला, दरिया, बोंगा, डुमरौंन, मदनपुर, लुन्दरू, देवकुली, मनाय समेत सभी मस्जिदों में व्यवस्थित तरीके से आठ बजे सामूहिक नमाज के बाद लोगो ने अपने अपने घरों में कुबार्नी देकर बकरीद मनाया। परंपरा के अनुसार असहाय लोगो के बीच सुरक्षित तरीके से मांस वितरण किया और एक दूसरे को सुभकामनाये दी। वहीं दरिया में सदर मनिरुद्दीन अंसारी और सफीक अंसारी के नेतृत्व में परम्परागत तरीके से साम्प्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देते हुए दोनो समुदाय के लोगो ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी। शांति व्यवस्था को लेकर प्रशिक्षु आईपीएस कुमार शिवाशिष, थाना प्रभारी धनंजय कुमार, बीडीओ रिंकू कुमारी पुलिस दल बल के साथ क्षेत्र में भ्रमण करते देखा गया।

मनिषा इलेक्ट्रॉनिक्स व सैनिटरी का दुकान का हुआ उद्घाटन

इचाक : इचाक प्रखंड के करियातपुर चौक के पास मनिसा एलेक्ट्रिनिक्स व सैनिटरी का दुकान का उद्घाटन बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के भावी युवा प्रत्यासी गौतम कुमार ने फीता काटकर किया। दुकान के प्रोपराइटर ओमप्रकाश मेहता ने कहा कि इस दुकान में सभी प्रकार के एलेक्ट्रिनिक्स व सैनिटरी का सेल व सर्विस उचित दामों पर दिया जाएगा। साथ ही दुकान में शादी विवाह के लिए फ्रीज, गोदरेज, पलंग, पंखा इत्यादि सभी सामान सस्ते दामों पर उपलब्ध है। गौतम कुमार ने कहा कि इस क्षेत्र में यह दुकान नए रूप से शुरूआत किया गया ताकि लोगो को सस्ते और सुविधाजनक रूप से सामान मिल सके।

बरही में शांतिपूर्ण तरीके से मनाई गई ईद उल अजहा की त्योहार लोगों ने एक दूसरे को दीया बधाई

बरही : बरही गुरुवार को बरही सहित अनुमंडल अंतर्गत ग्रामीण इलाकों में शांतिपूर्ण तरीके से ईद उल अजहा का त्योहार हार मनाया गया। बरही में ईद उल अजहा की नमाज सबसे पहले सुबह 6 बजे बरही ईदगाह में अदा की गयी। उसके बाद बरही मदीना मस्जिद में सुबह 6:30 बजे, बरही मक्का मस्जिद में सुबह 7:00 बजे अंत में बरही जमा मस्जिद में सुबह 8 :00 बजे नमाज अदा की गयी।नमाज के बाद सभी ने मिलकर देश की अमन चैन की दुआ मांगी उसके बाद गले मिलकर एक दुसरे को ईद उल अजहा की मुबारकबाद दिया। वहीं बरही जमा मस्जिद के पेश इमाम मुशर्रफ फुल कादरी ने लोगों से मुखातिब होकर कहा के ईद उल अजहा पैगंबर इब्राहिम साहब के त्याग और बलिदान की याद में मनाई जाती है आगे उन्होंने कहा इस कुबार्नी में अमीर गरीब सबको एक नजर से देखा जाता है। इसमें समानता का पाठ है, कुबार्नी में गरीबों को विशेष रुप से ध्यान रखा जाता है। वही बरही प्रखंड के ग्राम गरजामु डुमरियाडीह में 7:30 बजे सुबह ईद उल अजहा का नमाज अदा किया गया। उसके बाद एक दूसरे को ईद मुबारक बाद देते हुए सभी से गला मिला गया। अल्प संख्यक कल्याण महा समिति अध्यक्ष मो0 कैयूम ने क्षेत्र में घूम - घूम कर बकरीद मुबारक बाद दिया। इस कार्यक्रम में अल्प संख्यक कल्याण महा समिति अध्यक्ष मो कैयूम, गुलाम अजहर, मंजूर अंसारी फारुक अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय ख़बर प्रदेश
हमारी नज़र
web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rashtriyakhabar.com

प्रदेश >> अपडेट

अकीदत के साथ अदा की गई ईद-उल-अजहा

पलामू: छतरपुर प्रखंड क्षेत्र में हर्षउल्लास के साथ अदा की गई ईद-उल-जोहा की नमाज अदा करने से पहले जामा मस्जिद के इमाम मौलाना जुनैद मिस्बाही ने कहा कि ईद-उल-जोहा की नमाज अदब के साथ पढ़े नमाज अदा करने के बाद अपने छतरपुर प्रखंड के साथ-साथ मुल्क के तरक्की,भाईचारगी,खुशहाली के लिए दुवाएँ की गई ।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स >>

बारिश से मौसम हुआ सुहाना लोगों को मिली गर्मी से राहत

पाकुड़ : मानसून प्रवेश के साथ ही जिले भर में पिछले 24 घंटों से रुक रुक कर हो रही छमा छम वर्षा से किसानों के मुरझाए चेहरे में रौनक की झलक साफ देखी जा रही है। इस समय वे उत्साह में हैं और कृषि कार्य में जुट गए हैं, और बुवाई की तैयारी पर लगे हैं।भगवान की शुक्रिया अदा कर रहे हैं। गुरुवार को भी जिले भर में कहीं कम कहीं अधिक झमाझम बारिश हुई है । यह किसानों के लिए वरदान से कम नहीं है ।किसान इसे संजीवनी मान रहे हैं। इस बारिश से बर्बाद होने के कगार पर पहुंची जूट की फसल में जान आने की पूरी संभावना है। बारिश होने से फिलहाल किसान खुश हैं किंतु दूसरी तरफ वह डर भी रहे हैं कि कहीं यह वर्षा आगे चलकर कम ना हो जाए । आगे यदि जरूरत के समय वृष्टि नहीं हुई तो उसकी चिंताएं उन्हें सता रही है। क्योंकि झारखंड में सिंचाई के कोई व्यापक व्यवस्था नहीं है। फिलहाल उनकी चेहरे में चमक है और अगहनी धान की खेती के लिए तैयारी में जुट गए हैं। किसानों का मानना है कि देर से ही सही अगहनी धान के लिए यह बारिश अमृत है, और अच्छी पैदावार के संकेत हैं।

संक्षिप्त >> अपडेट्स

मारपीट कर 50 हजार रुपया लूटने का मामला हुआ दर्ज

पाकुड़ : थाना क्षेत्र के बलियाडांगाल शहरी गांव निवासी कुलेश सिंह के साथ गांव के लिए दो व्यक्ति के द्वारा मारपीट कर 50 हजार रुपये छीन लेने का मामला प्रकाश में आया है। घटना के बाद गुरुवार को जख्मी व्यक्ति अपने स्वजनों के साथ महेशपुर थाना पहुंचा जहां से उसे प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेशपुर भेजा गया। जहां डॉ. अंजनी कुमार भगत ने स्वास्थ्य कर्मी अजय कुमार के साथ जख्मी व्यक्ति कुलेश सिंह का प्राथमिक उपचार किया। उसके मुंह में लगी चोट तथा सीने एवं पूरे बदन में काफी दर्द होने की शिकायत पर उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी देते हुए जख्मी व्यक्ति कुलेश सिंह ने बताया कि वह एक प्राइवेट कंपनी का वाहन चालक है। आसनसोल एवं दुगार्पुर रोड में वह वाहन चलाता है। बीते 28 जून को वह अपना काम से छुट्टी एवं 50 हजार रुपये तनख्वाह लेकर गांव के ही दो व्यक्ति विनोद सिंह एवं संजय सिंह के साथ वापस घर आ रहा था। रात करीब 9:30 बजे दुमका के चोटूनाथ चौक पहुंचे थे। जहां कुलेश सिंह नाश्ता करने के लिए दुकान चला गया था। उसके बाद दोनों व्यक्ति विनोद सिंह एवं संजय सिंह शराब पीने लगा। कुछ देर बाद दोनों ने शराब के नशे में कुलेश सिंह को अपने पास बुलाया एवं बगल में आने का बात कहने लगा। इसी दौरान दोनों व्यक्ति ने उसके साथ लाठी डंडे से मारपीट करने लगा तथा रुपया मांगने लगा। रुपया नहीं देने पर दोनों व्यक्ति ने उसके साथ जान मारने की नियत से मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी करते हुए रुपया ले लिया। और उसे मरा हुआ समझकर छोड़ कर भाग गया। कुलेश सिंह ने बताया कि जब उसे होश आया तो उसका रुपया उसके पास नहीं है।

उपलब्धि

उनके नाम से थर्राता था पूरा अपराध जगत

शानदार और बेदाग पारी खेलकर सेवानिवृत्त हो रहे अरविंद पांडेय

दीपक नौरंगी

भागलपुर: उत्तर प्रदेश के निवासी आइपीएस अधिकारी अरविंद पांडे ने करीब तीन दशक तक बिहार और झारखंड को अपनी सेवा दी। एसपी कार्य से ही चर्चा में आए अरविंद पांडे पुलिस महानिदेशक के रूप में भी चर्चा में बने रहे। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जहां कहीं से भी उनका तबादला होता है जनता सड़क पर उतर आती। अरविंद पांडे मित्रों के लिए मित्र थे तो अपराधियों के लिए दुश्मन। जानकारी के अनुसार रांची में कई पदों पर रहते हुए उन्होंने कई अपराधियों से लोहा लिया और उन्हें मुख्य मार्ग पर आने को मजबूर किया। रांची में उनके योगदान के वक्त अपराधियों का बोलबाला था। उनकी निरंतर सक्रियता की वजह से यह खौफ कम हुआ जबकि मारे जाने के डर से कई अपराधी शहर छोड़कर चले गये। हालांकि इस दौरान पांडे को सत्ता के करीब रहने वाले अपराधियों से थोड़ा बहुत नुकसान भी हुआ, लेकिन वह अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहे। नामी-गिरामी नेता भी उन पर गलत काम करने का दबाव डालने से परहेज करते थे।

अपनी सुरक्षा का प्रवाह किए बिना वे लोगों की सुरक्षा के लिए खतरे से भी खेलने में बाज नहीं आते थे। साहबगंज में एसपी के पद पर पोस्टिंग के दौरान एक बहुचर्चित लता बलात्कार कांड हुआ था। श्री पांडे ने पुलिस पदाधिकारी रहते हुए अपनी संवेदनशील भावना को सामने रखकर पीड़ित परिवारों को मदद की। इस दौरान साहबगंज के प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों के बीच मतभेद उत्पन्न हो गया। तत्कालीन डीसी आलोक वर्धन चतुवेर्दी के लाख विरोध के बावजूद अरविंद पांडे कानूनी कार्रवाई करने में पीछे नहीं हटे। फिर उन्हें बिहार के सबसे अशांत जिला खगड़िया में तैनात किया गया। उस वक्त खगड़िया में अपराधियों के कई गिरोह सक्रिय थे। किसानों को अपने खेतों पर चढ़ना मुश्किल था। अपराधी जो चाहते थे, वही होता था। अरविंद पांडे के एसपी बनते ही खगड़िया में स्थिति बदलने लगी। लोगों का भरोसा जो कानून से उठ गया था, फिर से कायम होने लगा। इस दौरान कुछ अपराधी मुठभेड़ में मारे भी गए। आईपीएस अरविंद पांडे के बारे में यह बात आईएएस और आईपीएस में कमरे में काफी चर्चा में रहती है कि अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया बिहार में सीनियर आईपीएस अधिकारी में अरविंद पांडे की कार्यशैली भी बिहार के कई आईपीएस अधिकारी को याद रहेगी।

अरविंद पांडे की सबसे बड़ी खासियत यह है कि कानून की नजर में चाहे बड़ा व्यक्ति हो या छोटा, उन्हें किए गए अपराध की सजा हर हाल में मिले। अरविंद पांडे जब सहरसा में एसपी के रूप में तैनात किए गए तब वहां के कलेक्टर चोंग्थू हुआ करते थे, चोंग्थू ने राबड़ी की तरह हथियार के लाइसेंस को सहरसा में बांट दिया था। एसपी रहते हुए अरविंद पांडे ने इसकी जांच करवाई और मुकदमा दर्ज करवाया। वे भले ही आज सेवानिवृत्त हो रहे हैं, लेकिन आज भी सहरसा न्यायालय में यह मुकदमा जीवित है।

बाद में उन्हें डीआइजी, आइजी बनाया गया। आर्थिक अपराध इकाई में एसपी रहते हुए भी उन्होंने कई भ्रष्टाचार के मामलों को उजागर किया था। डालडा घोटाला, केरोसिन तेल की कालाबाजारी पर उन्होंने पूरी तरह नकेल कस दी थी। कमजोर वर्ग में भी उनकी तैनाती डीआइजी के पद पर की गई। यहां भी उन्होंने कानून के दायरे में रहकर कई लोगों के कुकृत को समाप्त करवाया और सजा दिलवाई। फिलहाल वे सिविल डिफेंस के महानिदेशक के पद पर तैनात थे। उन्हें संगीत से भी दोहरा लगा था। इंटरनेट मीडिया पर भी वे बहुत एक्टिव रहते हैं।

- दोस्तों के दोस्त और अपराधियों के दुश्मन थे अरविंद पांडे
- रांची में ही लोकप्रियता के शिखर को प्राप्त कर लिया था
- सहरसा के डीएम के खिलाफ भी दर्ज की प्राथमिकी

न्यूज फटाफट

अपराधिक घटनाओं के मद्देनजर पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा गश्त : थाना प्रभारी

पलामू : वरीय अधिकारियों के निर्देश पर बीते मंगलवार को पिपरा थाना क्षेत्र अन्तर्गत शिवालय कंपनी के चपरवार स्थित एनएच 98 फोर लेन निर्माण के वर्किंग साइट पर गोली कांड जैसे अपराधिक घटना को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा गश्त बढ़ा दी है। यह जानकारी पुनि सह थाना प्रभारी सुदामा कुमार दास ने पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि शिवालया कंपनी के चल रहे सभी वर्किंग साइट पर कड़ी निगरानी के लिए विजीवल और हिडेन सीसीटीवी कैमरा भी लगा दिए गए हैं। जिसकी कंट्रोलिंग अनुमंडल के सभी थानों एवं अनुमंडल कार्यालय के द्वारा की जाएगी। उन्होंने बताया कि अब वर्किंग साइट पर चौबीसो घंटे पुलिस द्वारा निगरानी करते हुए हर गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाएगी। ताकि फोर लेन निर्माण कार्य में लगे सभी कर्मी निर्भीक होकर शान्त माहौल में कार्य कर सके।

धूमधाम से मनाया गया ईद उल अजहा

लातेहार : मनिका प्रखंड मुख्यालय स्थित नामुदाग पंचायत स्थित दिन गुरुवार को जामा मस्जिद ईद उल अजहा की नमाज मौलाना मुस्ताक रजा के द्वारा 7:30 मे पढ़ाया गया। मुख्य रूप से उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र किंडो व नामुदाग पंचायत के मुखिया दिनेश सिंह उपस्थित थे। वही प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र किंडो ने कहा कि प्यार और बलिदान का महापर्व बकरीद पूरे मनिका क्षेत्र में मनाया जा रहा है उन्होंने कहा आपसी सौहार्द एवं भाईचारा से रहने का संदेश दिया। मनिका पूरे प्रखंड वासियों को बकरीद पर्व का बधाई दिया। इस मौके पर लोगों ने विभिन्न ईदगाहों मे मस्जिदों मे बकरीद की नमाज अदा कर अल्लाह को खुश करने के लिए अपने पशुओं की बलि दी। पूरे प्रखंड क्षेत्र में ईदगाह में लोगों ने नमाज अदा की मुस्लिम भाइयों ने एक दूसरे को गले लग कर बकरीद की बधाई दी।वही दिनेश सिंह मुखिया ने अपने पंचायत वासियों को बकरीद की बधाई दी उन्होंने कहा मुसलमान भाइयों के संपूर्ण एवं बलिदान का त्यौहार है। अपने पंचायत के लोगों से गले मिलकर आपसी भाईचारा बनाकर रखने की बात कही। वहीं विकास प्रखंड पदाधिकारी वीरेंद्र किंडो एवं एसआई मांझी, एसआई मनोज दुबे, पुलिस बल के द्वारा मस्जिदों की चौकीसी व्यवस्था की गई थी। मौके मस्जिद का सदर हसीब आलम, सिगरेटरी इनामुल हक, सदर कौशल साहब, कासिम साहब, येनुल हक, सफीक, सगीर, आबिद, सलेमान, मोजिम, तोपिक, तमाम मुस्लिम समुदाय के लोग एक दूसरे को बकरीद की बधाई।

कमलेश तीन माह बाद मंगलुरू में अपने परिवार से मिला

मेदिनीनगर : पलामू का एक व्यक्ति जो मंगलुरु में काम करने आया था, लापता हो गया और मानसिक रूप से बीमार होकर घूम रहा था। उसे व्हाइट डव्स (पुनर्वास संस्थान) संगठन द्वारा बचाया गया और ठीक किया गया और उसके परिवार को सौंप दिया गया।शख्स का नाम कमलेश राम (30) है। वो पलामू का रहने वाला है। वह मंगलुरु में पूंजा इंटरनेशनल होटल में काम करता था। काम के दौरान यानी मार्च 2023 में कमलेश अचानक लापता हो गए। होटल के प्रबंधन ने कमलेश राम के लापता होने के संबंध में शहर के बंदर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। होटल प्रबंधन और परिवार वालों ने कई जगह उसकी तलाश की, लेकिन युवक नहीं मिला।31 मार्च, 2023 को, मंगलुरु में जरूरतमंदों की सेवा करने वाले एक सेवा संगठन, व्हाइट डव्स के कर्मचारियों को मानसिक बीमारी के लक्षणों वाले एक व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली, जो कंपाउंड जंपिंग कर रहा था। संस्था की कोरिना रस्किना ने जब वहां गया तो वहां पुलिस मौजूद थी। व्हाइट डव्स संगठन ने उस व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती करने का अनुरोध किया, उसके दोनों पैरों में दर्द था, बाद में उसे संस्था में लाकर इलाज कराया गया।तीन महीने के इलाज के बाद ठीक हुए युवक के बारे में जानकारी मिलने पर उसके रेस्क्यू के दौरान मिले मोबाइल फोन के सिम को ठीक कराया गया और उसके जरिए उसकी पत्नी से संपर्क किया गया। पत्नी, जो अपने पति के बिना एक छोटे बच्चे के साथ बोरियत में दिन बिता रही थी, अपने पति के मंगलुरु में होने क जानकारी सुनकर बच्चे, अपने पति के बड़े भाई और पत्नी के साथ मंगलुरु आ गया।मंगलुरु के व्हाइट डव्स इंस्टीट्यूट में आए कमलेश राम का परिवार कमलेश को देखकर भावुक हो गया। अपने पति को कई जरूरतमंद लोगों के साथ बैठा देखकर पत्नी वहां आई और उनके चरणों में झुक गई। यह देख कर कमलेश राम और उनका परिवार भावुक हो गया। जब परिवार दोबारा मिला तो परिवार का प्यार देखकर एक पल के लिए हर किसी की आंखों में आंसू आ गए।इस बारे में बात करते हुए व्हाइट डव्स की संस्थापक कोरिना रस्किन ने कहा कि जब कमलेश राम को हमारे पास लाया गया था, तो उनके पैर में चोटें थीं और शराब की लत के कारण वह मानसिक रूप से बीमार थे। हमारे द्वारा इलाज और ठीक होने के बाद हमें उनके परिवार के बारे में जानकारी मिली और उनके परिवार से संपर्क किया। कमलेश राम को उनके परिवार के साथ झारखंड भेजा गया। व्हाइट डव्स द्वारा किसी परिवार को फिर से मिलाने का यह 415वां मामला है।

कैंप लगाकर ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की मांग

पलामू : जिले के हरिहरगंज और पिपरा प्रखंड क्षेत्र के सैंकड़ों बेरोजगार युवाओं ने प्रखंड मुख्यालय पर कैंप लगाकर ड्राइवरी लाइसेंस निर्गत करने की मांग की है इस संबंध में उनका कहना है कि जिला मुख्यालय से हरिहरगंज और पिपरा की दूरी 70 किलोमीटर होने और लाइसेंस बनाने में खर्च की अधिकता के कारण ज्यादातर युवक बगैर लाइसेंस के ही बाइक , ऑटो सहित अन्य छोटे छोटे वाहन चलाने को विवश है । इस दौरान उन्हें कभी कभार वाहन चेकिंग के दौरान पकड़े जाने और कार्रवाई का भय बना रहता है। इसे देखते हुए कई बेरोजगार युवाओं ने प्रशासन से प्रखंड स्तर पर कैंप लगाकर बाइक , ऑटो और अन्य वाहनों का ड्राइवरी लाइसेंस बनाने की गुहार लगाई है। इससे न केवल एक साथ कई परेशानियां दूर होंगी बल्कि इसके लिए जिला मुख्यालय का चक्कर भी नही लगाना पड़ेगा। साथ ही खर्च की अधिकता से मुक्ति भी मिल जायेगी।

हत्या मामले में तीन आरोपी को भेजा जेल

महेशपुर : थाना क्षेत्र अंतर्गत बासमती गांव में बीते 28 मई को विश्वजीत गोराई की हुई हत्या के मामले में पुलिस ने तीनों नामजद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तार बीरू मंडल तथा उसके पुत्र देव मंडल को महेशपुर पुलिस ने रिमांड में लेकर पुछताछ किया था। पुछताछ के क्रम में दोनों के निशानदेही पर आमड़ापाड़ा-महुआडंगाल पुल के नीचे से हत्या में प्रयुक्त चाकू और हंसुवा को महेशपुर पुलिस ने विगत 27 जून को बरामद कर लिया है। थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि रिमांड पर लिए गए।

कंस्ट्रक्शन साइड पर फायरिंग मामले में तीन अज्ञात के खिलाफ एफआईआर

राष्ट्रीय खबर

मेदिनीनगर: नेशनल हाइवे 98 की फोरलेन कंस्ट्रक्शन कंपनी शिवालया पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है. घटना में ठेकेदार शिवजी दास के पैर में गोली लग गयी थी, घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी बाइक से फरार हो गए थे. जानकारी मिलने के बाद पलामू एसपी चंदन कुमार सिन्हा, अजय कुमार समेत बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे थे और मामले की छानबीन शुरू की थी।जख्मी ठेकेदार शिवजी दास के बयान के आधार पर अज्ञात तीन अपराधियों खिलाफ पिपरा थाना में एफआईआर दर्ज की गयी है. पुलिस की स्पेशल टीम हमला करने वाले अपराधियों के खिलाफ कई इलाकों में छापेमारी कर रही है. इस छापेमारी में पलामू पुलिस की आधा दर्जन से भी अधिक थानों की टीम शामिल है।दरअसल, मई के पहले सप्ताह में शिवालया कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अंकित गोयल के मोबाइल पर कॉल और व्हाट्सएप मैसेज के माध्यम से धमकी दी गई थी और रंगदारी की मांग की गई थी. इस संबंध में कंपनी के मैनेजर संजय कादियान ने अज्ञात अपराधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी. संजय कादियान हरियाणा के रोहतक के रहने वाले हैं। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस की जांच में इस बात का खुलासा हुआ था कि जिस नंबर से प्रोजेक्ट डायरेक्टर को रंगदारी और धमकी भरा कॉल मैसेज किया था वह नेपाल का है. एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह सुजीत सिन्हा गिरोह से जुड़ा हुआ मामला लगता है. पुलिस सभी तरह के गिरोहों के खिलाफ अभियान चला रही है. हमले में शामिल अपराधियों को चिन्हित किया जा रहा है ।

साढ़े तीन हजार संदिग्ध सिम ब्लॉक किये

बिहार में साइबर अपराध रोकने की दिशा में ईओयू की नई पहल

- साढ़े चार हजार और नंबर भी बांद होंगे
- सिम बेचने वालों को भी हिदायत दी गयी
- किसी न किसी मामले में नंबर आया था

राष्ट्रीय खबर

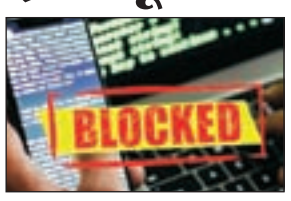

पटना: अब भुवनेश्वर के बाद बिहार में भी फर्जी पहचान पर सीम कार्ड लेने पर कड़ाई की गयी है। यहां सक्रिय साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने साढ़े तीन हजार संदिग्ध सिम कार्ड ब्लॉक करा दिए हैं। ये सिम कार्ड ठगी, ऑनलाइन ठगी समेत अन्य अपराध में इस्तेमाल किए गए थे। केंद्रीय दूरसंचार मंत्रालय से विशेष अनुरोध कर सिम कार्ड सेवा प्रदाता कंपनियों के जरिए स्थायी तौर पर उन्हें बंद करवाया गया है। इससे पहले उड़ीसा से भी ऐसा मामला सामने आया था। वहां पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों के साथ मोबाइल सिम का ओटीपी शेयर करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। उसके बाद से ही पूरे देश में इस किस्म की सतर्कता बरती जा रही थी। उड़ीसा के मामले में संदेह है कि पाकिस्तान की जासूसी एजेंसियों के लोग भारतीय मोबाइल नंबरों से अपना काम चला रहे हैं। वैसे दूसरों के नाम पर खरीदी गयी सिम के इस मामले की जांच अभी चल रही है। ओडिशा पुलिस के एसटीएफ ने नयागढ़ और जाजपुर जिलों से तीन लोगों को पहले से सक्रिय सिम कार्ड खरीदने और कथित तौर पर पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों के साथ वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया। एसटीएफ सूत्रों ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान 35 वर्षीय पठानी सामंत लेंका के रूप में हुई है, जो एक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में शिक्षक के रूप में काम करता है। दो अन्य लोग हैं 26 वर्षीय सरोज कुमार नायक और 19 वर्षीय सौम्या पटनायक। गलत मकसद से भारत के मोबाइल नंबरों का उपयोग किया जाता है।

सतर्क रहकर चोरी की वारदात को रोकने में होंगे सफल: पुलिस अधीक्षक

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: शहर में हो रही आए दिन लगातार चोरी एवं वैमनस्यता के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक पाकुड़ के कार्यालय कक्ष में मिलकर शहर में बढ़ रहे वारदातों के संबंध में पुलिस अधीक्षक हृदीप पीड्ड जनार्दनन का ध्यान आकृष्ट कराया। मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार विमल, पुलिस उपाधीक्षक(मुड्ड) बैजनाथ प्रसाद मौजूद थे।प्रतिनिधिमंडल में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य अनुग्राहित प्रसाद साह,निवर्तमान नगर परिषद अध्यक्ष सम्पा साहा, भाजपा नगर अध्यक्ष पंकज कुमार साह, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिकेत गोस्वामी, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री राजा अंसारी, नगर उपाध्यक्ष पिंका पटेल, पूर्व नगर महामंत्री पवन भगत, सुशील साहा, पुरुषोत्तम राय सहित पीड़ित परिवार के सदस्यगण भी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक से लगातार चोरी की घटनाओं के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए शहर के सभी मोहल्लों में पुलिस गश्ती बढ़ाते हुए सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की। बताया गया कि शहर मे चोरी की घटना में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। इससे लोग काफी डरे और सहमे हैं। पीड़िता उर्मिला भगत ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष रोते हुए अपनी सुबह से ईदगाहों में जुटनी शुरू हो गई थी। जबकि ईदगाहों में घोषणा के बाद बकरीद की नमाज शुरू हुई। चेंगाडांगा स्थित ईदगाह में इमाम मुफ्ती मजीबुर रहमान मजहारी ने ईद-उल-अजहा का नमाज अदा कराई। मुस्लिम धर्मावलंबियों ने नमाज अदा कर अल्लाह से रहमतों की बारिश व देश में अमन व शांति की दुआएं मांगी। बाद में एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाई दी।

ईद उल अजहा धूमधाम से मनाया गया

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़ : त्याग और बलिदान का त्योहार ईद उल अजहा जिला मुख्यालय सहित जिले भर के ईदगाह व मस्जिदों में धूमधाम से मनाया गया।शहर के तांतीपाड़ा ईदगाह, हरिणडांगा मस्जिद, ताजिया चौक, हाटपाडा, चेंगाडांगा, सितापहाड़ी, इलामी, संग्रामपुर, चांचकी, अंजना, भवानीपुर, चांदपुर, रहसपुर सहित सभी ईदगाहों व मस्जिदों में नमाज अदा की गई। नमाजियों की भीड़

प्रदर्शन

सहिया के नाम को बदनाम कर लोग सदर अस्पताल में दलाली कर रहे हैं

मांगों को लेकर सीएस कार्यालय के समक्ष सहियाओं ने किया प्रदर्शन

- सदर अस्पताल में हरेक वार्ड का शौचालय साफ सुथरा रहना चाहिए

राष्ट्रीय खबर

मेदिनीनगर: बुधवार को सदर प्रखंड के सभी स्वास्थ्य सहिया सीएस कार्यालय में धरना प्रदर्शन की। सहियाओ का मांग था की सदर अस्पताल में सभी प्रकार कि बिमारीयों का दवा उपलब्ध कराया जाये। सदर अस्पताल में हरेक वार्ड का शौचालय साफ सुथरा रहना चाहिए, एवं एक शौचालय 17 और

10 नंबर काउन्टर के पास भी होना चाहिए ताकि जो महिला इलाज के लिए पुर्जा कटकाने आती है उन्हे सुविधा मिले) अस्पताल के हेल्थ मैप सेंटर में अल्ट्रासाउंड सप्ताह में सिर्फ एक दिन होता है,उसे प्रतिदिन होना चाहिए एवं 24 घंटे खुला रहना चाहिए। ताकि मरीजों को सुविधा मिल सके और अल्ट्रासाउंड के लिए इधर-उधर न भटकना पड़े।सारी बातों को सुनते हुए सीएस के प्रभार में डॉ अनील श्रीवास्तव ने कहा कि एक शिकायत पेटी लगवा दिया जा रहा है, किसी पेशेन्ट का पुर्जा बाहर जाता है तो उस पेशेन्टर का नाम एवं रजिस्ट्रेशन नंबर एवं निजि दवाखाना का रसिद के साथ शिकायत पेटी में डाल देने को कहा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सहिया अपने क्षेत्र के लाभुक को सदर अस्पताल में प्रसव करवा कर एवं इलाज करवा कर सभी सरकारी सुविधा उपलब्ध करवा कर लाभुक को उसके घर तक पहुंचा दे। वही मौके पर उपस्थित सहिया रजनी सिन्हा ने कहा कि सहिया के नाम को बदनाम कर जो लोग सदर अस्पताल मे दलाली कर रहे हैं उनको अब सहियाँ पकड़ कर अफसरों तक, ले जाएगी। क्योंकि 2002 से सहिया कार्य कर रही है।उस समय कोई मांनदेय नहीं था तब सहिया दलाली नहीं की आज सहिया दलाल हो गई। सहिया के कारण लाभूक को लाभ मिल रहा है और दलालो के पेट पर लात पड़ रहा है तो सारे को सहिया को दलाल बता रहे है।

शहर ›› अपडेट

जहर खाने से किशोरी की मौत

कोडरमा: जिले के सतगावां प्रखंड के खुट्टा निवासी 16 वर्षीया किशोरी की जहर खाने के बाद सदर अस्पताल कोडरमा में इलाज के क्रम में मौत हो गई। मृतका की पहचान अंजली कुमारी पिता दशरथ मिस्त्री के रूप में हुई है। मृतका इंटर की छात्रा थी। जानकारी के अनुसार बुधवार की शाम घरेलू विवाद में किशोरी ने गुस्से में आकर जहर का सेवन कर लिया।

सिटी अपडेट्स ››

मरकच्चो में ईद उल अजहा मनाया गया

मरकच्चो: प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में मुस्लिम धर्मावलम्बियों का त्याग व बलिदान का पवित्र त्योहार ईद उल अजहा (बकरीद) गुरुवार को अमन व शांति के साथ संपन्न हो गया। बकरीद को लेकर सुबह से लोग तैयारियों में जुट गए। बच्चों में खासकर उत्साह देखने को मिला। नए कपड़े में सजे बच्चे खूब इठला रहे थे। ईद को लेकर बच्चों ने खास तैयारियां की थी। ईद पर मिले उपहार की खुशियां दूसरों से बताने में मशगूल थे।समय पर लोगों ने मस्जिदों व ईदगाहों में पहुंच गए। प्रखंड मुख्यालय मरकच्चो समेत दशारो, पपलो, शाहगंज, कर्बला नगर, मंझला नगर, देवीपुर, दरदाही, नावाडीह 1, खरखार, ताराटांड़, महूँगाय, विंडोमोह, महुआटांड़, मुरकमनाय खेशमी समेत कई मुस्लिम बहुल इलाकों में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने ईद उल अजहा की नमाज पढ़ी।मौके पर लोगों ने देश में अमन, भाईचारगी और मुल्क की तरक्की के लिए दुआ मांगी। नमाज के उपरांत सभी मुस्लिम भाई ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद उल अजहा की मुबारकबाद दी। इसके बाद लोगों ने अपने अपने घरों में बकरे की कुबार्नी दी।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

अखड़ा उन्नयन व संवर्द्धन कार्यक्रम में पारंपरिक सांस्कृतिक क्षय को रोकने पर जोर

गुमला: पालकोट प्रखंड के अंतर्गत दुर्गा मंदिर में पालकोट गढ़ परंपरा को लेकर अखड़ा उन्नयन एवं संवर्द्धन कार्यक्रम के जरिए संस्कृति, भाषा और साहित्य के विषय पर कार्यशाला, गोष्ठी के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। झारखंड सरकार सांस्कृतिक मंत्रालय कला संस्कृति खेल कुद युवा कार्य विभाग द्वारा संचालित पालकोट गढ़ परम्परा अखडा उन्नयन एवं सम्वर्द्धन को लेकर झारखंड संस्कार दीप,रांची के कलाकारों एवं स्थानीय कलाकारों के द्वारा तीन दिवसीय रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें मुख्यत: पालकोट कि मुखिया जसिन्ता मिंज,बघिमा पंचायत कि मुखिया जुसफिन टेटे ने सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल पर पहुंच कर कलाकारों और जनता को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंडियों को अपनी अपनी सांस्कृति पर गर्व करना चाहिए और इसे बचानें कि चेष्टा करनी चाहिए। हमारी पुरातन संस्कृति हमारी पहचान है। आधुनिकता कि दौर में हम अपनी अस्मिता को ही ना गवा दे। झारखंड संस्कार दीप रांची तथा सीमा देवी के कार्य को सराहते हुए लोगों को संस्कृति के प्रति सजग रहने की अपील की तथा डीजे बाजा के बढ़ते चलन और पारंपरिक सांस्कृतिक क्षय को अविलंब रोकने का आह्वान किया। वर्तमान समय की स्थिति पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों में सीमा देवी, अनिता देवी, मनी देवी, बांसुरी में लालधारी लोहरा, वादन में नन?द किशोर गोप, शैलवहान भगत, राधेश्याम हांसदा, रामसेवक लोहरा, मसीह जमा, प्रेम शंकर साहू, गणेश साहू इत्यादि लोक कलाकार उपस्थित थे।

उपलब्धि

जो काम सात दशकों में नहीं हुआ वह 9 साल में: अन्नपूर्णा

भाजपा का जनसम्पर्क कार्यक्रम

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: केंद्र में सत्तारूढ़ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न आयोजन कर भाजपा जन जन तक पहुंचने की योजना बना रहीं है। इसके साथ ही केंद्र सरकार द्वारा देश हित में किए गए कार्यों से लोगों को अवगत करा रही है। इसी के तहत गुरुवार को कार्यक्रम संयोजक बेदु साव की देख रेख में मरकच्चो प्रखण्ड के देवीपुर पंचायत स्थित ग्राम डोंगोडीह के साहू धर्मशाला में कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित सम्मेलन में मंच पर उपस्थित वक्ताओं ने आगामी 2024 के चुनाव को लेकर रणनीति बनाते हुए कार्यकताओं में उत्साह भरा। साथ ही झारखण्ड की प्रदेश सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प दिलाया। बतौर मुख्य अतिथि भाजपा के कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी एवं कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंडल अध्यक्ष विजय यादव ने किया। सांसद अन्नपूर्ण देवी ने कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ हैं। भाजपा के 9 साल सेवा, सुशासन औ गरीब कल्याण योजनाओं की जानकारी देते हुए आगे कहा कि महामारी की विषम परिस्थिति में भी केंद्र सरकार ने महामारी नियंत्रण के साथ जनहित योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। इसी का परिणाम है कि गांव स्तर पर केंद्र सरकार की योजनाओं को लाभ बढ़चढ़कर लोगों को मिला। देश के सशक्त नेतृत्व का परिणाम है कि जो कार्य 70 वर्षों में नहीं हो सका वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने 9 सालो में कर दिखाया। विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेंद्र भाई देश का नाम काफी रौशन किया। भाजपा के शासनकाल में राज्य को 20 घंटे बिजली उपलब्ध रहती थी लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार में बिजली को क्या हो गया जो बिजली की स्थिति ऐसी हो गई कि क्षेत्र में 6 से 8 घंटे बिजली मिल पाती है। उन्होंने यह भी बताया कि चोपनाडीह में बिल्डिंग बनकर तैयार है उसमें सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज खोला जाए। ताकि इस क्षेत्र के लोगों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए बाहर जाना ना पड़े। सम्मेलन को जिला अध्यक्ष नितेश चंद्रवंशी, महामंत्री राजकुमार यादव, गोपाल कुमार गुतुल, महेंद्र वर्मा, आकाश वर्मा, बेदू साव, बसंत साव, चंद्रशेखर जोशी आदि ने भी संबोधित किया। मौके पर सुरेंद्र कुमार, सुनील यादव, पवन सिंह, हरि यादव, यमुना यादव, सुरेंद्र यादव, कैलाश प्रसाद यादव, यमुना यादव, सुरेंद्र यादव, श्रीकांत यादव, देवी सिंह यादव, राम लाल यादव, शंभू सिंह, मोहन ठाकुर समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा के जनसंपर्क अभियान को संबोधित करती अन्नपूर्णा देवी।

- भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने 9 सालो में कर दिखाया
- भाजपा के 9 साल सेवा, सुशासन औ गरीब कल्याण योजनाओं की जानकारी देते हुए:अन्नपूर्णा

पुलिस प्रशासन रही जगह-जगह मुस्तैद

जिले में ईद उल अजहा शांति के साथ संपन्न

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: पूरे जिले में ईद उल अजहा यानि बकरीद का योव शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ। इस दौरान कोडरमा के जलवाबाद, असनाबाद, झलपो, भादेडीह समेत अन्य जगहों पर सुबह मस्जिद में नमाज पढ़ी गयी और कई घरों में कुबार्नी दी गयी। कोडरमा स्थित जलवा बाद में नमाज के मौके पर थाना प्रभारी द्वारका राम समेत पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

मुस्लिम धर्मावलंबियों ने बकरीद की नमाज अदा किया

जयनगर में लोगों ने एक दूसरे को दी मुबारकबाद

राष्ट्रीय खबर

जयनगर: प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में ईद उल अजहा संपूर्ण प्रखंड में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। मुस्लिम धर्मावलंबियों ने बकरीद की नमाज अदा किया। तत्पश्चात एक दूसरे को ईद मुबारक की बधाई दिया। ईद उल अजहा नमाज के मौके पर उप प्रमुख राज नारायण सिंह, पूर्व जिप सदस्य पवन सिंह, मुखिया कौशर खान, पूर्व मुखिया शहजाद खान, मोहम्मद मुस्ताक खान, फिरोज हयात खान, मौलाना मुमताज आलम कादरी, रहमत खान, सरकार अहमद, नौशाद आलम, मिसवा उद्दीन, सरफुद्दीन अंसारी, इसहाक अंसारी, अनवर अंसारी, जैनुल अंसारी, शहबाज अंसारी, सरवर खान, मोहसिन खान, निसार खान सहित कई लोगों ने त्यौहार के लेकर एक दूसरे को बधाई दिया।

तत्पश्चात खस्सी की कुबार्नी दी गयी। ज्ञात हो कि अपने प्रेम के प्रतीक को अल्लाह के समक्ष कुर्बान की जाने की परंपरा है। मौके पर एसडीपीओ प्रवीन पुष्कर, प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुणा कुमारी, अंचल अधिकारी ओमप्रकाश बड़ाईक, माइका इंस्पेक्टर निरंजन उरांव, थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार सिन्हा, पुलिस अवर निरीक्षक अमित कुमार, सुनील पासवान, विनीता कुमारी सहित कई पुलिस जवान मौजूद थे।

गोमिया विधानसभी स्तरीय लाभार्थी सम्मेलन में बोल अमर बाउरी

राष्ट्रीय खबर

पेटरवार : पेटरवार प्रखंड अंतर्गत बुंडू पंचायत सचिवालय के सभागार में गुरुवार को भाजपा महाजनसंपर्क अभियान बोकारो जिला के निदेर्शानुसार गोमिया विधानसभा स्तरीय लाभार्थी सम्मेलन किया गया। अध्यक्षता प्रखंड भाजपा अध्यक्ष रवि शंकर जायसवाल ने की। सम्मेलन के मुख्य अतिथि चंदनकियारी के विधायक सह अनुसूचित जाति के प्रदेश अध्यक्ष अमर कुमार बाउरी ने केंद्र की मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि इनके सुशासन में महिलायें घर के चौखट से निकल कर कई क्षेत्रों में अपना योगदान दे कर अपनी मजबूती बढ़ा रही है। आज महिलाएं आर्थिक क्षेत्र में सशक्त हो कर कर्जा देती हैं। सड़क निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में केंद्र सरकार के सराहनीय कार्य हुआ है। विधायक श्री बाउरी ने कहा कि 2024 के चुनाव में एक -एक वोट कमल फूल छाप पर दे कर एक बार फिर केंद्र में मोदी सरकार बनाने का काम करें । आगामी चुनाव 2024 में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए कई टिप्स दिए। इन्होंने राज्य सरकार की जम कर आलोचना की। इसके अलावा सम्मेलन को जिला अध्यक्ष भरत यादव, पूर्व सांसद रविंद्र कुमार पांडेय, संयुक्त बिहार के पूर्व वित्त मंत्री छत्रु राम महतो, लाभार्थी सम्मेलन गोमिया विधानसभा के कार्यक्रम प्रभारी लक्ष्मण कुमार नायक ने संबोधित करते हुए मोदी सरकार की उपलब्धियों पर विहंगम दृष्टि पात किया। मंच संचालन अनिल स्वर्णकार एवं धन्यवाद ज्ञापन पूर्व जिला उपाध्यक्ष सुधीर कुमार सिन्हा ने की । मौके पर जिप अध्यक्ष सुनीता देवी, जिप सदस्य प्रहलाद महतो, जिला महामंत्री जयदेव राय, जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र राज, ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष चितरंजन साव, महिला मोर्चा की चांदना डे, मनोज शर्मा एंव काफी संख्याओं में महिलाएं एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जमीन विवाद में मारपीट, नौ लोग घायल

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: सतगावां थाना क्षेत्र के टेहरो पंचायत स्थित ग्राम बदाल में जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट में दोनों ओर से चार महिला समेत नौ लोगों को घायल होने का मामला प्रकाश में आया है।

जहां एक पक्ष से संजय प्रसाद यादव, सुधीर प्रसाद यादव दोनों के पिता स्वर्गीय विशु महतो, तथा संजय यादव की पत्नी सरिता देवी, सुधीर प्रसाद यादव के पुत्र कैलाश कुमार शामिल है वहीं दूसरे पक्ष से लालू प्रसाद यादव, अरुण प्रसाद यादव, लालू प्रसाद यादव की पत्नी रीना देवी, अरुण प्रसाद यादव की पत्नी लीला देवी, संटू देवी पति नवलेश प्रसाद यादव शामिल हैं। घटना के बाद दोनों पक्ष के लोग थाने पहुंचे जहां थाना के द्वारा सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया।

डॉक्टर आनंद प्रकाश के द्वारा उपचार कर गंभीर रूप से घायल संजय प्रसाद यादव, अरुण प्रसाद यादव, सुधीर प्रसाद यादव तथा लीला देवी को कोडरमा रेफर कर दिया गया। थाना प्रभारी आनंद कुमार साह से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि इस मामले को लेकर दोनों पक्ष से कोई आवेदन नहीं दिया गया है। दोनों पक्ष से थाने में आवेदन देने की तैयारी की जा रही है।

डिग्रेडेशन

पूर्व में अच्छी ग्रेडिंग वाले संस्थानों की ग्रेडिंग भी गिर रही है

अविराम कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षाविदों ने रखा विचार

राष्ट्रीय खबर

- साथ सामाजिक सरोकारों का निर्वहन किस प्रकार करती है
- सेवाकाल में शिक्षक अपनी योग्यता वर्धन हेतु कितना प्रयास करते है

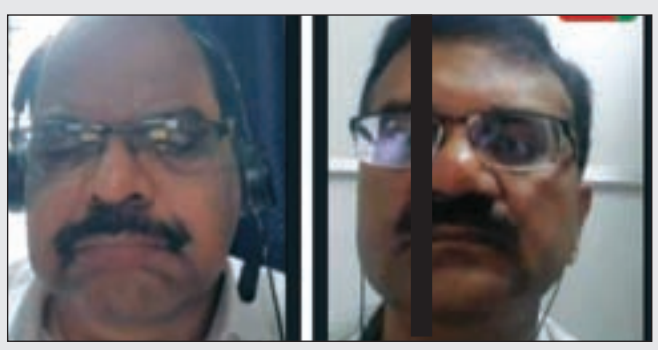

कुडू: अविराम कॉलेज ऑफ एजुकेशन टिको, कुडू, लोहरदगा की आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चितता प्रकोष्ठ के द्वारा सचिव इंद्रजीत कुमार के संरक्षकत्व में दो दिवसीय संकाय अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन नैक एक्रीडिएशन विषय पर आयोजित किया गया जिसमे रांची विश्विद्यालय के पूर्व छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो पीके वर्मा,सेंट जेवियर्स कॉलेज रांची से डॉ वेंकट अप्पा राव और डॉ अचल सिन्हा जो शिक्षा के क्षेत्र में स्वयं हस्ताक्षर है और नैक का व्यापक अनुभव रखते है, द्वारा अपने विचार रखे गए जिसमे नैक के सात क्राइटेरिया पर एक एक कर के पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के द्वारा बताया गया और प्रश्नों का उत्तर भी दिया गया। नैक कराना सभी शिक्षण संस्थानों के लिए अनिवार्य हो गया है और इसमें शिक्षण संस्था की कार्यप्रणाली, आधारभूत संरचना,शोध,नवाचार, शिक्षको के द्वारा पुस्तक प्रकाशन, पेटेंट, शोध पत्र, सेमिनार, आदि में सहभागिता, दिव्यांगो हेतु सुविधाए, छात्रावास,यातायात सुविधा समेत कार्बन उत्सर्जन में न्यूनता के प्रयास, कचरा प्रबंधन, जलसंरक्षण, हरियाली,सामाजिक सरोकार आदि विविध पक्षों का अवलोकन किया जाता है अतः प्रत्येक पक्ष पर कड़ी मेहनत और दस्तावेज का होना आवश्यक है वर्तमान नैक के प्रारूप में यदि कोई भी पक्ष कमजोर है तो अच्छे ग्रेड नहीं मिलेंगे इसी कारण पूर्व में अच्छी ग्रेडिंग वाले संस्थानों की ग्रेडिंग भी गिर रही है।प्राचार्य सह आयोजन सचिव डॉ प्रतिमा त्रिपाठी ने बताया कि नैक का ध्येय केवल यह नहीं है कि शिक्षण संस्थाओं में पढ़ाई की गुणवत्ता देखना अपितु सेवाकाल में शिक्षक अपनी योग्यता वर्धन हेतु कितना प्रयास करते है क्या नवाचार, शोध करते है और छात्रों में इसका विकास कैसे करते है उनका समग्र विकास कैसे करते है, साथ सामाजिक सरोकारों का निर्वहन किस प्रकार करती है आदि की अपेक्षा की जाती है।अभिविन्यास कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले पंकज, रेणुका, ममता, ऋतु, शिव, शशि, चिनीबास, एजॉय, मनु, बिनोद आदि द्वारा इसे अत्यंत उपयोगी बताया गया अपने फीडबैक में और इस विषय को अत्यंत प्रासंगिक बताया गया।कुंदन गिद्ध द्वारा मंच संचालन का कार्य किया गया और कार्यक्रम के अंतिम दिवस सभी शिक्छाविदो का धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई।

न्यूज फटाफट

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम बना जनता के लिये अभिशाप: लाल गुड्डू नाथ

कुडू : आजसु पार्टी के केंद्रीय सचिव लाल गुड्डू नाथ शाहदेव ने वर्तमान सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि पिछले दिनों जो आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम करके जनता की समस्या का समाधान करने जो ढोंग किया था, उसकी अब कलई खुल कर सबके सामने आ गई है। इस कार्यक्रम में लोगों से काम करवा देने के नाम पर जो आवेदन लिया गया और योजनाओं का चयन करवाया गया और यह ढोल पीटा गया कि हमने जनता का इतना भला कर दिया। जब उसके तह पर जाँच किया गया तो पाया गया कि सारी की सारी योजनाएँ फर्जी निकली। कहीं योजनाओं को धरातल पर उतरते हुए नहीं देखा गया। जो योजना पूर्व से चल रही थी उसी को इस कार्यक्रम के नाम पर लिखवा कर वाहवाही लूटी गयी। जाती, आवासीय, आय, भूमि संबंधी, आवास संबंधी सहित सभी समस्याओं में केवल खानापूर्ति ही हुई है। आज सरकार को बताना चाहिए कि आपने इस ढोंगी कार्यक्रम में जो योजनाओं और उपलब्धियों की सूची गिनवाई थी आज उनकी क्या वस्तु स्थिति है। मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि मेरे इस प्रश्न पर सरकार निरुतर होकर रहेगी उनके पास बताने को कुछ नहीं है।

ईद उल अलहा की नमाज अदा की गई

कुडू: सुन्दरू गांव में ईद उल अजहा की नमाज मस्जिद गरीब नवाज में अदा की गई जिसमें सुन्दरू पंचायत के सभी गांव के ग्रामीण उपस्थित हुए। जिसमें मुख्य रूप से हमारे गांव के इमाम मौलाना अहमद रजा मिस्बाही, मौलाना अखसर रजा ,हाफीज अकतर अतारी, सुन्दरू अंजुमन के सरपरस्त जनाब कलीम खान, साहब सदर जनाब असलीम खान, सक्रेटरी जनाब मुख्तार राय, कमेटी के सदस्य जनाब नवाज खान, फजल खान, मिनहाज खान , सलीम खान, जहूर राय, निजाम राय ,निसार साह ,अताउल्ला साह ,कुर्बान राय, असलम खान, अफरोज खान, तोहीद खान रेहान राय शौकत खान मुर्शिद खान अख्तर खान मुमताज खान राजू खान साहिर खान छीलम खान मोबरक खान जाकरूदीन खान सहाबुल नेसार इनामुल अंसारी खलील अंसारी अजमुदीन खान सनीफ अंसारी राजू राय तबारक खान खुर्शीद राय अकबर खान अजमुदीन जफर खान वाहीद राय गुलजार खान समीम साह जाकीर खान सहबुदीन खान जिसमे मुख्य रूप स0अ0नि0 प्रेम प्रकाश कुमार उपस्थित थे।

भाजपा ओबीसी मोर्चा की बैठक आज

पेटरवार : पेटरवार भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव के निर्देश पर जिला अध्यक्ष चितरंजन साव के नेतृत्व में आगामी 30 जून को वीणा परिषद मेला टांड़ पेटरवार में ओबीसी मोर्चा की बैठक होगी। बैठक में जिला कार्यसमिति के सदस्य, कम जनसंख्या वाले पिछड़ी जाति, ओबीसी समाज के लोग शामिल होंगे। ओबीसी मोर्चा की बैठक में विश्वकर्मा समाज, कुम्हार समाज, कुशवाहा समाज, ठाकुर समाज, महोरी समाज, तेली समाज, चंद्रवंशी समाज, चौहान समाज, यादव समाज, सोनार समाज, तांती समाज, मालाकार समाज, केवट समाज, वर्णवाल समाज के लोग शामिल होंगे। जिले में निवास करने वाले कम संख्या वाले जाति का सम्मेलन एवं पिछड़ी जाति से सामाजिक एवं पंचायती जनप्रतिनिधि के सम्मान समारोह प्रदेश नेतृत्व के आदेशानुसार संयुक्त कार्यक्रम रखा गया। है। उक्त जानकारी ओबीसी मोर्चा के जिला महामंत्री राजेश वर्णवाल ने दी। बताया कि उक्त बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्य, जिला पदाधिकारी, जिला कार्यसमिति सदस्य, मंडल अध्यक्ष बैठक में शामिल होंगे।

विधायक की पहल पर आश्रित को मिला आठ लाख मुआवजा

जयनगर: विधायक अमित कुमार यादव के पहल पर बीते दिनों 6 जून को केटीपीएस पावर प्लांट में काम के दौरान करंट के चपेट में आने से मृतक मंटू यादव के आश्रित पत्नी इंदु देवी, पिता महादेव यादव और भाई दिलीप यादव को ग्रामीणों के समक्ष कंपनी के प्रोपराइटर सीताराम प्रसाद की ओर से बचे हुए छह लाख रुपये मुआवजा मिला। ज्ञात हो कि चंदवारा प्रखंड क्षेत्र के ग्राम गैड़ा निवासी युवक मंटू यादव का बीते दिनों केटीपीएस पावर प्लांट में काम के दौरान करंट के चपेट में आने से मौत हो गया था। उसी निमित्त विधायक अमित कुमार यादव और कंपनी के प्रोपराइट व अधिकारियों के साथ बैठक कर तत्काल मृतक के आश्रित को दो लाख रुपए मुआवजा दिया गया था और बाकी के बचे छह लाख रुपए आज दिया गया।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल

सतगावां : थाना क्षेत्र के बुधवार को देर रात 11 बजे खुट्टा स्थित डाक बाबा के समीप मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक युवक घायल हो गया। घायल युवक की पहचान गावां थाना क्षेत्र के चक निवासी सुभाष कुमार (17 वर्ष, पिता संजय प्रसाद यादव) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की सूचना सतगावां थाना पुलिस को दी। सतगावां पुलिस ने घायल युवक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां में भर्ती कराया।

वाहनों की टक्कर में दो लोग घायल

कोडरमा: कोडरमा थाना क्षेत्र के कोडरमा घाटी के नौवां माइल में गुरुवार की दोपहर विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक और टेलर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में ट्रक का चालक समेत दो लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार ट्रक बिहार से कोडरमा की तरफ आ रहा था, जबकि ट्रेलर कोयला लोड करके कोडरमा से बिहार की तरफ जा रही थी। इस दौरान कोडरमा घाटी में दोनों वाहन के बीच टक्कर हो गई। जिसके बाद करीब आधा घंटे लगभग तक घाटी में जाम की स्थिति बनी रही। इस दुर्घटना में बिहार निवासी मनोज कुमार और उपेंद्र कुमार दोनों बिहार नवादा के रूप मे घायल हो गए। कोडरमा पुलिस की सहायता से इन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल कोडरमा लाया गया। जहां दोनों का इलाज चल रहा है पुलिस पहुंचकर क्रेन की मदद से गाड़ी को किनारे कराया गया और परिचालन शुरू किया गया।

परम्परागत तरीके से मनाया गया बकरीद

सतगावां : प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में गुरुवार को भाईचारे का त्योहार बकरीद धूमधाम से मनाया गया। वहीं अकीदतमंदों ने मस्जिदों में नमाज पढ़ी। लोगों ने नमाज अदा करते हुए घर परिवार और समाज के साथ ही देश मे अमन और चैन की दुआ मांगी। ईद उल -उजहा की नमाज को साथ अदा करते हुए लोगो ने एक-दूसरे की मुबारकबाद दी। सोशल मीडिया के माध्यम से ज्यादातर लोग एक दूसरे को शांति व सौहार्द के पर्व बकरीद त्योहार की शुभकामनाएं दी वहीं बासोडीह, समलडीह, शिवपुर, अंगार, माधोपुर, बजनिया, मीरगंज, डेवोडीह, राजावर आदि गांवो में लोगो ने मस्जिद में ईद की नमाज अदा की। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी बैधनाथ उरांव, इंस्पेक्टर निरंजन उरांव, प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी शेख शकील अहमद, थाना प्रभारी आनंद कुमार साह अपने दल बल के साथ मुस्तैद दिखे।

सोते समय हुई मारपीट, 3 महिला घायल

कोडरमा: सतगावां थाना क्षेत्र बुधवार की देर रात ग्राम रंगेनिया में रात को सो रहे लोगों पर मारपीट कर घायल करने का मामला प्रकाश में आया है। घायल महिलाओं में पुनिया देवी (पति मुद्रिका राय, 40 वर्ष), आरती कुमारी (पति लालो राय, उम्र 22 वर्ष), संजू देवी (पति विनोद राय, 35 वर्ष) शामिल है।

न्यूज फटाफट

आईपीएल टीम इस बार इंग्लिश कप्तान को खरीदना चाहती है

जयपुर : इंग्लैंड के कप्तान को आईपीएल फ्रेंचाइजी की पेशकश की गई है। वे चाहते हैं कि वह देश के लिए खेलने के बजाय उस टीम के लिए खेले। यह साफ नहीं है कि इंग्लिश कप्तान सहमत होंगे या नहीं। राजस्थान रॉयल्स इंग्लैंड के सफेद गेंद के कप्तान जोस बटलर को खरीदना चाहती है। आईपीएल टीम उनके साथ चार साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन करना चाहती है। अगर बटलर सहमत होते हैं, तो उन्हें इंग्लैंड के लिए खेलने के लिए रॉयल्स से अनुमति लेनी होगी। सिर्फ आईपीएल ही नहीं, अगर किसी अन्य लीग में रॉयल्स की टीम है तो बटलर को वहां भी खेलना होगा। चूंकि उनके पास दक्षिण अफ्रीकी लीग में टीमें हैं। क्रिकेट जगत में टी20 लीग का जलवा देखने को मिल रहा है। यह लीग अलग-अलग देशों में शुरू हो चुकी है। ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश है, इंग्लैंड में द हंड्रेड नामक लीग है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, श्रीलंका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका में टी20 लीग शुरू हो चुकी है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने क्रिकेटरों के ऐसे लीग में खेलने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसे में भारतीय क्रिकेटर आईपीएल के अलावा किसी भी लीग में खेलते नजर नहीं आते हैं। हालाँकि दूसरे देशों के क्रिकेटर अलग-अलग लीग में खेलते हैं। लीग टीमें उन्हें पूरे साल अपने पास रखना चाहती हैं। कई फ्रेंचाइजी की कई लीगों में टीमें हैं। वे चाहते हैं कि वे खिलाड़ी उनकी सभी टीमों में खेलें। ऐसा करने पर क्रिकेटरों के लिए देश के लिए खेलना मुश्किल हो जाएगा। जेसन रॉय के साथ इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड का इतना पूर्ण अनुबंध नहीं था। इसलिए जेसन ने आसानी से देश का अनुबंध छोड़ दिया और अमेरिकी टी20 लीग में शामिल हो गए। बटलर इंग्लैंड टीम के कप्तान हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि वह यह भूमिका छोड़ने के राजस्थान रॉयल्स के प्रस्ताव पर सहमत होंगे या नहीं। बटलर पिछले कुछ वर्षों में राजस्थान के लिए सफल रहे हैं। उन्होंने 96 मैचों में 3223 रन बनाए। पाँच सौ हैं। बटलर ने पिछले आईपीएल में 863 रन बनाकर ऑरेंज कैप जीती थी। उस समय उन्होंने चार शतक लगाए थे।

पूर्व फुटबॉलर चंदन बनर्जी का निधन

कोलकाता : ईस्ट बंगाल क्लब के पूर्व कप्तान चंदन बनर्जी का गुरूवार तड़के यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। साठ के दशक के अंत में उन्होने ईस्ट बंगाल का नेतृत्व किया था। वह एक लाइलाज बीमारी से जूझ रहे थे। परिजनो के अनुसार सुबह करीब 3:30 बजे उन्होने अंतिम सांस ली। स्टॉपर चंदन बनर्जी साठ के दशक में लाल-पीली जर्सी से खेले थे और 1966 में ईस्ट बंगाल के कप्तान बने थे। 2015 में क्लब ने उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट से सम्मानित किया था। उनके पार्थिव शरीर को मैदान में ईस्ट बंगाल क्लब के टेंट में ले जाया गया, जहां क्लब के अधिकारियों और सैकड़ों अनुयायियों ने उन्हे पुष्पाजंलि अर्पित की। ईस्ट बंगाल के लिए खेलने का उनका सपना तब पूरा हुआ जब उन्हें कप्तान बनाया गया और उन्होंने क्लब को कई ट्रॉफियां जिताई। उन्होंने 1954 में मिलन समिति से एक फुटबॉलर के रूप में अपना करियर शुरू किया। इसके बाद वह भवानीपुर के रास्ते जॉर्ज टेलीग्राफ में शामिल हो गये और सुर्खियों में आ गये, जिसका उन्हें तत्कालीन पूर्व प्रमुख के रूप में तुरंत इनाम मिला। 1963 में बंगाल ज्योतिष गुहा ने उन्हें अपने क्लब के लिए साइन किया।

संशय वर्ल्ड कप क्रिकेट के कार्यक्रम की घोषणा के बावजूद पाकिस्तान की भागीदारी अनिश्चित

पाकिस्तान नहीं आया तो आईसीसी का प्लान बी लागू

पाकिस्तान की भागीदारी पर संदेह बरकरार है, सरकार की मंजूरी लंबित है

एजेंसियां

मुंबईः वर्ल्ड कप क्रिकेट के कार्यक्रम की घोषणा के बावजूद 2023 विश्व कप में पाकिस्तान की भागीदारी अनिश्चित बनी हुई है। मैच भारत के पांच शहरों में होंगे। यदि पाकिस्तान यात्रा नहीं करता है तो आईसीसी के पास आकस्मिक योजनाएं हैं।

2023 क्रिकेट विश्व कप बहुप्रतीक्षित है, जो भारत को पहली बार एकमात्र मेजबान के रूप में चिह्नित करेगा। टूर्नामेंट में 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक 48 मैच होंगे, जिसका उद्घाटन और फाइनल मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा।

पाकिस्तान की भागीदारी पर संदेह बरकरार है, सरकार की मंजूरी लंबित है। यदि पाकिस्तान भाग नहीं लेता है, तो उनकी जगह जिम्बाब्वे में क्वालीफायर की तीसरी रैंक वाली टीम ले ली जाएगी। ग्रुप चरण में दो मैच हारने के कारण वेस्टइंडीज पर विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाने का खतरा मंडरा रहा है। श्रीलंका, जिम्बाब्वे, स्कॉटलैंड, नीदरलैंड और ओमान ने सुपर सिक्स चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया है। 2023 एशिया कप और विश्व कप की मेजबानी अनिश्चित हो गई है। भारत ने पाकिस्तान का दौरा करने से इनकार कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप पाकिस्तान और श्रीलंका में मैचों के साथ एक हाइब्रिड मॉडल तैयार हुआ है। भारत ने आखिरी बार 2008 में पाकिस्तान का दौरा किया था, जबकि पाकिस्तान ने आखिरी बार भारत का दौरा 2021 टी20 विश्व कप के लिए 2016 में किया था। पाकिस्तान पांच स्थानों पर खेलेगाः अहमदाबाद, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद।

अगरकर बन सकते हैं टीम के मुख्य चयनकर्ता

राष्ट्रीय खबर

मुंबईः अजीत अगरकर भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता हो सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों के मुताबिक, आवेदन करने वालों में पूर्व ऑलराउंडर सबसे आगे चल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लंबे समय तक खेलने का अनुभव रखने के कारण अगरकर बाकियों से आगे हैं।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता पद के लिए इच्छुक पूर्व क्रिकेटरों से आवेदन आमंत्रित किये हैं। बताया जाता है कि कई पूर्व क्रिकेटरों ने रुचि व्यक्त की है और आवेदन किया है।

आगरकर भी उनमें से हैं। पिछले साल फरवरी में चेतन शर्मा के इस्तीफा देने के बाद से मुख्य चयनकर्ता का पद खाली है।

शिवसुंदर दास अस्थायी तौर पर कार्यरत हैं। इच्छुक उम्मीदवार 30 जून तक बोर्ड में आवेदन कर सकते हैं। पूर्व तेज गेंदबाज सलिल अंकोला अब पश्चिमी क्षेत्र से राष्ट्रीय चयनकर्ता हैं। अगर अगरकर को मुख्य चयनकर्ता के रूप में नामित किया जाता है, तो पश्चिमी क्षेत्र से दो राष्ट्रीय चयनकर्ता होंगे। 45 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर ने देश के लिए 26 टेस्ट, 191 वनडे और 4 टी20 मैच खेले हैं। उनके पास लंबे समय तक मुंबई के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलने का अनुभव भी है। अब वह आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोचों में से एक हैं।

हेड और स्मिथ चमके, आस्ट्रेलिया के पांच विकेट पर 339 रन

एजेंसियां

लंदनः ट्रेविस हेड (77) और स्टीवन स्मिथ (85 नाबाद) के बीच चौथे विकेट के लिये 118 रनों की महत्वपूर्ण भागीदारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट पर 339 रन बना कर मजबूत शुरूआत की। ऐतिहासिक लार्डस के मैदान पर इंग्लैंड ने टास जीत कर आस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी करने के लिये आमंत्रित किया। डेविड वार्नर (66) और उस्मान ख्वाजा (17) ने पारी की शुरूआत की। इस बीच वर्षा ने भी मैच में व्यवधान डाला। जोस टोंग ने ख्वाजा को क्लीन बोल्ड कर इंग्लैंड को पहला झटका दिया जब टीम का स्कोर 73 रन था जबकि चार ओवर बाद ही वार्नर भी जोस की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गये। हालांकि बाद में क्रीज पर आये मार्नस लाबुशेन(47) ने स्मिथ के साथ पहली शतकीय साझीदारी निभायी मगर वे अर्धशतक से महज तीन रन दूर रह कर ओली राबिसन की गेद पर विकेट के पीछे लपके गये। पारी के 75वें ओवर में इंग्लैंड के पार्ट टाइम स्पिनर जो रूट ने खतरनाक साबित हो रहे ट्रेविस हेड को स्टांप कराया। रूट की ललचाती हुयी गेंद को क्रीज के बाहर आकर मारने के प्रयास में हेड चूके और विकेटकीपर ब्रेस्टो ने उनकी गिल्लियां बिखेर दी।

जिम्बाब्वे में 20 जुलाई से शुरू होगा जिम एफ्रो टी10 टूर्नामेंट

हरारे : जिम्बाब्वे के हरारे में क्रिकेट का सबसे तेज़ प्रारूप जिम एफ्रो टी10 टूर्नामेंट 20 जुलाई से खेला जायेगा। प्रतियोगिता का फाइनल 29 जुलाई को होगा। टूर्नामेंट के पहले संस्करण के नामकरण के अधिकार रियल एस्टेट की दिग्गज कंपनी जिम साइबर सिटी को दिए गए हैं। इसके साथ ही यह टूर्नामेंट अब जिम साइबर सिटी जिम एफ्रो टी10 के नाम से जाना जाएगा। टूर्नामेंट में पांच निजी स्वामित्व वाली टीमें खिताब के लिये जोर आजमाइश करेंगी जिनमें हरारे हरिकेन, डरबन कलंदर्स, केप टाउन सैम्प आर्मी, बुलावायो ब्रेव्स और जॉबर्ग बफ़लोज़ शामिल हैं। उद्घाटन संस्करण के लिए खिलाड़ी का ड्राफ्ट दो जुलाई को हरारे में एक भव्य समारोह में होगा।५

वीरेंद्र सहबाग ने दो टीमों के जीतने की उम्मीद जतायी

राष्ट्रीय खबर

नई दिल्ली: वनडे वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर को शुरू होने जा रहा है। विश्व के सर्वश्रेष्ठ का खिताब जीतने के लिए 10 टीमें 46 राउंड तक संघर्ष करेंगी। और क्रिकेटर्स अभी से ही उस वर्ल्ड कप की भविष्यवाणी करने लगे हैं। उस टीम में पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग भी हैं। वीरू ने बताया कि आगामी विश्व कप में कौन सी दो टीमें सेमीफाइनल में जगह पक्की करेंगी। लेकिन सबसे हैरानी की बात ये है कि उन दोनों टीमों में एशियाई उपमहाद्वीप की कोई टीम नहीं है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर के अनुसार, चूंकि खेल एशियाई उपमहाद्वीप में खेला जा रहा है, इसलिए चार टीमों के सेमीफाइनल में पहुंचने की सबसे अधिक संभावना है। वो चार टीमें हैं भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया।

दीपिका पादुकोण ने फाइटर से ऋतिक रौशन की पहली झलक शेयर की

एजेंसियां

मुंबईः बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपनी आने वाली फिल्म फाइटर से अपने को-स्टार ऋ तिक रौशन की पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर की है। ऋतिक रौशन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी आने वाली फिल्म 'फाइटर' से अपना फर्स्ट लुक शेयर किया था। अब दीपिका ने फिल्म फाइटर के पोस्टर को शेयर किया है। दीपिका पादुकोण ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर फाइटर से ऋतिक रौशन का लुक शेयर करते हुए फैंस से एक सवाल पूछा। दीपिका ने कहा,आपको क्या लगता है मैं ऋतिक रौशन को फिल्म में क्या बुलाती हूं? सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही फिल्म 'फाइटर, 25 जनवरी 2024 को रिलीज होगी। 'फाइटर' में अनिल कपूर की भी अहम भूमिका है।

मधुर शर्मा का बिन माही गाना रिलीज

एजेंसियां

मुंबईः गायक मधुर शर्मा का गाना बिन माही रिलीज हो गया है। 'काली काली जुल्फों के' और 'बीबा सदा दिल' जैसे ट्रेंडिंग ट्रैक देने के बाद, मधुर शर्मा अब नुसरत फतेह अली खान के क्लासिक 'बिन माही' की एक दिल छू लेने वाली प्रस्तुति लेकर आए हैं। मधुर शर्मा ने कहा, 'बिन माही' की यह प्रस्तुति ओरिजिनल मास्टरपीस के प्रति अपार श्रद्धा से भरी है। प्रत्येक नोट के साथ, मैंने अपनी भावनाओं और व्याख्या को शामिल करते हुए उस्ताद नुसरत फतेह अली खान के सार को पकड़ने की कोशिश की है। मुझे उम्मीद है कि 'बिन माही' न सिर्फ एक महान किवदंती को श्रद्धांजलि है बल्कि यह श्रोताओं और संगीत प्रेमियों को पुरानी यादें भी ताजा कर देगा।

रवि किशन की पीरियड फिल्म 1922 प्रतिकार चौरी चौरा

एजेंसियां

मुंबईः भोजपुरी सिनेमा के मेगास्टार और सांसद रवि किशन की फिल्म 1922 प्रतिकार चौरी चौरा 30 जून को रिलीज होगी। रवि किशन गोरखपुर के सांसद हैं और इस फिल्म का केंद्र बिंदु उत्तर प्रदेश में गोरखपुर के पास स्थित चौरी चौरा स्टेशन है। यह फिल्म आजादी की लड़ाई के दौरान घटित सत्य घटना पर आधारित है। फिल्म 1922 प्रतिकार चौरी चौरा उत्तरप्रदेश के गोरखपुर, बस्ती, अयोध्या के साथ-साथ उस ऐतिहासिक घटना के मूल स्थान पर भी शूट हुई है, जिससे फिल्म का जीवंत प्रदर्शन हो सके। इस फिल्म में रवि किशन के साथ जेठवानी, अनिल नागरथ, अशोक वोटिया, अनुराधा सिंह की भी अहम भूमिकाएं हैं। रवि किशन फिल्म 1922 प्रतिकार चौरी चौरा को लेकर रोमांचित हैं। उन्होंने अपने फैंस एवं देशभक्तों से इस फिल्म को सिनेमाघरों में जाकर देखने की अपील भी की है। फिल्म 1922 प्रतिकार चौरी चौरा का निर्माण और निर्देशन अभिक भानु ने किया है।

रसिका दुग्गल की वेब सीरीज अधूरा का ट्रेलर रिलीज

एजेंसियां

मुंबई : बॉलीवुड अभिनेत्री रसिका दुग्गल की वेबसीरीज अधूरा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अधूरा हॉरर वेब सीरीज है। अधूरा ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर 07 जुलाई को स्ट्रीम की जाएगी। अधूरा का निर्देशन गौरव के चावला ने और अनन्या बनर्जी ने किया है। वहीं, एम्मे एंटरटेनमेंट के मोनिशा आडवाणी, मधु भोजवानी और निखिल आडवाणी ने अधूरा को प्रोड्यूस किया है। अधूरा की कहानी अनन्या बनर्जी ने लिखी है। सीरीज अधूरा की कहानी सात एपिसोड्स में है। अधूरा का ट्रेलर रिलीज हो गया है।'अधूरा' का ट्रेलर एक बेहद डरावनी कहानी की झलक दिखाता हैं। 'अधूरा' की कहानी ऊटी के एक बोर्डिंग स्कूल के इर्द-गिर्द घूमती हैं। इस सीरीज की कहानी, साल 2007 और साल 2022 ऐसे दो अलग अलग वक्त मे घटी घटनाओं के साथ आगे बढती जाती हैं। जैसे ही अपराध के बोझ के तले जीनेवाले अधीराज (इश्वाक सिंह) का सामना परेशान छात्र वेदांत(श्रेणिक अरोरा) से होता है।

आकांक्षा अवस्थी की फिल्म दुल्हिन नं. 1 की शूटिंग पूरी

एजेंसियां

मुंबईः अक्स पाठशाला इंटरटेनमेंट एल एल पी प्रस्तुत भोजपुरी फिल्म 'दुल्हिन नं. 1' की शूटिंग पूरी हो गई है। फिल्म दुल्हिन नं. 1 में आकांक्षा अवस्थी की मुख्य भूमिका है। इस फिल्म की शूटिंग लखनऊ में हुई है। फिल्म दुल्हिन नं. 1 के निर्माता विवेक कुमार और निर्देशक कन्हैया विश्वकर्मा हैं। फिल्म के निर्माता विवेक कुमार का कहना है कि हमने फिल्म में परफेक्शन और सोवरनेस से कोई कंप्रोमाइज नहीं किया है। इस फिल्म की कहानी के अनुसार हमने फिल्म को बेस्ट बनाने की कोशिश की है। मुझे पूरी तरह से यकीन है कि जब यह बड़े परदे पर आएगी, तो दर्शक इस फिल्म को देखकर अच्छा ×फील करेंगे। उन्होंने कहा कि फिल्म का गीत-संगीत भी मनभावन है और यह सबको लुभाने वाली है। वहीं, आकांक्षा अवस्थी ने कहा कि हमने एक बेहद खास जर्नी फिल्म ''दुल्हिन नं. 1'' में पूरी की है। हमने एक टीम के साथ अपना बेस्ट दिया है। अब बस फिल्म के रिलीज होने का इंतजार है। इसके अलावे भोजपुरी सिनेमा के सुधि दर्शकों के साथ अन्य फिल्म प्रेमियों से आग्रह करूंगी कि आप अपना आशीर्वाद और प्यार हम पर बनाए रखिएगा। गौरतलब है कि फिल्म 'दुल्हिन नं. 1' के असोशीएट डायरेक्टर रवि तिवारी हैं। म्यूजिक रजनीश मिश्रा और मधुकर आनंद हैं। कहानी राकेश त्रिपाठी हैं। डीओपी प्रकाश अन्ना हैं।कोरियोग्राफर सोनू प्रीतम हैं। कला राम बाबू ठाकुर हैं। कॉस्टयूम कविता क्रियेशन की है। इस फिल्म में आकांक्षा अवस्थी, मनोज आर पांडेय, निसार खान, मनोज टाइगर, संजय पांडेय, माया यादव, संजय वर्मा, अनीता सहगल, कृष्णा यादव, सम्भू राणा प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

कौन बनेगा करोड़पति 15 का नया प्रोमो रिलीज

मुंबई : लोकप्रिय शो कौन बनेगा करोड़पति 15 का नया प्रोमो रिलीज कर दिया गया है। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ह्यकौन बनेगा करोड़पतिह्ल को होस्ट करते हैं।कौन बनेगा करोड़पति के 15वां सीजन का प्रोमो सीनी टीवी ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। अमिताभ बच्चन इसमें कहते दिखते हैं, भारत ने परिवर्तन को पूरी तरह से अपनाया है. एक ऐसा बदलाव जो विकास को बढ़ावा देता है, एक बदलाव जिसने हमारी मानसिकता को फिर से बदल दिया है और एक बदलाव जो नई आकांक्षाओं को प्रेरित करता है।केबीसी के वीडियो के कैप्शन में लिखा है, देखिए कौन बनेगा करोड़पति, जल्द ही एक नये रूप में। गौरतलब है किह्लकौन बनेगा करोड़पति 15ह्ल के लिए अप्रैल 2023 में ही रजिस्ट्रेशन शुरू हुए थे। वर्ष 2000 में कौन बनेगा करोड़पति शो की शुरुआत हुई थी।

प्रदेश ›› अपडेट

अमेरिकी वाणिज्य दूतावास में गोलीबारी , दो की मौत

वाशिंगटन : सऊदी अरब के लाल सागर बंदरगाह शहर जेद्दा में बुधवार को अमेरिकी वाणिज्य दूतावास में हुई गोलीबारी की घटना में दो लोगों की मौत हो गई। अमेरिका के विदेश विभाग ने घटना की पुष्टि की है। वॉल स्ट्रीट जर्नल के रिपोर्टर ने विदेश विभाग के प्रवक्ता के हवाले से यह बात कही। उन्होंने कहा कि हम आज सऊदी अरब के जेद्दा में हमारे महावाणिज्य दूतावास के बाहर हुई गोलीबारी की घटना की पुष्टि कर सकते हैं। इसमें दो लोगों की मौत हो गयी। मारे गए लोगों में वाणिज्य दूतावास के स्थानीय सुरक्षा गार्ड बल का एक सदस्य एवं हमलावर व्यक्ति शामिल है , जो सऊदी सुरक्षा बलों द्वारा मारा गया। प्रवक्ता ने कहा, अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावास सऊदी अधिकारियों के संपर्क में हैं क्योंकि वे घटना की जांच कर रहे हैं। वाणिज्य दूतावास को बंद कर दिया गया और हमले में किसी भी अमेरिकी नागरिक को नुकसान नहीं पहुंचा है।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स ››

विस्थापितों के शिविर में आग से 11 घर जले

सना : पश्चिमी यमन में विस्थापित लोगों के एक शिविर में बुधवार को आग लग जाने से 11 घर जलकर नष्ट हो गए। अल-मसीरा टीवी ने यह जानकारी दी है। हौथी अधिकारी के अनुसार, आग होदेइदा प्रांत के अल-कनाविस जिले में ईद उल-अजहा उत्सव पर जश्न मनाने के दौरान की गई आतिशबाजी के कारण लगी। आग से फर्नीचर, भोजन और पशुधन जल गए, लेकिन कोई घायल नहीं हुआ। अधिकारी ने कहा कि प्रभावित परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

फोन पे कंपनी के शिकायत करने पर कार्रवाई : गृह मंत्री

भोपाल : मध्यप्रदेश के गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने आज कहा कि अगर फोन पे कंपनी शिकायत करेगी तो सरकार उस शिकायत पर निश्चित रूप से कार्रवाई करेगी। डॉ मिश्रा ने संवाददाताओं से चर्चा में कहा कि ये राजनीति का विद्रूप चेहरा है। कांग्रेस के लोग सीसीटीवी फुटेज में ये पोस्टर लगाते दिखाई दे रहे हैं। छिंदवाड़ा, बुरहानपुर और ग्वालियर में फुटेज में कांग्रेस के कार्यकर्ता स्पष्ट दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अब उस कंपनी से ही चेतावनी मिल रही हैं। अगर ये कंपनी शिकायत करेगी तो निश्चित तौर पर सरकार उस पर कार्रवाई करेगी।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

मोदी के दौरे ने बेजोड़ अवसरों का सृजन किया: आईएएमएआई

नयी दिल्ली : इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) तकनीकी सहयोग को सक्षम बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और कहा कि इस सहयोग से भारत के टेकडे की उन्नति के लिए सहकार, साझेदारी और निवेश के बेजोड़ अवसर पैदा होंगे। आईएएमएआई के अध्यक्ष हर्ष जैन प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत के तकनीकी क्षेत्र में महत्वपूर्ण उन्नति हुई है, जिससे निवेश के अवसर खुले हैं, स्टार्ट-अप का प्रसार हुआ है और रोजगार सृजन हुआ है।

पाकिस्तान में एएनएफ ने पांच तस्करों को गिरफ्तार किया

इस्लामाबाद : पाकिस्तान में एंटी-नारकोटिक्स फोर्स (एएनएफ) ने बुधवार को देश के दक्षिण पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में पांच संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया। एएनएफ के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी है। प्रवक्ता ने बताया कि एएनएफ ने प्रांतीय राजधानी क्वेटा में मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान इन तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से 18 किलोग्राम नशीला पदार्थ भी जब्त किया गया। गिरफ्तार किए गए तस्कर बलूचिस्तान और पूर्वी पंजाब प्रांत से है।

अनुसंधान केंद्र सरकार के मुताबिक पांच साल में रिसर्च पर 50 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे

मोदी की अगुवाई में राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान का गठन

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को इस विधेयक को मंजूरी दे दी
- पौराणिक काल में भारत ने विज्ञान में बहुत प्रगति की

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: केंद्र सरकार के मुताबिक पांच साल में रिसर्च पर 50 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें से 36 हजार करोड़ रुपये निजी क्षेत्र, राज्य के स्वामित्व वाले उद्योगों, अनुदान एजेंसियों से आएंगे।

मोदी सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान का मार्गदर्शन करने के लिए एक राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन बनाने के निर्णय की घोषणा की है। यह बिल संसद के आगामी सत्र में पेश किया जाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को इस विधेयक को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली यह संस्था तय करेगी कि केंद्र विज्ञान, प्रौद्योगिकी, समाजशास्त्र के किन क्षेत्रों और किन विषयों पर पैसा लगाएगा। केंद्र के मुताबिक पांच साल में रिसर्च पर 50 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें से 36 हजार करोड़ रुपये निजी क्षेत्र, राज्य के स्वामित्व वाले उद्योगों, अनुदान एजेंसियों से आएंगे। परिणामस्वरूप देश की जरूरतों, विशेषकर आर्थिक प्रगति के अनुरूप अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा।

जिस शोध से समाज को बहुत कम 'फायदा' होता है, वह पैसे की बबार्दी होना बंद हो जाएगा।

अब तक एसईआरबी (साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड) तय करता था कि रिसर्च के लिए कहां पैसा लगाना है।

इसे 2008 में बनाया गया था। उस एजेंसी का अब नेशनल रिसर्च फाउंडेशन में विलय कर दिया जाएगा। विरोधियों को डर है कि भारतीय शिक्षण मंडल जैसे आरएसएस संगठन लंबे समय से भारतीय विज्ञान में अनुसंधान पर जोर देते रहे हैं।

उनके अनुसार पौराणिक काल में भारत ने विज्ञान में बहुत प्रगति की। उस सब पर शोध होना चाहिए। खुद प्रधानमंत्री ने भी गणेश जी की गर्दन पर लगे हाथी के सिर को पहली प्लास्टिक सर्जरी बताया था।

सवाल ये है कि क्या इस बार मोदी सरकार रिसर्च में जेंट्रीफिकेशन की राह पर चलेगी। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर के मुताबिक, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और औद्योगिक क्षेत्र-विशिष्ट अनुसंधान पर जोर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री निदेशक मंडल के प्रमुख होंगे। उनके साथ 15 से 25 प्रख्यात शोधकर्ता, शिक्षाविद्, पेशेवर भी होंगे। संगठन की कार्यकारी परिषद प्रधानमंत्री के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार के नेतृत्व में काम करेगी। वे शोध की दिशा तय करेंगे। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह के मुताबिक, अब आईआईटी, आईआईएससी जैसे संगठनों को रिसर्च फंडिंग का बड़ा हिस्सा मिलता है। राज्य विश्वविद्यालयों को केवल 10% मिलता है। उनका दावा है कि नई व्यवस्था में तस्वीर बदल जाएगी।

आक्रामक भाव में कांग्रेस, शुरू की भाजपा के प्रचार को थामने की कवायद

भाजपा आईटी सेल के प्रमुख मालवीय पर एफआईआर

- बेंगलुरु में दर्ज करायी गयी है प्राथमिकी
- भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हुई शुरूआत
- पहल का असर भी दिखने लगा है अब

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: कर्नाटक में कांग्रेस के एक नेता की शिकायत पर भारतीय जनता पार्टी के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कांग्रेस नेता का आरोप है कि मालवीय ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर वैमनस्यता को बढ़ावा दिया और लोगों को उकसाने का काम किया। मालवीय द्वारा किए गए एक ट्वीट के सिलसिले में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के सदस्य रमेश बाबू ने यह शिकायत दर्ज कराई थी। ट्वीट के साथ साझा किए गए एक एनीमेटेड वीडियो में कथित रूप से राहुल गांधी और कांग्रेस को खराब तरीके से दर्शाया गया है। वैसे अंदरखाने से यह खबर आयी है कि भारत जोड़ो यात्रा के समय से ही कांग्रेस ने आगे बढ़कर भाजपा के कुप्रचार का मुकाबला करने का फैसला कर लिया था।

इस योजना के तहत उन चैनलों और मीडिया घरानों तक की पहचान कर ली गयी थी, जो जानबूझकर कांग्रेस के खिलाफ चलने वाले भाजपा के कुप्रचार का हिस्सा बने हुए थे। इसलिए अपनी यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने यूट्यूब पर चैनल चलाने वालों से मुलाकात की थी और सोशल मीडिया में ट्रोल किये जाने के बारे में भी अपना अनुभव सांझा किया था। यह पाया गया था कि कांग्रेस के खिलाफ माहौल बनाने की शुरूआत भाजपा आईटी सेल की तरफ से होती है। एक बार कोई पोस्ट आने के बाद देश भर के भाजपा नेता तुरंत ही उसे फैलाने में जुट जाते हैं। इसलिए कांग्रेस ने अब इसकी जड़ में वार करने के लिए ही अमित मालवीय पर प्राथमिकी दर्ज करायी है।

आद्रा के टीएमसी नेता का हत्यारा बिहार से गिरफ्तार

राष्ट्रीय खबर

कोलकाता: बांकुड़ा के आद्रा शहर में तृणमूल अध्यक्ष धनंजय चौबे की हत्या के मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने बुधवार को आरोपी के पास से एक बंदूक भी बरामद की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार किए गए शख्स का नाम आरजू मलिक है। उनका घर बिहार के जमुई इलाके में है। आद्रा सिटी तृणमूल अध्यक्ष धनंजय की पिछले गुरुवार शाम पार्टी कार्यालय में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमलावरों की गोलीबारी में धनंजय के अंगरक्षक, राज्य पुलिस कांस्टेबल शेखर दास घायल हो गए। हमलावरों द्वारा तृणमूल नेता और उनके अंगरक्षक को गोली मारने और भागने के बाद, स्थानीय लोग दोनों को रघुनाथपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने धनंजय को मृत घोषित कर दिया। बाद में शेखर को दुगार्पुर के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि वह फिलहाल स्वस्थ हैं। इस घटना पर राजनीतिक दबाव तेज हो गया। तृणमूल ने विरोध शुरू कर दिया। पुलिस ने आनन-फानन में एक विशेष जांच टीम का गठन किया। पुरुलिया के पुलिस अधीक्षक अभिजीत बनर्जी उस टीम के प्रमुख थे। हत्या के बाद राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने धनंजय के परिजनों को बुलाया। राज्य के कानून मंत्री मलय घटक धनंजय के घर गये। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, धनंजय के शरीर में तीन गोलियां लगीं। और सिक्योरिटी गार्ड को गोली मार दी गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मुख्य आरोपी आरजू काफी दिनों से झारखंड के बोकारो में रह रहा था।

संगम पर पुरोहितों की चौकियों तक आया पानी

राष्ट्रीय खबर

प्रयागराज: पहाड़ों पर और मध्य प्रदेश में लगातार हो रही वर्षा के कारण तीर्थराज प्रयाग में गंगा-यमुना के जलस्तर में घट-बढ जारी रहने से संगम तट स्थित तीर्थ पुरोहितों ने अपनी-अपनी चौकियों को पीछे खिसकाना शुरू कर दिया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि गंगा और यमुना के जलस्तर में घट-बढ़ का ट्रेंड जारी है। गुरूवार को सुबह आठ बजे गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 76.05 मीटर, छतनाग में 71.61 दर्ज किया गया, जबकि यमुना के जलस्तर में पिछले 24 घंटे के दौरान 25 सेंटीमीटर की बढोत्तरी के साथ 72.54 मीटर दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि बुधवार को गंगा का जलस्तार सुबह आठ बजे फाफामऊ में 76.13 मीटर, छतनाग में 71.70 मीटर जबकि नैनी में यमुना 72.29 मीटर दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि बुधवार की तुलना में गुरूवार को गंगा जलस्तर फाफामऊ में पिछले 24 घंटे में आठ सेंटीमीटर, छतनाग में नौ सेंटीमीटर घटा है तो नैनी में यमुना 25 सेंटीमीटर बढ़ी हैं।

अरुणाचल के पूर्व गृह मंत्री भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: कांग्रेस ने भी बुधवार से छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। दिल्ली में राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की मौजूदगी में विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा हुई। वह कई दिनों से अरुणाचल प्रदेश में भाजपा सरकार की गतिविधियों की आलोचना कर रहे थे। उन्होंने पूरे उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में पद्म-शिबिर की आक्रामक राजनीति पर सवाल उठाया। इस बार अरुणाचल के पूर्व गृह मंत्री कुमार वाई मणिपुर में हिंसा का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस में शामिल हो गए। कुमार औपचारिक रूप से भाजपा छोड़कर बुधवार को एआईसीसी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने अरुणाचल की स्थिति की तुलना मणिपुर की स्थिति से करते हुए कहा, पूरे उत्तर-पूर्व में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) का दुरुपयोग किया जा रहा है। भाजपा सरकार जनता का पैसा लूट रही है। लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने पार्टी के महासचिव के सी वेणुगोपाल के सामने कांग्रेस की सदस्यता ली। वह अरुणाचल प्रदेश की भाजपा सरकार में गृहमंत्री रह चुके हैं।

संघर्ष आबकारी विवाद के कारण पड़ोसी राज्यों के मुकाबले दिल्ली को हुआ घाटा

आस पास से बियर खरीद कर पी रहे हैं दिल्ली वाले

- गर्मी के मौसम में आधी हो गयी बिक्री
- दूसरे राज्यों में सस्ती बिक रही बियर
- यूपी और हरियाणा को हुआ फायदा

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: गर्मी के मौसम में बीयर की बिक्री बढ़ेगी, यह तय है। दिल्ली समेत उत्तर भारत में इस बार भीषण गर्मी पड़ी है। लेकिन तपती दिल्ली में बीयर की बिक्री काफी कम हो गई है! लेकिन दिल्ली के सभी पड़ोसी राज्यों में बीयर की बिक्री बढ़ गई है। बंगाल में भी शराब दुकानदार मांग पूरी करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। क्या दिल्ली को बीयर पसंद नहीं है? कम से कम गर्मियों में शराब की बिक्री के आंकड़े तो यही बताते हैं। मालूम हो कि इस बार मई में राजधानी दिल्ली में 83 लाख लीटर बीयर की बिक्री हुई। जो पिछले साल मई में 173 लाख लीटर था। यानी पिछले साल के मुकाबले मई में दिल्ली में बीयर की बिक्री 52 फीसदी गिर गई। यह देखकर पेय उद्योग से जुड़े लोग हैरान रह गए। कई लोगों के पास भीषण गर्मी में शरीर को ठंडक पहुंचाने के लिए एक जोड़ी बीयर भी नहीं होती है। कई बाजार विशेषज्ञ पिछले साल मई में ही दिल्ली में बिकने वाली बीयर की मात्रा को सामान्य मानना चाहते हैं। उसकी तुलना में इस साल बिक्री लगभग आधी रह गई है। तो क्या दिल्ली वाले बीयर नहीं लेना चाहते? दिल्ली के उत्पाद शुल्क विभाग ने बीयर की कम बिक्री के लिए मौसम को जिम्मेदार ठहराया है। उनमें से एक हिस्से का दावा है कि बहुत से लोग भीषण गर्मी के कारण बीयर नहीं पीना चाहते हैं। नतीजा यह हुआ कि बीयर कम बिकी। फिर उनका एक हिस्सा विकल्पों की कमी की बात कर रहा है।

न्यूज फटाफट

टाइटन पनडुब्बी के मलबे से मानव अवशेष बरामद

वाशिंगटन : अमेरिकी तट रक्षकों का मानना है कि लापता टाइटन पनडुब्बी के अंदर मिले मलबे में उसमें सवार लोगों के शव के अवशेष भी हैं। अमेरिकी तट रक्षक ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एजेंसी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बुधवार को बताया गया कि अमेरिकी चिकित्सा पेशेवर घटना स्थल पर पनडुब्बी के मलबे के भीतर सावधानीपूर्वक बरामद किए गए अनुमानित मानव अवशेषों का औपचारिक तरीके से विश्लेषण करेंगे। तटरक्षक अधिकारियों ने पिछले गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा था कि लापता पनडुब्बी टाइटैनिक के मलबे के पास फट गई, जिससे उसमें सवार सभी पांच यात्रियों की मौत हो गई। ओशनगेट कंपनी ने टाइटैनिक के मलबे को देखने के लिए पनडुब्बी यात्रा परियोजना शुरु की थी जिसका टिकट करीब दो करोड़ रुपये होता है। इस हादसे में इस कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टॉकटन रश भी मारे गये। यात्रियों में पाकिस्तानी मूल के शहजादा दाऊद और उनके बेटे सुलेमान दाऊद, हामिश हार्डिंग और पॉल-हेनरी नार्जियोलेट शामिल थे। जारी विज्ञप्ति के अनुसार, अमेरिकी तट रक्षक को घटना स्थल पर समुद्र तल से मलबा और सबूत बरामद हुए। बुधवार को पनडुब्बी के बड़े टुकड़ों को सेंट जॉन्स न्यूफ़ाउंडलैंड ले जाया गया।

दक्षिणी अमेरिका में लू से 17 लोगों की मौत

ह्यूस्टन : अमेरिका के टेक्सास में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी और गर्मी जनित बीमारियों से अबतक कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई है। दक्षिणी अमेरिका के अन्य हिस्सों में भी गर्मी लगातार पैर पसार रही है। दक्षिणी टेक्सास के वेब काउंटी में मेडिकल परीक्षक डॉ कोरिन स्टर्न ने बुधवार को कहा कि असामान्य गर्मी के कारण 60 वर्ष से अधिक उम्र के 11 लोगों की मौत हो गई है। डॉ स्टर्न ने कहा, हमने अपने जीवन में ऐसी गर्मी यहां पहले कभी नहीं देखी। लू से होने वाली मौतों को दुर्घटना माना जाता है और दुर्घटनाएं, परिभाषा के अनुसार, रोकी जा सकने वाली मौतें हैं। इन सभी मौतों को रोका जा सकता था। फ्लोरिडा के 14 वर्षीय लड़के की गत शुक्रवार को टेक्सास के बिग बेंड नेशनल पार्क में गर्मी से मृत्यु हो गई। वहां का तापमान 119 डिग्री फ़ारेनहाइट (48 डिग्री सेल्सियस) तक चढ़ गया था। यह राज्य में अब तक दर्ज किया गया यह दूसरा सबसे अधिकतम तापमान था। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार गर्मी की गिरफ्त में आकर मरने वालों में उत्तरी टेक्सास का एक 17 वर्षीय लड़का, पूर्वी टेक्सास का एक लाइनमैन, डलास का एक डाक कर्मचारी और तटीय राज्य लुइसियाना के दो लोग शामिल हैं। टेक्सास ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट में कहा गया कि जब से टेक्सास में लू चली है। एयर कंडीशनिंग की कमी वाली जेलों में 30 साल के दो पुरुषों सहित कम से कम नौ कैदियों की दिल का दौरा पड़ने या अज्ञात कारणों से मौत हो गई है। डॉ. स्टर्न के अनुसार पिछले कुछ हफ्तों में अमेरिका-मेक्सिको सीमा के पास गर्मी से संबंधित मौतों की संख्या भी बढ़ी है। पिछले हफ्ते से मैक्सिकन सीमा के करीब एक रेगिस्तान में और न्यू मैक्सिको के सनलैंड पार्क क्षेत्र में मानव तस्करी क्षेत्रों के पास पांच शव पाए गए। अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा का अनुमान है कि टेक्सास में आज (गुरुवार) और शुक्रवार को तापमान 110 से 115 डिग्री फ़ारेनहाइट तक पहुंच जाएगा क्योंकि गर्मी अर्कांसस, लुइसियाना, कैनसस और ओक्लाहोमा में फैल जाएगी। अगले छह दिनों के दौरान गर्मी के 150 से ज्यादा रिकॉर्ड टूट सकते हैं।

एक आतंकवादी मारा गया, तीन घायल

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक सैन्य अभियान के दौरान एक आतंकवादी मारा गया है और तीन अन्य घायल हो गए हैं। सेना ने गुरुवार को एक बयान में यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने पुष्टि की कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर जिले के तिराह इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई, जिसमें एक आतंकवादी की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। आईएसपीआर ने कहा कि मंगलवार को देश के पूर्वी पंजाब प्रांत में पुलिस के आतंकवाद रोधी विभाग ने एक बड़ी आतंकवादी कोशिश को नाकाम कर दिया और खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान के दौरान नौ आतंकवादियों को गिरफ्तार कर लिया।

आज का इतिहास

- 1894-सोलबॉन पेरिस में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की स्थापना।
- 1911-भारतीय साहित्यकार नागार्जुन का जन्म।
- 1914-दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के अधिकारों के लिये आंदोलन करने के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को पहली बार गिरफ्तार किया गया।
- 1917-भारत के प्रसिद्ध दिग्गज राजनेता, उद्योगपति, शिक्षाविद और विचारक दादा भाई नौरोजी का निधन।
- 1928-हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्ध संगीतकार कल्याणजी का जन्म।
- 1933-फासीवाद के खिलाफ एंटवर्प में 50 हजार लोगों ने प्रदर्शन किया।
- 1937-दुनिया का पहला इमरजैंसी नंबर 999 लंदन में जारी किया गया था।
- 1938-बच्चों का पसंदीदा कार्टून सुपरमैन पहली बार कॉमिक्स (डीसी कॉमिक्स एक्शन सीरीज भाग-1) में नजर आया।
- 1947-भारत के विभाजन की घोषणा के बाद बंगाल और पंजाब के विभाजन के लिए बाउंडरी कमीशन के सदस्यों की घोषणा की गई।
- 1948-ब्रिटिश सेना की अंतिम टुकड़ी इजरायल छोड़ स्वदेश रवाना हुयी।
- 1953-जनसंघ के संस्थापक श्यामाप्रसाद मुखर्जी की कश्मीर में कैद के दौरान मौत हो गई।
- 1960-अमेरिका ने क्यूबा से चीनी का आयात बंद करने का निर्णय लिया।
- 1962-रवांडा और बुरूंडी देश स्वतंत्र हुये।
- 1966-आज ही के दिन अमेरिका में बॉक्सर और एक्टर माइक टाइसन का जन्म।
- 1980-भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी के बड़े पुत्र संजय गाँधी एक विमान दुर्घटना में मारे गए।
- 1985-लेबनान में बंधक बनाए गए 39 अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार किए गए।
- 1990-पूर्वी और पश्चिमी जर्मनी ने अपनी अर्थव्यवस्था का विलय किया।
- 1994-फ्रांस के तोलूज में ए-330 एयरबस विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से सात लोग मारे गये।
- 1997-हांगकांग पर से ब्रिटिश हुकूमत खत्म हुई।
- 2000-अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर को कानूनी मान्यता दी।
- 2002-ब्राजील ने जर्मनी को 2-0 से हराकर फुटबाल के विश्व कप पर कब्जा किया।
- 2005-स्पेन में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता दी गयी।
- 2006-फुटबाल विश्वकप में जर्मनी ने अर्जेन्टीना को हराया।
- 2007-संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आम सहमति से शांति रक्षण विभाग के बंटवारे का निर्णय किया।
- 2008-रविकांत, उमा शंकर चौधरी व विमल चन्द्र पाण्डेय को संयुक्त रूप से भारतीय ज्ञानपीठ का नवलेखन पुरस्कार प्रदान किया गया।
- 2012-मोहम्मद मुर्सी मिस्र के राष्ट्रपति बने।

राष्ट्रीय ख़बर
हमारी नज़र
प्रथम पृष्ठ 2
रांची शुक्रवार 12
web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rastriyakhabar.com
30:06:2023

6 जुलाई को विस्तृत सुनवाई

रांचीः गिरिडीह के बर्खास्त मेयर सुनील कुमार पासवान की ओर से उनके जाति प्रमाण पत्र को गलत बताते हुए रद्द करने के आदेश के खिलाफ दायर अपील याचिका मामले की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में बुधवार को हुई। मामले में सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से फिजिकल कोर्ट में सुनवाई करने का आग्रह करते हुए कोर्ट से समय की मांग की गई।

रांची में अदा की गई ईद उल अजहा की नमाज, पुलिस रही मुस्तैद

राष्ट्रीय खबर

रांची: राजधानी रांची में ईद उल अजहा की नमाज अदा कर ली गई। बारिश की वजह से राजधानी रांची के अधिकांश स्थानों पर नमाज मस्जिदों में अदा की गई। कुछ जगहों पर जरूर मस्जिद के बाहर भी नमाज अदा की गई। बकरीद को देखते हुए रांची पुलिस भी बेहद सतर्क है। रांची के तमाम संवेदनशील स्थानों पर गुरुवार की सुबह 5 बजे से ही पुलिस बल अपनी ड्यूटी संभाल चुके थे जो देर रात तक जारी रहेगी।राजधानी रांची में ईद उल अजहा को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला। हालांकि 3 दिनों से हो रही लगातार बारिश की वजह से उत्साह में थोड़ी खलल जरूर पड़ी। बारिश की वजह से ही रांची के हरमू रोड ईदगाह में काफी सालों के बाद नमाज अदा नहीं की गई। अंजुमन इस्लामिया के द्वारा यह तय किया गया था कि ईदगाह में इस बार नमाज अदा नहीं की जाएगी। भारी बारिश की वजह से यह फैसला लिया गया।रांची के मेन रोड, डोरंडा, हिंदपीढ़ी, बरियातू, कांके, पिठोरिया, अरगोड़ा सहित तमाम मस्जिदों में हल्की बूंदाबांदी के बीच ईद उल अजहा की नमाज अदा की गई।बकरीद को देखते हुए राजधानी के सभी संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल के साथ-साथ ड्रोन की टीम को भी तैनात किया गया था। सभी थाना प्रभारी नमाज के वक्त अपने अपने इलाकों में भ्रमणशील रहे। बकरीद को लेकर राजधानी रांची में दो हजार पुलिस बलों की तैनाती की गई है। खासकर वैसे ही इलाके जहां बकरीद के समय पूर्व में सामाजिक सौहार्द्र बिगड़ा था, वहां विशेष निगरानी रखी जा रही है। सोशल मीडिया पर भी विशेष नजर पुलिस के द्वारा रखी जा रही है। रांची पुलिस के द्वारा एक दिन पूर्व ही यह संदेश जारी कर दिया गया था कि अगर कोई भी सामाजिक सौहार्द्र को बिगाड़ने की कोशिश करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।मुस्लिम जानकार बताते हैं कि इस्लाम धर्म में पांच फर्ज माने गए हैं। इस्लाम को मानने वालों का कहना है कि हज के दौरान ही ईद उल अजहा मनाया जाता है। इस दौरान लोग नमाज पढ़ने के बाद कुबार्नी की प्रक्रिया शुरू करते हैं। ईद उल अजहा में दौरान कुबार्नी का बहुत महत्व होता है।

रांची के खादगढ़ा बस स्टैंड में एक के बाद एक 8 बसों में लगी आग

राष्ट्रीय खबर

रांची: राजधानी रांची के खादगढ़ा बस स्टैंड में अभी पांच बसों की आग ठीक से बुझी भी नहीं थी कि तीन और बसों में आग लग गई है। जिसपर दमकल की गाड़ियों ने मुश्किल से आग पर काबू पाया। अभी तक आशंका जताई जा रही थी कि किसी ने साजिश के तहत आग लगाई है। अब इस आशंका को बल मिल रहा है।कांटाटोली बस स्टैंड में गुरुवार दोपहर पांच बसों में आग लग गई। आनन फानन में लोगों ने दमकल विभाग को फोन किया। मौके पर दमकल की गाड़ी पहुंचती तब तक चार बस जलकर राख हो चुकी थी। जबकि पांचवीं बस पूरी तरह जलने से बच गई। अभी इन बसों की आग ठंडी भी नहीं हुई थी कि एक बार फिर से वहां खड़ी तीन बसों में आग लग गई।इस दौरान आग लगने की सूचना के बाद मौके पर कांटा टोली पुलिस भी पहुंची और खादगढ़ा बस स्टैंड को चारों तरफ से सील कर सभी बसों की तलाशी ली। यहां पर कुछ लोगों ने आशंका जताई है कि बस में आग साजिश के तहत लगाई गई है। क्योंकि कुछ ऐसी बसों में भी आग लगी है जो एक दूसरे से करीब 500 मीटर की दूरी पर खड़ी थी। इसके अलावा जिन बसों में आग लगी हैं वे नॉन एसी बसें हैं। ऐसे में इनमें शॉर्ट सर्किट होने की आशंका भी कम है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल वे सीसीटीवी खंगालते हुए मामले की जांच रहे हैं और अगर इसमें किसी की साजिश होगी तो उसपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एक्शन में झारखंड राज्य आवास बोर्ड, दो सप्ताह में 300 लोगों को जारी किया नोटिस

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड राज्य आवास बोर्ड इन दिनों एक्शन में है। पिछले दो सप्ताह में उसने करीब 300 लोगों को नोटिस भेजा है। हरमू, अरगोड़ा में रहने वाले कई ऐसे लोगों को नोटिस उसने दिया है जिन्होंने बोर्ड से ली गयी जमीन का समुचित उपयोग नहीं किया है। घर बनाने की बजाये दुकान, मॉल बना लिया है या उसका व्यावसायिक उपयोग कर रहे हैं। साथ ही कई ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने करीब दो दशकों से जमीन ले रखी है पर उस पर आवास निर्माण नहीं किया है। आवास बोर्ड ने अब ऐसे लोगों को नोटिस देते जुमार्ने के साथ रसीद थमानी शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि आवास बोर्ड में करीब दो सप्ताह पहले संजय लाल पासवान ने अध्यक्ष के तौर पर पदभार ग्रहण किया था। इसके बाद से वे लगातार विभागीय पदाधिकारियों, इंजीनियरों के साथ समीक्षा कर रहे हैं। न्यूज विंग से बातचीत में संजय पासवान ने बताया कि उनके योगदान से पूर्व ही बोर्ड अपने स्तर से अपना काम कर रहा था। उन्होंने समीक्षा के बाद पदाधिकारियों से कहा है कि बोर्ड को और प्रभावी बनाना है। इसके लिए बोर्ड से ली गयी जमीन का समुचित उपयोग ना करने वालों के खिलाफ एक्शन हर हाल में लें। साथ ही बोर्ड ने प्लान बनाया है कि आनेवाले समय में बोर्ड की ओर से बनाए गये ऐसे आवास जिनकी स्थिति अब अच्छी नहीं है, उसे बेहतर रुप दिया जाये। उसकी मरम्मति, रंग रोगन और अन्य जरूरी काम भी कराए जाएं।

जलसंकट जलसंकट तो इस साल का दूर होगा पर अगले साल

रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर सरकारी और निजी जागरुकता ज्यादा जरूरी

- नगर निगम के जारी कर रखी है डिजाइन
- फर्जी रेन वाटर हार्वेस्टिंग सर्टिफिकेट से कमाई
- भूगर्भस्थ जल भंडार तक पहुंच नहीं रहा पानी

राष्ट्रीय खबर

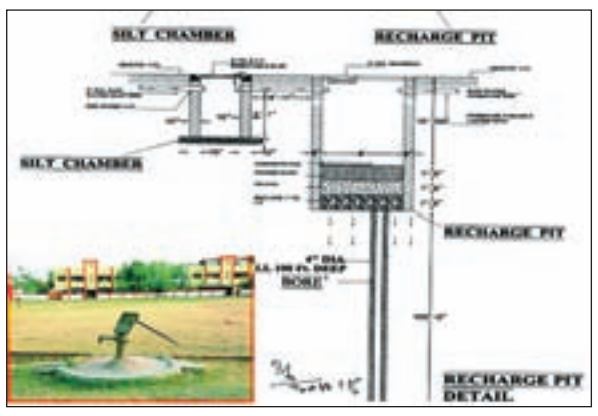

रांची: रांची में रेन वाटर हार्वेस्टिंग के नाम पर छतों का पानी एकत्रित करने का एक भूमिगत भंडार बना दिया गया है। इसमें कोयला, बालू और पत्थर डाले गये हैं। यह जान लेना जरूरी है कि रांची जैसे पहाड़ी इलाकों में इस तरीके से रेन वाटर हार्वेस्टिंग कारगर नहीं है। यहां रांची नगर निगम ने भी इसके प्रावधान स्पष्ट कर रखे हैं। सिर्फ जागरूकता के अभाव में लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं। इससे होता यह है कि जमीन के नीचे बनाये गये इस सोकपिट से बारिश के दौरान पानी उस जलभंडार तक नहीं पहुंच पाता है, जो इन बहुमंजिली इमारतों को बोरिंग से पानी की आपूर्ति करता है।

रांची जैसे शहरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए जो सॉकपिट बनाया जाता है, उसके नीचे कमसे कम सौ फीट की बोरिंग का प्रावधान निर्धारित है। ऐसा करने पर ही भूमिगत जल का भंडार फिर से रिचार्ज हो पाता है। दूसरी तरफ रांची की हजारों बहुमंजिली इमारतों में सॉकपिट तो बनाये गये हैं पर उसके नीचे की बोरिंग का काम छोड़ दिया गया है। मामले की छानबीन से यह भी पता चला है कि दरअसल बिना बोरिंग के ही रेन वाटर हार्वेस्टिंग का प्रमाणपत्र देने में भी पुराने नगर निगम भवन के सामने स्थित एक कार्यालय के लोग अमीर हो गये हैं। बिल्डरों ने पैसा देकर उनसे गलत प्रमाणपत्र हासिल कर लिये हैं। मकान खरीदने वालों को वहां बना सॉकपिट दिखता है। बाद में बिल्डर उन्हें प्रमाणपत्र भी दिखा देते हैं। दरअसल इसमें गड़बड़झाला क्या है, यह आम आदमी नहीं समझ पाता है। सामान्य समझ की बात है कि रांची के हजारों ऐसे मकानों के सॉकपिट में अगर बोरिंग से बरसात का पानी जमीन की गहराई में पहुंचाया जाए तभी आने वाले तीन वर्षों में जलस्तर में सुधार होता हुआ नजर आ सकता है।

अब सरकारी स्तर पर बात करें तो जलसंकट होते ही नया बोरिंग का आदेश भी ठेकेदारों और अफसरों की कमाई का नया जरिया खोल देता है। सरकारी स्तर पर जो बोरिंग किसी वजह से खराब हो चुके हैं, उनका इस्तेमाल सामूहिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए करने की कोई सोच ही विकसित नहीं है। अगर सरकारी स्तर पर योजना बनाकर ऐसे खराब हो चुके बोरिंगों की जांच कर उनमें से सही गहराई वाले पाइप लाइनों के जरिए आस पास के इलाके के रेन वाटर को अंदर पहुंचाया जाए तब भी बहुत राहत मिल सकती है। वैसे यह काम भी तत्काल राहत देने वाला नहीं है। विशेषज्ञ मानते हैं कि रांची जैसे पहाड़ी इलाके की जमीन की गहराई पत्थर होते हैं। ऐसे में पत्थरों को भेदकर अंदर पानी पहुंचाने के लिए ही बोरिंग करना पड़ता है। जिस तरीके से बोरिंग से पानी निकाला जाता है, ठीक उसी तरीके से जमीन के अंदर पानी पहुंचाने का भी इंतजाम होना चाहिए। **(जारी)**